CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 28-03-2026 Zone: Faridabad Edition: 1 Page: NBTFRJK1 User: cci Time: 03-27-2026 22:20 Color:

नई दिल्ली > **शनिवार, 28 मार्च 2026** > चैत्र 7, शक संवत 1948, चैत्र शुक्ल दशमी, विक्रम संवत 2083

WATCH GOD WATCHDOG

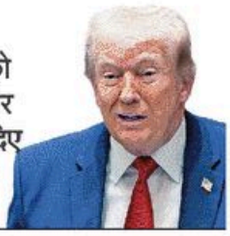

वर्ष 80, संख्या 73 > पेज 20* > फरीदाबाद > मूल्य ₹4.00 या ₹10.50* द टाइम्स ऑफ इंडिया सहित www.nbt.in

*मासिक खरीद पर ही लागू

नेपाल के 47वें प्रधानमंत्री बने बालेन शाह

▶देखें अंदर

NBT नवभारत टाइम्स

एनबीटी में विज्ञापन देने के लिए 18001205474 पर कॉल करें। नवभारत टाइम्स का अंक प्राप्त करने के लिए 18001200004 पर कॉल करें या subscribe.timesofindia.com पर जाएं।

होर्मुज खोलने को ट्रंप ने और 10 दिन दिए

▶देखें अंदर

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 28-03-2026 Zone: Gurgaon Edition: 1 Page: NBTGRP8 User: cci Time: 03-27-2026 20:39 Color:

संवाद
नवभारत टाइम्स
नवभारत टाइम्स | नई दिल्ली/एनसीआर | शनिवार, 28 मार्च 2026

फिर से मोहलत

डेडलाइन तब काम की, जब बात बढ़े

ईरान को समझौता करने या गंभीर अंजाम भुगतने की धमकी देने वाले डॉनल्ड ट्रंप ने होर्मुज स्ट्रेट को लेकर डेडलाइन फिर बढ़ा दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि अब वह तेहरान के एनर्जी ठिकानों पर 6 अप्रैल तक निशाना नहीं बनाएंगे। 10 दिनों के इस वक्त का इस्तेमाल युद्ध विराम की बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए किया जा सकता है, बशर्ते इसमें गंभीरता बरती जाए।

प्रस्ताव कितना ईमानदार | अमेरिका ने 15 सूत्रीय प्रस्ताव भेजकर यह संकेत दिया कि वह शांति कायम करना चाहता है। लेकिन, बार-बार बदल रहे बयानों और ईरान पर लगातार हो रहे हमलों की वजह से इस प्रस्ताव की ईमानदारी सवालों में है। फिर, जिस तरह की शर्तें थोपने की कोशिश है, उससे बातचीत आगे नहीं बढ़ सकती। युद्ध शुरू होने के पहले इन्हीं बिंदुओं पर गतिरोध था और वार्ता की मेज पर तब के मुकाबले आज ईरान ज्यादा मजबूत स्थिति में है।

ट्रंप पर घरेलू दबाव

मार्केट निराश | ट्रंप की दी इस नई मोहलत ने मार्केट में कोई खास उम्मीद नहीं जगाई। जिस दिन उन्होंने नया ऐलान किया, उसी दिन अमेरिकी मार्केट ने अपनी सबसे बड़ी गिरावट देखी। वहीं, क्रूड ऑयल ने 110 डॉलर प्रति बैरल की कीमत छू ली। ईरान ने शुक्रवार को होर्मुज स्ट्रेट में तीन जहाजों को रोक दिया और चेतावनी दी कि गैर-सहयोगी देशों के जहाजों ने यहां से गुजरने का प्रयास किया तो बुरा अंजाम होगा।

हमले जारी | ट्रंप बार-बार कह रहे हैं कि ईरान के साथ बैकडोर बातचीत चल रही है। ईरान इससे इनकार कर रहा है और इसकी वजह यह भी हो सकती है कि ट्रंप का रवैया अविश्वसनीय है। वह खुद तो समझौते की बात कर रहे हैं, पर सहयोगी इस्राइल ने तेहरान के महत्वपूर्ण ठिकानों को निशाना बनाने की धमकी दी है। इस माहौल में बातचीत होना बहुत मुश्किल है, पहले सही परिस्थितियां बनानी होंगी।

समाधान हो लक्ष्य | युद्ध शुरू होने के एक महीने बाद अमेरिका और इस्राइल के लक्ष्य अब अलग-अलग दिखने लगे हैं। ट्रंप का समझौते की ओर झुकाव घरेलू स्तर पर बढ़ते दबाव का भी नतीजा है। इस लड़ाई पर वॉशिंगटन को हर दिन लगभग एक अरब डॉलर खर्च करने पड़ रहे हैं। अनुमान है कि 2025 में जो महंगाई दर 2.6% थी, वह इस साल 4.2% हो सकती है। यही हालात कमोबेश पूरी दुनिया में हैं। होर्मुज बंद होने से सभी देश तेल-गैस को लेकर दिक्कत महसूस कर रहे हैं। सबके हित में है कि इन 10 दिनों में कोरे दावों और तनाव बढ़ाने वाले बयानों के बजाय सार्थक समाधान की ओर बढ़ा जाए।

बात जरूरी है

एयरपोर्ट जाएं कैसे

कई बार टलने के बावजूद आखिरकार जेवर में इंटरनैशनल एयरपोर्ट के पहले चरण का आज उद्घाटन हो रहा है। प्रधानमंत्री ने इसे उत्तर प्रदेश और एनसीआर के लोगों के लिए बड़ा दिन बताते हुए कहा कि यह एयरपोर्ट दिल्ली आईजीआई का बोझ कम करेगा। बात सही है, लेकिन यह तभी संभव होगा जब इस नए एयरपोर्ट तक कनेक्टिविटी आसान होगी। अभी नोएडा से ही यह करीब 65 किलोमीटर दूर है और यहां तक पहुंचने के लिए किसी भी तरह का कोई पब्लिक ट्रांसपोर्ट उपलब्ध नहीं है। आपको अपनी गाड़ी या कैब बुक करके ही जाना होगा। वहीं दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की नोएडा से दूरी मात्र 35 किलोमीटर है और उसके दोनों प्रमुख टर्मिनलों तक जाने के लिए कैब, ऑटो समेत सिटी बस और मेट्रो जैसे सार्वजनिक परिवहन भी मौजूद हैं। अगर इतनी दूर बने जेवर एयरपोर्ट तक पहुंचने का साधन नहीं मिलेगा तो यात्री विकल्प के रूप में पुराने एयरपोर्ट को ही चुनेंगे। ऐसे में कागजों पर बनीं बस, मेट्रो और हाई स्पीड ट्रेन की योजनाएं जितनी जल्दी जमीन पर उतरें, उन्हीं पर एयरपोर्ट की सफलता निर्भर करेगी। सिर्फ कैब और चंद बसों के भरोसे यात्री नहीं मिलेंगे।

अक्षय शुक्ला

जब आप इतने साल से इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट पर काम कर रहे थे तो साथ ही साथ मेट्रो और हाई स्पीड ट्रेन कनेक्टिविटी को भी फाइनल क्यों नहीं किया। इनके रूट तय करने में ही अधिकारियों ने कई साल लगा दिए। कभी दिल्ली एयरपोर्ट से सीधे हाई स्पीड ट्रेन की डीपीआर बनी तो कभी नई दिल्ली स्टेशन से। फिर गाजियाबाद नमो भारत से जोड़ने की रिपोर्ट बनी, उसे बदलकर सराय काले खां से कनेक्ट करने की बात होने लगी। यह करते-करते एयरपोर्ट खुलने का टाइम आ गया, लेकिन मेट्रो और हाई स्पीड ट्रेन रूट का अब भी कुछ पता नहीं। आज भी इनके रूट फाइनल किए तो पांच छह साल बाद ही इनके धरातल पर उतरने की उम्मीद की जा सकती है। दिल्ली एयरपोर्ट का बोझ कम करने के लिए अगर कुछ फ्लाइट्स सिर्फ नोएडा से ही उड़ाने का फैसला किया, तो पुअर कनेक्टिविटी का असर उस पर पड़ना तय है। उड़ान योजना का उदाहरण हमारे सामने है, जिसके तहत कई छोटे शहरों में खोले गए एयरपोर्ट का आज यह हाल है कि कई जगह दिन में एक ही फ्लाइट उतरती है और कई पर तो वह भी नहीं। कई शहरों में यात्री ही नहीं मिले।

जेवर एयरपोर्ट पूरे क्षेत्र के भविष्य की दिशा तय करने वाला प्रोजेक्ट है, जो निवेश और रोजगार की नई कहानी लिखने जा रहा है। इसकी असली सफलता तभी होगी जब यह बेहतर कनेक्टिविटी के साथ ही संतुलित, समावेशी और टिकाऊ विकास को भी गति दे।

ऑफ़ दि ट्रैक

नाख़ून और स्क्रीन का बैर

दिलीप लाल

अगर आपके नाखून लंबे हैं, तो टचस्क्रीन इस्तेमाल करते समय कई बार महसूस किया होगा कि नाखून सीधे स्क्रीन को छूते हैं, पर कोई रिएक्शन नहीं होता। इसकी वजह यह है कि टचस्क्रीन कैपेसिटिव तकनीक पर आधारित होती है। यह तकनीक उंगली में मौजूद हल्के विद्युत आवेश से उत्पन्न इलेक्ट्रिक फील्ड में बदलाव को पहचानती है। चूंकि नाखून विद्युत चालक नहीं होते, वे इस बदलाव को उत्पन्न नहीं कर पाते, इसलिए स्क्रीन रेस्पॉन्ड नहीं करती। इस समस्या ने वैज्ञानिकों को नए समाधान की दिशा में सोचने के लिए प्रेरित किया। हालिया शोध में पाया गया है कि यदि नेल पॉलिश में कुछ विशेष रसायन, जैसे टॉरिन और एथेनोलामाइन मिलाए जाएं, तो नाखूनों को हल्का विद्युत चालक बनाया जा सकता है। टॉरिन एक अमीनो अम्ल जैसा यौगिक है, जो तंत्रिका तंत्र के कार्य में सहायक होता है, जबकि एथेनोलामाइन एक ऑर्गेनिक कंपाउंड है। इसका उपयोग क्रीम, लोशन और शैंपू में pH संतुलन बनाए रखने के लिए किया जाता है। इन रसायनों से तैयार नेल पॉलिश नाखूनों को भी टचस्क्रीन पर काम करने योग्य बना सकती है। अमेरिका के Centenary College of Louisiana के शोधकर्ताओं ने यह खोज की है। इसका इस्तेमाल बड़े पैमाने पर स्मार्टवॉच, चश्मे, कपड़ों और तमाम एक्सेसरीज में हो सकता है। इससे इन चीजों के लिए शरीर से जुड़े डेटा को कलेक्ट करना आसान हो जाएगा।

शिवरामकृष्णन का खुलासा समाज का वह सच, जिसे कोई समस्या नहीं मानता

रंगभेद को मज़ाक़ न कहिए

भारत के पूर्व लेग स्पिनर लक्ष्मण शिवरामकृष्णन के हालिया खुलासों ने हमारे समाज के एक बदसूरत और पुराने जख्म को फिर से कुरेद दिया है। यह है त्वचा के रंग के प्रति हमारी सनक। उनका आरोप है कि खिलाड़ी और कॉमेंटेटर के तौर पर पिछले चार दशकों से उन्हें रंगभेद का सामना करना पड़ा, क्या इसका हम पर कोई असर हुआ है? क्या व्यक्ति और समाज के तौर पर हम इससे शर्मिंदा हैं, या यह कह कर हमने बात खत्म कर दी कि यह मुद्दा उतना गंभीर नहीं, जितना शिवा बना रहे हैं और ये तो होता रहता है, लोगों का 'इंटेंशन' बुरा नहीं होता, ये 'कैजुअल कलरिज्म' है?

प्रभंजन वर्मा

गुलामी का असर | यही हमारे समाज और खासकर स्पोर्ट्स इकोसिस्टम की समस्या है। हम समझने से इनकार करते हैं कि हमें कलरिज्म या रंगभेद जैसे मीठे शब्दों के पीछे छिपना बंद करना होगा। असल में यह नस्लवाद है। नस्लवाद जिसकी हम निंदा करते हैं, लेकिन 200 बरसों की गुलामी की वजह से यह हमारी संस्कृति में रच-बस गया है। इसे हम अब तक नहीं तोड़ पाए हैं।

बोलचाल में अपमान | रंग सांवला या काला हो तो 'कालू, कल्लू', पैर खराब हो तो 'लंगड़ा', एक आंख से दिक्कत हो तो 'कानिया', वजन ज्यादा तो 'मोटू या जाड़या' और कम हो तो 'पतलू'। हम इन पहचान सूचक शब्दों का बेधड़क इस्तेमाल करते हैं। इसकी आदत भी कम उम्र से ही लगने लगती है। फेयरनेस क्रीम के विज्ञापनों से शुरू होकर खेल के मैदानों में सांवले बच्चों को दिए जाने वाले 'हार्मलेस' उपनामों तक यह जारी रहता है। अगर पीड़ित ने कभी टोका या उसे बुरा लगा तो हम 'अनौपचारिक' या 'अनजाने' जैसे शब्दों के पीछे छिप जाते हैं, गलती नहीं मानते। बस यहीं से यह नस्लवाद का रूप ले लेती है जो पीड़ित के लिए अपमानजनक, भेदभावपूर्ण और अमानवीय होता जाता है।

कई और मामले | वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान डैरेन सैमी का मामला ही लीजिए। IPL में सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेलते हुए सैमी को उनके साथी खिलाड़ी 'कालू' कहते थे। तब सैमी ने सोचा कि यह प्यार का शब्द है। बरसों बाद उन्हें इसके अपमानजनक नस्लीय अर्थ का पता चला। 'ड्रेसिंग रूम की मस्ती' की आड़ में नस्लीय अपशब्द का उपयोग करने में सहजता दर्शाती है कि यह जहरीलापन कितना सामान्य हो चुका है। इसी तरह, पाकिस्तान के पूर्व कप्तान सरफराज अहमद को स्टंप माइक पर दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाज एंडिल फेहलुक्वायो को 'कालिया' कहते हुए पकड़ा गया। वहीं, पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिनव मुकुंद ने बताया था कि किस तरह उनके रंग को लेकर टिप्पणियां होती थीं।

बहाने नहीं, बदलाव चाहिए

- गलती करके भी उस पर अड़े रहने की आदत
- हल्के अंदाज (कैजुअल कलरिज्म) में रंगभेद
- घर-समाज में बच्चों को बनाना होगा संवेदनशील

समस्या की जड़ | जब ये मामले सामने आते हैं, तो बचाव में हमेशा एक ही बात कही जाती है - मेरा वह मतलब नहीं था। यही समस्या की जड़ है। हमारा समाज गोरे को अच्छे और सांवले/काले को घटिया मानने के लिए इतना अभ्यस्त हो चुका है कि बोलने वालों में सच में लगता है वे कुछ गलत नहीं कर रहे। वे यह समझने में विफल रहते हैं कि त्वचा के रंग को मजाक के रूप में उपयोग करके वे रंगभेद और नस्लवाद को स्थापित कर रहे हैं।

करियर की चिंता | सवाल है कि मुकुंद, सैमी या शिवारामकृष्णन ने उसी वक्त इसका विरोध क्यों नहीं किया? तो जवाब यह है कि क्रिकेट और स्पोर्ट्स में बुलिंग कल्चर सामान्य है। एक नया या बाहर से आया हुआ खिलाड़ी लॉकर रूम में एडजस्ट होना चाहता है, वह झगड़ा नहीं चाहता। करियर एक बड़ा गोल है, उसको हाशिए पर रखना इतना आसान नहीं होता। लेकिन एक सच्चाई यह भी है शिवा से लेकर मुकुंद तक, चार दशक का कालखंड बीत चुका है। इस बीच BCCI कहां था?

नाकाफी उपाय | BCCI ने हाल में अंडर-19 और वरिष्ठ स्तर पर क्रिकेटरों के लिए मीडिया प्रशिक्षण और संवेदीकरण कार्यक्रम शुरू किए हैं, लेकिन ये उपाय नाकाफी हैं। जब तक कोई खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचता है, तब तक उसके पूर्वाग्रह अक्सर पक्के हो चुके होते हैं। फाइव स्टार होटलों में सेमिनार के बजाय जमीनी स्तर पर - निजी अकादमियों और स्पोर्ट्स कोचिंग सेंटरों में ऐसे प्रोग्राम करने चाहिए।

समाज की जिम्मेदारी | हमारे घर-समाज में जो हो रहा है, खिलाड़ियों ने वही महसूस किया। अगर कोई अपने पैरेंट्स या बड़ों से किसी के रंग पर कमेंट सुनते हुए बड़ा हुआ है, तो उम्मीद नहीं कर सकते कि वह आगे चलकर दूसरों के रंग का सम्मान करेगा। हमें कंडीशनिंग के इस चक्र को तोड़ना होगा।

(लेखक क्रिकेट ब्रॉडकास्टर और स्पोर्ट्स कंसल्टेंट हैं)

AI Image

5 पॉइंट

सोशल मीडिया दोषी

अमेरिका में एक ऐतिहासिक फैसले में सोशल मीडिया कंपनी मेटा और सर्च इंजन गूगल को बच्चों की मेंटल हेल्थ को नुकसान पहुंचाने के लिए जिम्मेदार ठहराया गया। जूरी ने पाया कि इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे प्लैटफॉर्म लत बढ़ाने वाले डिजाइन से युवाओं को प्रभावित करते हैं।

1 जूरी का फैसला
लॉस एंजिलिस में जूरी ने 20 वर्षीय वादी को 60 लाख डॉलर हर्जाना देने को कहा है। इसमें 70% जिम्मेदारी मेटा और 30% गूगल की है। अदालत के इस फैसले से मामला ऐतिहासिक बन गया।

2 लती बनाने वाले डिजाइन
जूरी ने माना कि इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे प्लैटफॉर्म लाइक्स, इनफिनिट स्क्रॉल और नोटिफिकेशन जैसे फीचर्स से यूजर्स को लंबे समय तक बांधे रखते हैं। इससे बच्चों में मानसिक समस्याएं बढ़ती हैं।

3 मेंटल हेल्थ को नुकसान
वादी ने दावा किया कि बचपन में सोशल मीडिया की लत से उसे चिंता, अवसाद और बॉडी डिस्मॉर्फिया जैसी समस्याएं हुईं। जूरी ने माना कि कंपनियां इन खतरों के प्रति चेतावनी देने में विफल रहीं।

4 कंपनियों का रुख
अदालत के फैसले पर मेटा और गूगल ने असहमति जताई और आगे अपील करने की बात कही। गूगल ने यूट्यूब को जिम्मेदार स्ट्रीमिंग प्लैटफॉर्म बताया, जबकि मेटा ने अभिव्यक्ति की आजादी का मुद्दा उठाया।

5 दुनिया में असर
फैसला कम्युनिकेशंस डिसेंसी एक्ट की धारा 230 की सीमाओं पर सवाल खड़े करता है। सोशल मीडिया पर सख्ती बढ़ सकती है। कंपनियों को डिजाइन में बदलाव करने पड़ सकते हैं।

प्रस्तुति: अभिषेक मिश्र

नदियों पर जागरूकता बढ़ाने के लिए रचे राग

*प्रख्यात संतूर वादक पंडित तरुण भट्टाचार्य को पद्मश्री पुरस्कार देने की घोषणा हुई है। पिछले साल ही उन्हें तानसेन सम्मान मिला था। हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत में पांच दशक से सक्रिय, 23 दिसंबर 1957 को बंगाल में जन्मे भट्टाचार्य विख्यात सितार वादक पंडित रविशंकर के शिष्य हैं और विश्व के विभिन्न देशों में अपनी प्रस्तुतियां दे चुके हैं। संतूर में प्रयोग करने के लिए उनकी ख्याति रही है। इसके अलावा, गुरु-शिष्य परंपरा में संगीत शिक्षा के लिए संतूर आश्रम की भी स्थापना की है। **आलोक पराड़कर** ने उनसे लंबी बातचीत की। पेश हैं मुख्य अंश:*

सप्ताह का इंटरव्यू

तरुण भट्टाचार्य

> **संतूर को सितार, सरोद या तबला की तरह लोकप्रिय करना चाहता हूं। इसकी ध्वनि को दुनिया के कोने-कोने में फैलाना चाहता हूं। मैं चाहता हूं कि नई पीढ़ी अधिक से अधिक संतूर को सीखे।**

■ पहले तानसेन सम्मान और अब पद्मश्री, कैसा लग रहा है?

काफी खुशी हो रही है। राष्ट्रीय सम्मान का खासा महत्व है। सम्मान का अर्थ प्रेरणा भी है और इससे यह भी पता चलता है कि हमारा काम लोगों तक पहुंच रहा है और वे इसे पसंद कर रहे हैं। मगर, सम्मान के साथ जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है। अब ज्यादा जवाबदेही भी महसूस हो रही है।

■ पंडित शिवकुमार शर्मा और पंडित भजन सोपोरी भी संतूर को हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत में प्रतिष्ठित स्थान दिलाने के लिए प्रयासरत थे। आपके प्रयास उनसे कैसे अलग हैं?

हर कलाकार की अपनी शैली है। हर व्यक्ति अपने तरीके से प्रयोग करता है। पंडित शिवकुमार शर्मा और पंडित भजन सोपोरी ने संतूर के लिए बहुत कुछ किया है। उन्होंने काफी प्रयोग भी किए हैं। मेरी कोशिश संतूर को उसके प्राचीन रूप शततंत्री वीणा में वापस लाने का है। संतूर भारतीय वाद्य है और प्राचीन काल में शततंत्री वीणा के रूप में लोकप्रिय रहा है। मैं इसकी ध्वनि को वीणा का रूप देना चाहता हूं। इसी कारण मैंने इसमें मोटा तार लगाया है और मींड एवं गमक के नए-नए काम किए हैं। इसे बजाने के ढंग में, इसके आकार में मैंने प्रयोग किए हैं और इसे सितार और सरोद की तरह बजाने का प्रयास किया है। आज संतूर पर भी दूसरे वाद्यों की तरह रागों का वादन हो पा रहा है। मैंने इसमें मनका लगाने का प्रयोग किया है, जो तारों को सटीक रूप से सुर में रखता है।

■ पिता रबि भट्टाचार्य से ही आपने संगीत सीखा है। क्या वह भी संतूर वादक थे?

पिताजी शौकिया संतूर बजाते थे। मुख्यतः वह सितार बजाते थे। मैंने पिताजी के दोस्त दुलार राय जी से सीखा है। उन दोनों की जुगलबंदी होती थी। मुझे बचपन से ही संतूर आकर्षित करता रहा है।

■ आप प्रसिद्ध सितार वादक पंडित रविशंकर से भी जुड़े। उनका क्या असर रहा?

रविशंकर जी से मेरी भेंट 1982 में हुई और फिर मैंने उनसे सीखना शुरू किया। उनसे मुझे संगीत की गहराई, राग का चिंतन मिला। उन्होंने संतूर के लिए नई तकनीक बताई। सितार की चीजें उन्होंने मुझे संतूर पर बजानी सिखाईं। मनका लगाने का विचार भी उन्हीं से मिला। न सिर्फ संगीत में बल्कि मेरे जीवन में उनका बहुत योगदान है।

■ आप पाश्चात्य संगीत के साथ फ्यूजन भी करते हैं, कैसा लगता है?

मैं इसे फ्यूजन नहीं कहता। मेरे हिसाब से ब्लेंडिंग उपयुक्त है। मेरा मानना है कि ऐसे कार्यक्रमों में आधे रास्ते हम आते हैं और आधा रास्ता दूसरा कलाकार तय करता है। फिर दोनों मिलकर चलते हैं। मैंने चीनी कलाकारों के साथ ऐसा ही किया था। ऐसे कार्यक्रमों की काफी तैयारी करनी होती है, पहले काफी समय तक एक-दूसरे का संगीत सुनना और समझना होता है। मैं उन कलाकारों में नहीं हूं जो सीधे मंच पर पहुंच कर फ्यूजन शुरू कर देते हैं।

■ आपने राग 'त्रिवेणी' की रचना की, जो नदियों को समर्पित है। आप 'गंगा' राग भी बना चुके हैं। नदियों से इस खास अनुराग का कारण?

ऐसे रागों का उद्देश्य नदियों के प्रति लोगों को जागरूक करना रहा है। 'गंगा' राग स्वच्छ गंगा अभियान को समर्पित था। इसी प्रकार 'त्रिवेणी' भी लोगों को नदियों के प्रति सचेत करने के लिए बनाया था। मैं चाहता हूं कि लोग नदियों को स्वच्छ रखें।

■ आपने संतूर आश्रम की स्थापना की है, इसके पीछे क्या भावना है?

संतूर आश्रम की स्थापना का उद्देश्य ऐसे लोगों को संगीत शिक्षा देना है जो आर्थिक रूप से सक्षम नहीं हैं। संगीत सीखने का अधिकार हर किसी का है। आर्थिक रूप से अक्षम होने पर इसमें रुकावट नहीं आनी चाहिए। मुख्य बात प्रतिभा की है। इस भावना के साथ ही संतूर आश्रम की स्थापना की गई है। यह हावड़ा और कोलकाता में है। संतूर आश्रम में गुरु-शिष्य परंपरा में निःशुल्क शिक्षा दी जाती है, साज भी दिए जाते हैं और एक बार सीख जाने पर उनके कार्यक्रमों का प्रबंध भी किया जाता है।

■ भविष्य में क्या करना चाह रहे हैं?

संतूर को और अधिक प्रसिद्ध करना चाहता हूं। इसे सितार, सरोद या तबला की तरह लोकप्रिय करना चाहता हूं। इसकी ध्वनि दुनिया के कोने-कोने में फैलाना चाहता हूं। मेरी इच्छा है कि नई पीढ़ी अधिक से अधिक संतूर सीखे। इसके लिए मैं विद्यालयों में कार्यक्रम करता हूं। युवाओं-विद्यार्थियों के बीच अधिक से अधिक जाता रहता हूं।

www.nbt.in

पहाड़ों की उम्मीद है बारहनाजा

बारहनाजा यानी 12 तरह के अनाज को एक साथ उगाना। आजकल पहाड़ों पर ऐसी खेती कम होती जा रही है। पलायन के कारण गांव खाली हो रहे हैं और घर व खेत वीरान पड़े हैं। ऐसे में पारंपरिक खेती को बचाए रखना बड़ी चुनौती है। मुझे याद है कि बचपन में खेती और पशुपालन पहाड़ के लोगों की आजीविका के मुख्य आधार थे, लेकिन अब इनमें उनकी रुचि कम हो रही है। इसकी वजह जमीन का कम होना और जंगली जानवरों से फसलों को होने वाला नुकसान। ऊपर से जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याओं ने स्थिति को और कठिन बना दिया है।

ऐसे में टिहरी जिले के जड़धार गांव के विजय जड़धारी से मिलना बहुत सुखद लगता है। वह बारहनाजा खेती को बचाने की मुहिम चला रहे हैं। उन्होंने बताया कि विदेशी वैज्ञानिक भी इस पारंपरिक खेती को समझने के लिए दूर-दूर से हेंवल घाटी आते हैं। उनकी बातों से लगता है कि पहाड़ों को लेकर प्राचीन काल का अनौपचारिक विज्ञान आज के आधुनिक विज्ञान के मुकाबले अधिक टिकाऊ और व्यावहारिक है। पारंपरिक खेती महज व्यवसाय नहीं, एक से दूसरी पीढ़ी को मिलने वाली अमूल्य विरासत है। इसी वजह से पहाड़ों पर कहा जाता है कि दुनिया में सब कुछ मिल सकता है, लेकिन जीवन और आजीविका के लिए उपजाऊ मिट्टी जरूरी है। विजय जड़धारी बताते हैं कि बारहनाजा खेती में मंडवा (रागी) मुख्य फसल होती है। इसके साथ रामदाना, ज्वार, मक्का, राजमा, गहत, भट्ट, उड़द और लोबिया जैसी कई फसलें एक साथ बोई जाती हैं। बारहनाजा की कटाई के बाद खेतों को अक्टूबर से मार्च तक खाली छोड़ दिया जाता है। पहले लोग इस दौरान पशुओं को खेतों में चरने देते थे, जिससे उन्हें चारा मिलता था और खेतों को प्राकृतिक खाद। यूं आराम के बाद जब खेत दोबारा जोते-बोए जाते तो भरपूर पैदावार देते।

खुद अपनी आंख से

बृजेश सती

विजय ने तीन दशक पहले बीज बचाओ आंदोलन की शुरुआत की थी। पहाड़ के उत्पादों को सार्वजनिक मंचों पर पहचान दिलाने की उनकी कोशिश अब रंग ला रही है। आज लोग एक बार फिर मोटे अनाज की ओर लौट रहे हैं, बल्कि अब तो ये उनकी जरूरत बनते जा रहे हैं। मंडवा से बने उत्पादों की ब्रैंडिंग हो रही है, ये बाजार में आ रहे हैं। बारहनाजा और बीज बचाओ आंदोलन का असर अब दिखने लगा है। विदेशी वैज्ञानिक भी पहाड़ की इस परंपरागत कृषि तकनीक और बीज संरक्षण की विधा से रूबरू हो रहे हैं। कोविड के वक्त अमेरिकी शोधार्थी अध्ययन के लिए यहां आए थे। हाल में ही श्रीलंका और जर्मनी के वैज्ञानिकों की टीम पहुंची थी। जलवायु परिवर्तन की वजह से जब खाद्य संकट बढ़ने का अंदेशा जताया जा रहा है, तब बारहनाजा उम्मीद की किरण है। हमारे भविष्य को शायद अब पुरातन ही बचाएगा।

चलते-चलते...

मीठे पानी की मछलियों की आबादी पिछले पांच दशक में लगभग 81% घट चुकी है। नदियों में बनने वाले बांध, प्रदूषण और बेशुमार शिकार के कारण मछलियों पर यह संकट छाया है। ये मछलियां मत्स्य उद्योग और करोड़ों लोगों की आजीविका के लिए महत्वपूर्ण हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इस तरह के संकट को रोकने के लिए नदियों की सुरक्षा जरूरी है।

रीडर्स मेल

▸ भरोसा रखें

27 मार्च का संपादकीय 'अफवाहों से बचें' पढ़ा। इस्राइल-अमेरिका और ईरान की वजह से ग्लोबल मार्केट में हलचल मची हुई है। भारत भी इसके प्रभाव से अछूता नहीं है। गैस, तेल और उर्वरक की सप्लाई पर विपरीत असर पड़ रहा है। हालांकि सरकार लोगों को लगातार भरोसा दिला रही है कि देश में तेल-गैस का पर्याप्त भंडार मौजूद है। लेकिन, जनता में डर तो है और यही कारण है कि पेट्रोल पंपों से लेकर गैस एजेंसियों तक लंबी लाइन देखने को मिल रही है। कुछ मुनाफाखोर और कालाबाजारी करने वाले अपना हित साधने में लगे हुए हैं। उनकी तरफ से लगातार अफवाह फैलाई जाती है। हमारे और देश के हित में यही है कि हम किसी भी बात पर भरोसा करने से पहले उसे खुद परखें। सरकार पर भरोसा रखना होगा।

माम चंद सागर, ई मेल से

▸ सोच बदलनी जरूरी

यह पत्र 25 मार्च के संपादकीय 'धर्म और जाति' से संबंधित है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया है कि अनुसूचित जाति का दर्जा धर्म से जुड़ा हुआ है, जैसा कि 1950 के आदेश में तय किया गया था। कानूनी दृष्टि से यह निर्णय सही और स्पष्ट है, क्योंकि इसका उद्देश्य आरक्षण के लाभों के दुरुपयोग को रोकना है। लेकिन, सामाजिक स्तर पर यह मुद्दा इतना सरल नहीं है। भारत में जाति केवल धर्म से नहीं, बल्कि सामाजिक संरचना से भी जुड़ी हुई है। कई उदाहरण सामने आते हैं, जहां धर्म परिवर्तन के बाद भी लोगों को भेदभाव का सामना करना पड़ा, यानी केवल धर्म बदलने से सामाजिक स्थिति नहीं बदलती। जरूरत इस बात की है कि समाज में जाति आधारित भेदभाव को खत्म किया जाए। कानून अपना काम करता है, लेकिन असली बदलाव तब आएगा, जब लोगों की सोच बदलेगी और हम सभी को बराबरी की नजर से देखेंगे।

मयंक राणा, ईमेल से

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 28-03-2026 Zone: Gurgaon Edition: 1 Page: NBTGRP9 User: vinay.vashisht@timesofindia.co Time: 03-27-2026 22:08 Color:

फटाफट खबरें

3 PSU बैंकों पर RBI का जुर्माना

■ पीटीआई, मुंबई: भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने नियमों का पालन न करने पर यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ इंडिया, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया और फिनटेक कंपनी पाइन लैब्स (Pine Labs) पर भारी जुर्माना लगाया है। 95.40 लाख रुपये का जुर्माना यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, सेंट्रल बैंक पर 63.60 लाख रुपये, बैंक ऑफ इंडिया पर 58.50 लाख रुपये और पाइन लैब्स पर 3.10 लाख रुपये की पेनल्टी लगाई गई है।

8.2 लाख करोड़ जुटाएगी सरकार

■ पीटीआई, नई दिल्ली: केंद्र सरकार अपने खर्चों और कमाई के बीच के अंतर (राजकोषीय घाटे) को भरने के लिए वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही (अप्रैल से सितंबर) के दौरान बाजार से 8.2 लाख करोड़ रुपये का कर्ज जुटाने की योजना बना रही है। वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि यह पैसा सरकारी बॉन्ड्स के जरिए बाजार से लिया जाएगा।

6 कंपनियों के IPO को सेबी की मंजूरी

■ पीटीआई, नई दिल्ली: मार्केट रेगुलेटर सेबी (Sebi) ने SAEL इंडस्ट्रीज, विश्वराज एनवायरनमेंट और सिम्बायोटेक फार्मा लैब समेत कुल 6 कंपनियों को अपना IPO लाने की मंजूरी दे दी है। शुक्रवार को सेबी की तरफ से जारी अपडेट में यह जानकारी दी गई। इस बीच, जिंदल सुप्रीम इंडिया ने 23 मार्च को अपना आईपीओ प्लान वापस ले लिया।

1 अप्रैल को मनाएंगे काला दिन

■ पीटीआई, नई दिल्ली: देश के प्रमुख केंद्रीय ट्रेड यूनियनों ने सरकार के चार नए लेबर कोड के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। यूनियनों के एक संयुक्त मंच ने शुक्रवार को ऐलान किया कि वे 1 अप्रैल को पूरे देश में काला दिन के रूप में मनाएंगे और विरोध प्रदर्शन करेंगे। केंद्र सरकार ने इसी दिन लेबर कोड को लागू करने के लिए केंद्रीय नियमों की अधिसूचना जारी करने का फैसला किया है।

युद्ध बढ़ने की आशंका, तेल ने फिर बिगाड़ा बाज़ार का खेल

$100 के पार पहुंचा कच्चा तेल, रुपया अब तक के सबसे निचले स्तर पर, सेंसेक्स 1690 पॉइंट डूबा, निफ्टी 23,000 के नीचे फिसला

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई: दुनिया भर में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल की वजह से शुक्रवार को सेंसेक्स और निफ्टी 2% से ज्यादा लुढ़क गए। इस गिरावट की कई बड़ी वजहें रहीं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल (Brent Crude) 1.72% बढ़कर 109.9 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। रुपया गिरकर अपने अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है और विदेशी निवेशक लगातार बाजार से पैसा निकाल रहे हैं। 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,690.23 पॉइंट (2.25%) गिरकर 73,583.22 पर बंद हुआ। वहीं, NSE का निफ्टी भी 486.85 पॉइंट (2.09%) फिसलकर 22,819.60 पर बंद हुआ। छुट्टियों की वजह से छोटे रहे इस कारोबारी हफ्ते में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों को करीब 1.27% का नुकसान हुआ है।

सेंसेक्स में रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे ज्यादा 4.55% का नुकसान हुआ। इसके अलावा इंटरग्लोब एविएशन, बजाज फाइनेंस, SBI और HDFC बैंक के शेयरों में भी बड़ी गिरावट रही।

AI Image

लगातार पांचवें हफ्ते गिरावट: अमेरिकी शेयर बाजार पिछले चार साल के अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है और लगातार पांचवें हफ्ते घाटे में है।

NBT Lens खबरों के अंदर की बात

कब तक अस्थिरता बनी रहेगी?

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान पर हमलों को 6 अप्रैल तक रोकने और बातचीत की बात कही है, लेकिन इससे निवेशकों का भरोसा नहीं लौटा। ईरान की तरफ से जवाबी कार्रवाई जारी है और अमेरिका के प्रस्तावों पर कोई सहमति बनती नहीं दिख रही। कच्चा तेल 111 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंचने से महंगाई और मंदी का डर बढ़ गया है। इन तमाम बातों ने निवेशकों के रिस्क लेने की हिम्मत को कम कर दिया है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि जब तक युद्ध के मोर्चे पर शांति नहीं होती, बाजार में ऐसी ही अस्थिरता बनी रह सकती है।

कितनी गिरावट?

- **सेंसेक्स**: 1,690.23 अंक (-2.25%)
- **Nifty**: -2.09%
- **PSU बैंक**: -3.88%
- **रियल्टी**: -3.10%
- **सर्विसेज**: -2.86%
- **ऑटो**: -2.79%
- **बैंकिंग**: -2.70%
- **फाइनेंशल सर्विस**: -2.69%
- **कंज्यूमर** डिस्क्रिशनरी: -2.52%
- **कंज्यूमर** ड्यूरेबल्स: -2.50%
- **मिडकैप**: -2.12%
- **स्मॉलकैप**: -1.77%
- **नुकसान**: एक दिन में 8.86 लाख करोड़ का झटका
- **ब्रेंट क्रूड (कच्चा तेल)**: 111.2 डॉलर/बैरल (2.93% बढ़ा)
- रिलायंस इंडस्ट्रीज और PSU बैंकों के शेयरों में सबसे ज्यादा बिकवाली रही।

किस वजह से निवेशकों में डर फैल गया?

कच्चे तेल के बाजार में शुक्रवार को भारी उतार-चढ़ाव देखा गया। इसका असर शेयर बाजार पर दिखा। जानकारों का कहना है कि पश्चिम एशिया में युद्ध की वजह से होर्मुज जलडमरूमध्य (Strait of Hormuz) जैसे अहम समुद्री रास्तों से तेल का निर्यात रुकने की आशंका बढ़ गई है। तेल के स्टोरेज टैंक भी लगभग भर चुके हैं, जिससे आने वाले समय में उत्पादन में कटौती करनी पड़ सकती है। इसके अलावा, यूक्रेन के ड्रोन हमलों के कारण रूस का करीब 40% तेल निर्यात भी रुकने की खबर है, जिससे दुनिया भर में तेल की कमी का डर सता रहा है।

वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने गुरुवार को कहा था कि वह ईरान के तेल ठिकानों पर हमले को 10 दिनों (6 अप्रैल तक) के लिए टाल रहे हैं क्योंकि बातचीत में कुछ सुधार दिख रहा है। हालांकि, ईरान ने बातचीत के दावे को खारिज कर दिया, जिससे बाजार में बेचैनी बढ़ गई।

$ के मुकाबले पहली बार 94 पार हुआ ₹

शुक्रवार को भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले 89 पैसे की बड़ी गिरावट के साथ 94.85 के ऐतिहासिक निचले स्तर पर बंद हुआ। एक्सपर्ट्स का मानना है कि जब तक कच्चे तेल के दाम कम नहीं होते, रुपये की सेहत में सुधार मुश्किल है। शुक्रवार को रुपया 94.18 पर खुला था और कारोबार के दौरान इसने पहली बार 94.50 का स्तर पार किया। दिन खत्म होते-होते यह 94.85 के रेकॉर्ड निचले स्तर पर जाकर थमा। वहीं, RBI के मुताबिक, 20 मार्च को खत्म हुए हफ्ते में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 11.413 अरब डॉलर घटकर 698.346 अरब डॉलर रह गया। RBI रेफरेंस रेट के मुताबिक रुपये का भाव 94.59 रहा।

AI Image

चांदी 11,250 रुपये टूटी, सोना सस्ता

■ दिल्ली में शुक्रवार को चांदी की कीमतों में करीब 5 फीसदी की भारी गिरावट आई। ऑल इंडिया ज्वैलर्स असोसिएशन के मुताबिक, चांदी की कीमत (सभी टैक्स मिलाकर) 11,250 रुपये गिरकर 2,30,000 रुपये प्रति किलो रह गई। सोने की कीमतों में भी नरमी देखी गई। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 1,900 रुपये (1.3%) सस्ता होकर 1,47,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार की बात करें तो हाजिर सोना (Spot Gold) करीब 1 प्रतिशत बढ़कर 4,416 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया।

गिरावट के बीच निफ्टी टॉप 10 इंडेक्स में निवेश करना सही है?

NBT Explainer

■ NBT रिपोर्ट: शेयर बाजार की हालिया गिरावट ने दिग्गज कंपनियों के शेयरों को काफी सस्ता कर दिया है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि जो निवेशक थोड़ा जोखिम उठा सकते हैं और देश की सबसे बड़ी कंपनियों (लार्ज-कैप) पर दांव लगाना चाहते हैं, उनके लिए 'निफ्टी टॉप 10 इक्वल वेट इंडेक्स' एक अच्छा विकल्प हो सकता है। यह इंडेक्स मार्केट कैप के हिसाब से टॉप 10 कंपनियों के शेयरों में निवेश का मौका देता है।

■ **क्या है खास?**: DSP म्यूचुअल फंड के पैसिव इन्वेस्टमेंट हेड अनिल घेलानी का कहना है कि वैल्यूएशन और बड़ी कंपनियों में निवेश की सुरक्षा की वजह से निवेशकों के लिए सुरक्षित ठिकाना हो सकता है। इस इंडेक्स में इंफोसिस, रिलायंस इंडस्ट्रीज, ITC, TCS, HDFC बैंक, ICICI बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, एक्सिस बैंक, HUL और L&T जैसी दिग्गज कंपनियां शामिल हैं।

AI Image

हर तीन महीने में इस इंडेक्स के पोर्टफोलियो की समीक्षा की जाती है।

■ **कितनी गिरावट?**: आंकड़ों की बात करें तो पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के तनाव के बीच मार्च के महीने में अब तक इस इंडेक्स को 7.8% का घाटा हुआ है, जबकि मुख्य निफ्टी 7.4% गिरा है। ET के मुताबिक, साल 2026 में इस इंडेक्स में 14.7% की गिरावट आई है, जबकि निफ्टी 10.9% ही गिरा था।

■ **कितना रिटर्न?**: लंबी अवधि की बात करें तो इस इंडेक्स ने निफ्टी-50 के मुकाबले थोड़ा बेहतर रिटर्न दिया है। हालांकि, यह बढ़त हर साल एक जैसी नहीं रही है। पिछले 19 वर्षों में से आधे से ज्यादा समय में इसने निफ्टी को पीछे छोड़ा है। इस दौरान इसने सालाना औसतन 13.3% का रिटर्न दिया है, जबकि निफ्टी का रिटर्न 12.3% रहा है।

क्यों करें निवेश?

वैल्यूएशन के मामले में भी यह इंडेक्स आकर्षक लग रहा है। इसका पीई (PE) रेशियो 18.6 है, जबकि मुख्य निफ्टी का 20.4 है। एक अध्ययन के मुताबिक, इस पोर्टफोलियो के 90% शेयर अपनी औसत कीमत पर या उससे भी कम दाम पर उपलब्ध हैं। रोज कैपिटल के फाउंडर निखिल गुप्ता कहते हैं कि निवेशक अगले तीन महीनों के दौरान धीरे-धीरे इसमें निवेश कर सकते हैं।

■ **किनके लिए सही?**: यह फंड उन लोगों के लिए बेहतरीन है जो चुनिंदा कंपनियों के पोर्टफोलियो में भरोसा रखते हैं और शॉर्ट-टर्म के उतार-चढ़ाव से नहीं घबराते।

iPhone में भी दो वट्सऐप अकाउंट चला सकेंगे

AI Image

■ पीटीआई, नई दिल्ली: मेटा (Meta) की कंपनी वट्सऐप ने शुक्रवार को iPhone यूजर्स के लिए कई शानदार फीचर्स का ऐलान किया है। अब Apple यूजर्स एक ही फोन पर एक साथ दो अकाउंट चला सकेंगे। इसके साथ ही फोटो एडिटिंग और मैसेज लिखने के लिए नए AI टूल्स भी पेश किए गए हैं। 'दो अकाउंट, एक फोन' वाला यह फीचर पहले सिर्फ एंड्रॉयड यूजर्स के लिए ही था। अब इसे iOS यानी iPhone के लिए भी रोल आउट किया जा रहा है। कंपनी ने बताया कि इस अपडेट के बाद यूजर्स को अपने पर्सनल और ऑफिस के काम के लिए दो अलग-अलग फोन रखने की जरूरत नहीं पड़ेगी। ऐप के नीचे की तरफ दिखने वाले प्रोफाइल पिक्चर से आप पहचान पाएंगे कि अभी कौन सा अकाउंट खुला है।

इलेक्ट्रिक टू-वीलर पर 3 महीने और सब्सिडी देने की तैयारी

PM e-Drive योजना के तहत केंद्र सरकार देगी राहत

■ NBT रिपोर्ट: केंद्र सरकार इलेक्ट्रिक टू-वीलर (ई-स्कूटर और बाइक) खरीदने वालों को बड़ी राहत देने की तैयारी में है। PM e-Drive योजना के तहत मिलने वाली सब्सिडी को जून तक बढ़ाया जा सकता है। वहीं, ई-रिक्शा के लिए यह छूट अगले दो साल (मार्च 2028) तक जारी रह सकती है। इस योजना की समय-सीमा 31 मार्च को खत्म हो रही थी।

एक अधिकारी ने TOI को बताया कि सब्सिडी की अवधि बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं। हमारे पास इसके लिए अभी बजट बचा हुआ है। इसलिए, हम चाहते हैं कि ज्यादा से ज्यादा लोग इस स्कीम का फायदा उठा सकें। इस स्कीम के तहत ई-टू-वीलर और ई-रिक्शा खरीदने वालों को प्रति किलोवाट (kWh) के हिसाब से 2,500 रुपये की सब्सिडी मिलती है।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, इलेक्ट्रिक टू-वीलर के लिए तय किए गए 1,772 करोड़ रुपये के बजट में से अब तक करीब 1,260 करोड़ रुपये का इस्तेमाल हो चुका है। इसी तरह इलेक्ट्रिक थ्री-वीलर (ई-रिक्शा आदि) के लिए तय 907 करोड़ रुपये में से 737 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं।

AI Image

ई-रिक्शा के लिए यह छूट अगले दो साल (मार्च 2028) तक जारी रह सकती है

इंडस्ट्री से जुड़े सूत्रों का कहना है कि ई-रिक्शा बनाने वाली कंपनियों के लिए सरकार के 'लोकल पार्ट्स' वाले नियमों को मानना मुश्किल हो रहा है। ई-रिक्शा में लगने वाली मोटर, बैटरी पैक और इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर जैसी अहम चीजें अब भी बड़े पैमाने पर बाहर से मंगवाई जा रही हैं। इस वजह से बहुत सी कंपनियां सब्सिडी की हकदार नहीं बन पा रही हैं और इसी कारण बजट का पूरा पैसा खर्च नहीं हो पाया है।

फटाफट खबरें

जयशंकर ने पश्चिम एशिया पर की चर्चा

■ पीटीआई, पेरिस: विदेश मंत्री एस. जयशंकर और उनकी कनाडाई समकक्ष अनीता आनंद ने फ्रांस में G7 बैठक से अलग मुलाकात कर पश्चिम एशिया संकट और उसके परिणामों पर चर्चा की। कनाडा की विदेश मंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मैंने जयशंकर के साथ G7 बैठक से इतर मुलाकात की। इस साल की शुरुआत में हमारी भारत यात्रा के दौरान हमारे प्रधानमंत्रियों द्वारा आगे बढ़ाई गई साझेदारी पर बातचीत की।' जयशंकर दो दिवसीय G7 बैठक में पश्चिम एशिया संकट पर चर्चा करेंगे। 1975 में बने इस समूह का भारत सदस्य नहीं है, लेकिन मौजूदा अध्यक्ष फ्रांस ने साझेदार के रूप में बुलाया है।

बच्चों के स्क्रीन टाइम पर कानून की मांग

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: छोटे बच्चों और किशोरों में बढ़ते स्क्रीन टाइम और सोशल मीडिया के अनियंत्रित उपयोग का मुद्दा उठाते हुए लोकसभा में कांग्रेस के सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने सख्त कानून बनाने की मांग की। उन्होंने कहा कि स्मार्टफोन के जरिए सोशल मीडिया और ऑनलाइन गेम्स का बढ़ता इस्तेमाल बच्चों के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बनता जा रहा है। इस पर लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि शून्यकाल में ऐसे महत्वपूर्ण विषय उठाए जाने चाहिए। सरकार ने भरोसा दिलाया कि इस मुद्दे पर ठोस कदम उठाए जाएंगे।

आपदा में एयरलाइंस, एंबुलेंस हो सस्ती

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: RJD के राज्यसभा सांसद संजय यादव ने शुक्रवार को शून्यकाल में आपदा और संकट के समय एयरलाइंस, एंबुलेंस और ऐप आधारित टैक्सी सेवाओं में लागू डायनामिक प्राइसिंग पर रोक लगाने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि जब देश किसी आतंकी हमले, प्राकृतिक आपदा या दुर्घटना से जूझ रहा होता है, तब नागरिक पहले ही भय और असुरक्षा के माहौल में होते हैं, लेकिन उसी समय कुछ कंपनियां मुनाफाखोरी का अवसर तलाशने लगती हैं। कहा कि भारत एक संवेदनशील लोकतंत्र है, आपदा के समय सेवा होनी चाहिए, सौदा नहीं।

भारत की ऊर्जा सप्लाई मौजूदा हालात में कई विकसित देशों से बेहतर: वैष्णव

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया संकट के कारण देश में ऊर्जा स्थिति पर केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि मौजूदा हालात में भारत की सप्लाई कई विकसित देशों से भी बेहतर है। इस सवाल पर कि पश्चिम एशिया में एक युद्ध चल रहा है, लेकिन एक युद्ध भारत में भी चल रहा है। एक नैरेटिव सरकार ने दिया है और इसे विपक्ष ने चैलेंज किया है। इस नैरेटिव वॉर के मुद्दे पर वैष्णव ने कहा कि आखिर में सच की ही जीत होती है। विपक्ष फेक नैरेटिव चलाने की कोशिश कर रहा है। विपक्ष वर्षों तक सत्ता में रहा है, ऐसे नैरेटिव चलाने में माहिर है।

अश्विनी वैष्णव ने कहा, विपक्ष फेक नैरेटिव चलाने की कोशिश कर रहा है।

अश्विनी वैष्णव ने ये बातें भारत की विकास यात्रा को दिशा देने के उद्देश्य से दिल्ली में दो दिनों तक चली टाइम्स नाउ समिट में कहीं।

> भारत को आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (AI) में आत्मनिर्भरता हासिल करने की जरूरत है, क्योंकि AI ही प्रोडक्टिविटी, सुरक्षा, ज्ञान और शक्ति को आकार देगा। भारत को डेटा संप्रभुता बनानी होगी। *– विनीत जैन, एमडी, टाइम्स ग्रुप*

समिट में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि देश में 6G तकनीक के 2030 तक आने की संभावना है, जो डिजिटल कनेक्टिविटी में बड़ा बदलाव लाएगी। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने लोकसभा में विपक्ष के नेता को लेकर पूछे गए सवाल पर कहा कि राहुल गांधी हल्की बातें बोल रहे हैं और उनके विचारों के कारण विपक्षी गठबंधन के साथी भी उनके साथ जुड़ना नहीं चाहते। असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि उनकी पार्टी एआईएमआईएम आगामी चुनाव में 10-12 सीटों पर ही मैदान में उतरेगी।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि पिछली सरकारों ने जिस तरह से समस्याएं पैदा कीं, उन्हें हल करना आसान नहीं है। कचरा संग्रहण हो, यमुना की सफाई, प्रदूषण या इन्फ्रास्ट्रक्चर, हमें उन सभी मुद्दों पर काम करना है जो दिल्ली और यहां के लोगों की जरूरतों से जुड़े हैं।

'बाद में पर्यावरणीय मंज़ूरी' ...तो सरकार के दखल तक चलते रहेंगे ऐसे प्रोजेक्ट: SC

Rajesh.Choudhary
@timesofindia.com

■ नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को चिंता जताई कि अगर बाद में (पोस्ट-फैक्टो) पर्यावरणीय मंजूरी देने की इजाजत दी जाती है, तो इससे ऐसे प्रोजेक्ट, जो पर्यावरण के लिए हानिकारक हैं, राज्य के दखल तक चलते रहेंगे। अदालत ने कहा कि इसके उलट, अगर पूर्व (पहले से) पर्यावरणीय मंजूरी को जरूरी माना जाए, तो बिना मंजूरी वाले प्रोजेक्ट को रोकना अधिकारियों की ड्यूटी होगी।

याचिका में पोस्ट-फैक्टो पर्यावरणीय मंजूरी को चुनौती दी गई है।

सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बागची ने कहा कि कानून बनाए जाते हैं, लेकिन उनका समान रूप से पालन नहीं होता। अगर ऑफिस मेमोरैंडम (OM) कहता है कि इसे बंद किया जाएगा, तो यह तभी बंद होगा जब आप इसे प्रभावी ढंग से लागू करेंगे। अगर हम कहें कि पूर्व अनुमति अनिवार्य है, तो बिना अनुमति किया गया कोई भी कार्य आपको रोकना ही होगा। लेकिन अगर OM लागू होता है, तो जब तक आप उसे लागू कर बंद नहीं करते, तब तक सब कुछ चलता रहेगा। उन्होंने कहा कि सरकारें यह दावा नहीं कर सकतीं कि उन्हें पर्यावरणीय मंजूरी के बारे में जानकारी नहीं थी। याचिका में पोस्ट-फैक्टो पर्यावरणीय मंजूरी को चुनौती दी गई है।

NBT Lens खबरों के अंदर की बात

मौजूदा बेंच लेगी आगे का फैसला

प्रोजेक्ट को पहले की तारीख से पर्यावरणीय क्लीयरेंस देने पर रोक वाला सुप्रीम कोर्ट का फैसला वापस ले लिया गया था। SC ने मंगलवार को 2:1 के बहुमत से अपने 16 मई के उस फैसले को वापस ले लिया था, जिसमें केंद्र सरकार को पर्यावरण मानकों का उल्लंघन करने वाली परियोजनाओं को पिछली तारीख से पर्यावरण मंजूरी (एनवायरमेंट क्लीयरेंस EC) देने पर रोक लगा दी गई थी और मामले को नई बेंच को रेफर किया गया है। मौजूदा बेंच अब आगे की सुनवाई कर रही है ऐसे में इस बेंच का फैसला इस मामले में आगे की दिशा तय करेगा।

MINISTRY OF TEXTILES

the Kunj

SHOP AT THE BEST CRAFT STORES AND ARTISAN GALLERY

DELHI'S FIRST CRAFT MALL

प्रात: | सुबह 11 बजे से रात 8 बजे तक

8, नेल्सन मंडेला मार्ग, दिल्ली

CBC 41103/11/0022/2526

फाइल संख्या एडमिन-12011(16)/12/2024-ई-ऑफिस

भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय
केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन
(औषधि अनुभाग)

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय पात्र उम्मीदवारों से प्रतिनियुक्ति के आधार पर केंद्रीय औषधि परीक्षण प्रयोगशाला, चेन्नई में नीचे उल्लिखित पदों को भरने के लिए आवेदन आमंत्रित करता है। आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि इस विज्ञापन के रोजगार समाचार में प्रकाशन की तिथि से 60 दिनों के भीतर होगी।

2. अधिक जानकारी के लिए कृपया मंत्रालय की वेबसाइट https://mohfw.gov.in या सीडीएससीओ वेबसाइट https://cdsco.gov.in पर जाएं।

क्रम संख्या	पद का नाम	7वें सीपीसी के अनुसार वेतन	पदों की संख्या	जिस कार्यालय के लिए पद भरा गया है
1.	वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी	7वें सीपीसी का वेतन स्तर 11 (रु. 67700 - 208700)	1 (एक)	केंद्रीय औषधि परीक्षण प्रयोगशाला, चेन्नई

उप निदेशक प्रशासन (औषधि)
सी.डी.एस.सी.ओ मुख्यालय, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली - 110002

CBC 17194/11/0026/2526

विद्युत अपीलीय अधिकरण,
विद्युत मंत्रालय
कोर-4, 7वाँ तल, स्कोप कॉम्प्लेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली 110003

रिक्ति परिपत्र संख्या: 1/1/2022-प्रशा./ एप्टेल-II/641/26 दिनांक 11.02.2026

विषय :- विद्युत अपीलीय अधिकरण, नई दिल्ली में विभिन्न पदों को प्रतिनियुक्ति / समावेशन के आधार पर भरने के संबंध में: आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि बढ़ाने के संबंध में

एप्टेल के समसंख्यक परिपत्र दिनांक 11/02/2026 का संदर्भ ग्रहण करें, जिसके माध्यम से एप्टेल, नई दिल्ली में निम्नलिखित पदों को भरने के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए थे:-

क्रम संख्या	पदनाम	पदों की संख्या	स्तर-लेवल
1.	उप रजिस्ट्रार	01	स्तर-लेवल-12 (78,800-2,09,200)
2.	प्रधान निजी सचिव (प्रतिनियुक्ति)	01	स्तर-लेवल-11 (67,700-2,08,700)
3.	कोर्ट मास्टर	01	स्तर-लेवल-7 (44,900-1,42,400)
4.	न्यायिक सहायक (फाइलिंग)	01	स्तर-लेवल-6 (35,400-1,12,400)
5.	निजी सहायक	01	स्तर-लेवल-6 (35,400-1,12,400)
6.	लाइब्रेरियन	01	स्तर-लेवल-6 (35,400-1,12,400)
7.	स्टेनोग्राफर ग्रेड-डी	01	स्तर-लेवल-4 (25,500-81,100)

2. उपरोक्त पद हेतु आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 10 अप्रैल 2026 तक बढ़ा दी गई है।

3. इस संबंध में विस्तृत जानकारी एप्टेल की वेबसाइट https://aptel.gov.in/en/career से प्राप्त की जा सकती है।

रजिस्ट्रार एप्टेल

CBC 34122/12/0012/2526

भारत सरकार टकसाल, नोएडा
डी-2, सेक्टर-1, नोएडा -201301, जनपद-गौतम बुद्धनगर (उ.प्र.)
वेबसाइट: https://igmnoida.spmcil.com

[फा. सं. आईजीएमएन-13013/4/2025-मा.सं. दिनांक 28 मार्च, 2026]

विज्ञापन संख्या: 01/2026

भारत सरकार टकसाल, नोएडा, भारत सरकार के पूर्ण स्वामित्व वाली एक अनुसूची "ए" मिनी-रत्न श्रेणी-1 केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम (सीपीएसई) एवं आर्थिक कार्य विभाग, भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन "सिक्योरिटी प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसपीएमसीआईएल)" की एक इकाई है, एसपीएमसीआईएल की मुंबई, कोलकाता, हैदराबाद और नोएडा स्थित टकसालों के निम्नलिखित 94 रिक्तियों को भरने के लिए योग्य और इच्छुक उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित करता है:

क्र.सं.	पदनाम, स्तर और आईडीए वेतनमान (₹)	रिक्तियों की संख्या
1.	पर्यवेक्षक (धातुपरीक्षण), एस-1 लेवल, 27600-95910	02
2.	पर्यवेक्षक (तकनीकी – यांत्रिकी), एस-1 लेवल, 27600-95910	03
3.	पर्यवेक्षक (तकनीकी – इलेक्ट्रिकल), एस-1 लेवल, 27600-95910	02
4.	पर्यवेक्षक (तकनीकी – मेटलर्जी), एस-1 लेवल, 27600-95910	01
5.	एनग्रेवर (स्कल्पचर/मेटल वर्क), बी-4 लेवल, 23910-85570	01
6.	कनिष्ठ कार्यालय सहायक, बी-3 लेवल, 21540-77160	13
7.	कनिष्ठ बुलियन सहायक, बी-3 लेवल, 21540-77160	05
8.	कनिष्ठ हिंदी टाइपिस्ट, बी-3 लेवल, 21540-77160	01
9.	प्रयोगशाला सहायक, बी-3 लेवल, 21540-77160	01
10.	कनिष्ठ तकनीशियन (फिटर), W-1 लेवल, 18780-67390	47
11.	कनिष्ठ तकनीशियन (परिचर संचालक – रसायन संयंत्र), W-1 लेवल, 18780-67390	03
12.	कनिष्ठ तकनीशियन (टर्नर), W-1 लेवल, 18780-67390	09
13.	कनिष्ठ तकनीशियन (कारपेंटर), W-1 लेवल, 18780-67390	01
14.	कनिष्ठ तकनीशियन (इलेक्ट्रीशियन), W-1 लेवल, 18780-67390	02
15.	कनिष्ठ तकनीशियन (गोल्डस्मिथ), W-1 लेवल, 18780-67390	01
16.	कनिष्ठ तकनीशियन (मेल्टर), W-1 लेवल, 18780-67390	02

नोट: योग्यता, ऊपरी आयु सीमा में छूट, परीक्षा शुल्क, चयन प्रक्रिया, ऑनलाइन आवेदन आदि के संबंध में अधिक जानकारी के लिए कृपया https://igmnoida.spmcil.com के करियर पेज देखें। ऑनलाइन आवेदन करने हेतु लिंक दिनांक 28.03.2026 से 27.04.2026 तक खुले रहेंगे।

हस्ता./-
संयुक्त महाप्रबंधक (मा.सं.) / JOINT GENERAL MANAGER (HR)
कृते मुख्य महाप्रबंधक / FOR CHIEF GENERAL MANAGER

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 28-03-2026 Zone: Gurgaon Edition: 1 Page: NBTGRP10 User: cci Time: 03-27-2026 21:47 Color:

IPL अब सिर्फ बड़े और स्थापित नामों का मंच नहीं, बल्कि 'GenZ' पीढ़ी का सबसे बड़ा लॉन्च पैड बन चुका है। साल 1997 से 2012 के बीच जन्मी यह पीढ़ी क्रिकेट के पारंपरिक व्याकरण को बदलकर 'बेखौफ और आक्रामक' अंदाज में खेल रही है। इस सीजन में हर टीम के पास 'Z-पावर' बढ़ी है। ये खिलाड़ी अपने दम पर किसी भी बोलिंग अटैक की धज्जियां उड़ा सकते हैं। अभिषेक उपाध्याय बता रहे हैं हर टीम के उन 'Z-बूस्टर्स' के बारे में, जो इस बार लीग की किस्मत तय कर सकते हैं।

IPL का नया सीजन आज से
GenZ भी हैं तैयार

IPL 2026

वैभव सूर्यवंशी

राजस्थान रॉयल्स

टीम में कुल GenZ 15

वैभव सूर्यवंशी भले ही सिर्फ 14 साल के हैं, लेकिन यह कहना गलत नहीं होगा कि वह मौजूदा राजस्थान रॉयल्स टीम के सबसे फेमस नाम हैं। पिछले सीजन उन्होंने कई कीर्तिमान अपने नाम किए थे, जिसमें भारतीय द्वारा सबसे तेज शतक और सबसे युवा शतकवीर बनने का रेकॉर्ड भी था। इस सीजन सभी बोलर्स और टीम उनके खिलाफ अलग से तैयारी करके आएगी। अगर वह इस सीजन रनों का अंबार लगाते हैं तो शायद भारतीय टी20 टीम का हिस्सा बनने में भी सफल रहें।

आयुष म्हात्रे

चेन्नै सुपरकिंग्स

टीम में कुल GenZ 14

चेन्नै सुपरकिंग्स का यह खिलाड़ी इस साल कप्तान के रूप में अंडर-19 वर्ल्ड कप भी जीत चुका है। पिछले सीजन आयुष म्हात्रे ने चेन्नै के लिए डेब्यू करते हुए सिर्फ सात मैच में ही 240 रन बना दिए थे। इस दौरान उन्होंने 94 रन की एक शानदार इनिंग्स भी खेली थी। यह रन उन्होंने 188.97 स्ट्राइक रेट से बनाए थे, जो बेहतरीन था। यह खिलाड़ी चेन्नै के लिए सबसे बड़ा Z-बूस्टर साबित होगा।

अभिषेक शर्मा

सनराइजर्स हैदराबाद

टीम में कुल GenZ 17

क्रिकेट जगत में अभिषेक शर्मा अब किसी पहचान के मोहताज नहीं। एक बड़े मैच विनर अभिषेक टीम को तेज शुरुआत दिलाते हैं। पिछले चार में से तीन सीजन में वह 400+ रन भी बना चुके हैं। इस बार वह IPL में अपने वर्ल्ड नंबर-1 बैटर के रुतबे को और मजबूत करने उतरेंगे। पावरप्ले में आक्रामक खेल और स्पिन के खिलाफ उनकी ताकत SRH के लिए बड़ा हथियार है।

विपराज निगम

दिल्ली कैपिटल्स

टीम में कुल GenZ 10

दिल्ली कैपिटल्स IPL में उन टीमों में से एक रही है, जिसने लगातार युवा प्लेयर्स को मौके दिए हैं। इस सीजन भी टीम में कई Gen-Z हैं, लेकिन विपराज निगम पर सबकी खास नजर रहेगी। इस बोलर ने पिछले सीजन 13 पारियों में 11 विकेट निकाले थे। बैटिंग में 8 पारियों में सिर्फ 79 बॉल पर 142 रन बनाए थे। उनका स्ट्राइक रेट 179.7 का रहा था।

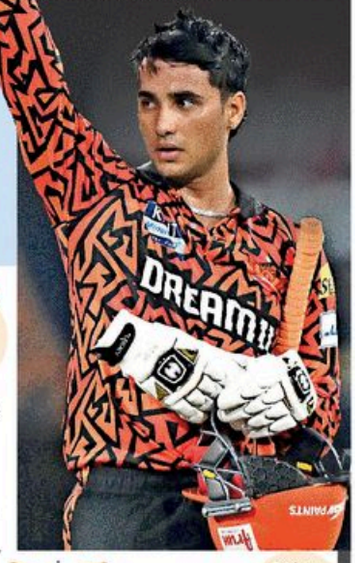

साई सुदर्शन

गुजरात टाइटंस

टीम में कुल GenZ 12

गुजरात टाइटंस के लिए बीते कई सीजन में साई सुदर्शन सबसे भरोसेमंद युवा बैटर बनकर उभरे हैं। साई ने क्लास और टेम्परामेंट का शानदार मिश्रण दिखाया है। पिछले सीजन उन्होंने 759 रन बनाकर बैटिंग लाइन-अप को मजबूती दी थी। बड़े मैचों में भी उनका शांत स्वभाव उन्हें अलग पहचान देता है। इस सीजन भी सुदर्शन गुजरात के लिए सबसे बड़े Z-बूस्टर हो सकते हैं।

अंगकृष रघुवंशी

कोलकाता नाइटराइडर्स

टीम में कुल GenZ 15

कोलकाता नाइटराइडर्स का यह युवा बैटर तेजी से पहचान बना रहा है। अंडर-19 वर्ल्ड कप 2022 के हाईएस्ट स्कोरर रहे रघुवंशी ने IPL में भी अपनी प्रतिभा दिखाई है। पिछले सीजन सीमित मौके मिलने के बावजूद 300 रन बनाए। उनका स्ट्राइक रेट 139.53 रहा था। मिडल ऑर्डर में तेजी से रन बनाने की उनकी काबिलियत KKR के लिए बड़ा हथियार हो सकती है।

सुयश शर्मा

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

टीम में कुल GenZ 11

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के युवा स्पिनर सुयश शर्मा ने KKR के साथ अपने डेब्यू सीजन में ही ध्यान खींचा था। हालांकि, 2023 में डेब्यू करने के बाद 2024 में उन्हें ज्यादा मौके नहीं मिले, जिसके बाद RCB ने उन पर भरोसा जताया, जिस पर वह खरे उतरे और पिछले सीजन 8 विकेट निकाले। चिन्नास्वामी में लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल की विरासत आगे ले जाने की काबिलियत सुयश में है।

मयंक यादव

लखनऊ सुपर जायंट्स

टीम में कुल GenZ 16

लखनऊ सुपर जायंट्स के तेज गेंदबाज मयंक यादव इंडियन प्रीमियर लीग में अपनी रफ्तार से सुर्खियां बटोर चुके हैं। लगातार 150 किमी/घंटा से ऊपर गेंदबाजी करने की क्षमता उन्हें खास बनाती है। पिछले दो सीजन वह लगातार चोटिल रहे, लेकिन अब फिट होने के बाद इस सीजन मयंक के पास लखनऊ के भरोसे पर खरे उतरने का मौका होगा। अगर वह पूरे सीजन फिट रहे तो LSG के अभियान को बड़ा बूस्टर मिलेगा।

तिलक वर्मा

मुंबई इंडियंस

टीम में कुल GenZ 13

दबाव भरे हालात में मैच संभालने की तिलक की क्षमता उन्हें खास बनाती है। ये काबिलियत उन्होंने भारतीय टीम के लिए भी दिखाई है। पिछले सीजन उन्होंने मिडल ऑर्डर में लगातार अहम पारियां खेलते हुए 300+ रन बनाए थे। उन्होंने IPL में शानदार निरंतरता दिखाई है और सभी चार सीजन में 300+ रन बनाए हैं। उनकी फिनिशिंग की क्षमता भी निखरी है।

प्रियांश आर्या

पंजाब किंग्स

टीम में कुल GenZ 16

पंजाब किंग्स का यह युवा बैटर अपनी आक्रामक बैटिंग के लिए पहचान बना चुका है। पिछले सीजन पंजाब को फाइनल तक पहुंचाने में उनका अहम रोल रहा था। उन्होंने अपने डेब्यू सीजन में ही सभी 17 मैच खेले और 475 रन बना दिए। पहले ही सीजन में करियर की पहली सेंचुरी भी लगाई। इस सीजन भी उनकी ताबड़तोड़ पारियों का इंतजार रहेगा।

स्पोर्ट्स QUIZ

इस पेज पर छपी खबरों में ही इन सवालों का जवाब है।

1. हेनरिक क्लासेन IPL-19 में किस टीम से खेलेंगे?
A) हैदराबाद B) बेंगलुरु
C) दिल्ली D) राजस्थान

2. उदय कंबोज किस खेल में भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं?
A) आर्चरी B) शूटिंग
C) क्रिकेट D) स्नूकर

कल के जवाब
1. C) 16 2. C) कराची किंग्स 3. A) सुनील नरेन

लकी WINNERS

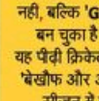

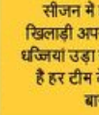

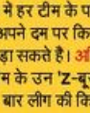

1 दीपक गुप्ता, लक्ष्मी नगर, दिल्ली
2 करण रजवार, धनबाद, झारखंड
3 कमलेश, नोएडा, उत्तर प्रदेश
4 दिशिता रावदेवा, उत्तम नगर, दिल्ली
5 अमित कुमार, मलाड, मुंबई

अब आप अपने जवाब हमें
!!!!अलर्ट!!!!
8796958780
नंबर पर आप अपने नाम, तस्वीर और शहर/गांव के नाम के साथ वॉट्सऐप करें। एक 'लकी विनर' के नाम और तस्वीर हम कल के अंक में छापेंगे।

हैदराबादी तूफान का आज घर में सामना करेंगे चैंपियंस

रोमांच की पहली राइड

File

आमना-सामना

RCB जीती 11, SRH जीती 13, कुल मैच 26, 2 नो रिजल्ट

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली/बेंगलुरु:** इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) के इतिहास में यह पहली बार होगा जब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) चैंपियन की हैसियत से खिताब बचाने उतरेगी। पिछले 18 वर्षों तक सीजन की शुरुआत में यही सवाल रहता था कि क्या RCB खिताबी सूखा खत्म कर पाएगी। इस बार सवाल होगा कि क्या RCB खिताब की रक्षा कर सकेगी? RCB की जीत में पिछले सीजन अहम भूमिका निभाने वाले दो प्रमुख गेंदबाज जोश हेजलवुड और यश दयाल मैच के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। जोश सीजन के शुरुआती कुछ मैचों में भी नहीं दिखेंगे जबकि यश निजी वजहों से पूरे सीजन के लिए बाहर हैं। ऐसे में हैदराबाद की मजबूत बल्लेबाजी लाइन-अप के खिलाफ बेंगलुरु का बोलिंग अटैक कैसा प्रदर्शन करता है, यह देखना दिलचस्प होगा। उधर, SRH के लिए इस सीजन में भी यह सवाल बना रहेगा कि क्या उनका बोलिंग अटैक विरोधियों को रोक पाएगा। टीम के प्रमुख बोलर और कप्तान पैट कमिंस शुरुआती कुछ मैचों में उपलब्ध नहीं होंगे।

X-फैक्टर

हेनरिक क्लासेन (SRH)- इस साउथ अफ्रीकी बैटर ने बेंगलुरु में खेली अपनी पिछली 44 गेंदों में 91 रन बनाए हैं। RCB के खिलाफ उन्होंने 196.6 के स्ट्राइक रेट से कुल 234 रन बनाए हैं।

क्रुणाल पंड्या (RCB)- क्रुणाल ने SRH के खिलाफ IPL के 16 मैचों में 149.1 स्ट्राइक रेट से 261 रन बनाए हैं और बोलिंग में भी 12 विकेट निकाल चुके हैं। SRH के खिलाफ उनकी इकॉनमी 7.53 है।

दोनों टीम में मौजूद हैं कई बिग हिटर्स

NBT Lens खबरों के अंदर की बात

ICC टी20 वर्ल्ड कप के रोमांच में डूबने के बाद क्रिकेट फैंस अब IPL में रोमांच की पहली राइड पर जाने के लिए तैयार होंगे। दोनों टीमों के पास मजबूत बैटिंग है। RCB की ओपनिंग जोड़ी (विराट और सॉल्ट) से पावरप्ले में आक्रामक शुरुआत की उम्मीद होगी। रजत पाटीदार, जितेश शर्मा और टिम डेविड जैसे बैटर टीम को गहराई देते हैं, खासकर उस पिच पर जहां छोटी बाउंड्री और तेज रन बनते हैं। वहीं, SRH भी उतनी ही विस्फोटक बल्लेबाजी के साथ उतर रही है। ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा सुनामी शुरुआत के लिए जाने जाते हैं। उसके बाद ईशान किशन और हेनरिक्स क्लासेन जैसे बड़े मैच विनर मौजूद हैं।

पिच व मौसम

चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच पारंपरिक रूप से बल्लेबाजों के लिए अनुकूल रही है। यहां 180 रन के आसपास का स्कोर बराबरी का माना जाता है, जबकि 200 से ज्यादा का स्कोर अक्सर मैच जीतने वाला साबित होता है। दिन में तापमान 34 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है और शाम को बारिश का पूर्वानुमान 60% तक है।

संभावित प्लेइंग XI

RCB: फिल सॉल्ट, विराट कोहली, वेंकटेश अय्यर, रजत पाटीदार (कप्तान), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), टिम डेविड, रोमारियो शेफर्ड, क्रुणाल पंड्या, भुवनेश्वर कुमार, जैकब डफी, यश यादव
इम्पैक्ट प्लेयर: सुयश शर्मा

SRH: अभिषेक शर्मा, ट्रेविस हेड, ईशान किशन (कप्तान/विकेटकीपर), नितीश कुमार रेड्डी, हेनरिक्स क्लासेन, लियम लिविंगस्टोन, हर्ष दुबे, शिवम कुमार, ब्रायडन कार्स, हर्षल पटेल, जयदेव उनादकट
इम्पैक्ट प्लेयर: सलील अरोड़ा

287 रन तीन विकेट पर बनाए थे SRH ने RCB के खिलाफ चिन्नास्वामी में साल 2024 में। यह IPL इतिहास का हाईएस्ट टोटल है

भारतीय तीरंदाजों ने जीते कुल 10 मेडल

Social Media

आर्चर उदय कंबोज को गोल्ड

■ **एजेंसियां, बैंकॉक:** भारत के कंपाउंड तीरंदाजों ने शुक्रवार को एशिया कप वर्ल्ड रैंकिंग्स टूर्नामेंट के पहले चरण में मिक्स्ड टीम का गोल्ड मेडल और विमिंस टीम का सिल्वर मेडल जीता। भारत ने रिकर्व वर्ग में दो सिल्वर भी जीते। भारत ने दो गोल्ड, चार सिल्वर और चार ब्रॉन्ज मेडल के साथ कुल 10 मेडल हासिल किए, जो पिछली बार के आठ मेडल से अधिक हैं। हालांकि पिछली बार पांच गोल्ड आए थे। पुरुषों के कंपाउंड व्यक्तिगत वर्ग में भारत ने क्लीन स्वीप किया। उदय कंबोज ने फाइनल में प्रथमेश जवकर को 145-144 से हराया, जबकि रजत चौहान ने ब्रॉन्ज जीता। तेजल साल्वे ने मारिया दिमिदियुक को 144-135 से हराकर विमिंस कंपाउंड व्यक्तिगत वर्ग में ब्रॉन्ज जीता।

एशिया कप वर्ल्ड रैंकिंग्स आर्चरी

नवनीत, हार्दिक ने जीता बेस्ट प्लेयर का अवॉर्ड

हॉकी इंडिया अवॉर्ड्स

■ **एजेंसियां, नई दिल्ली:** हॉकी इंडिया के 8वें वार्षिक अवॉर्ड्स समारोह में हार्दिक सिंह और नवनीत कौर को क्रमशः मेंस और विमिंस वर्ग में 'प्लेयर ऑफ द ईयर' चुना गया। इस अवॉर्ड के तहत दोनों खिलाड़ियों को 20-20 लाख की इनामी राशि भी मिली। वहीं, 1980 के ओलिंपिक्स गोल्ड मेडलिस्ट जफर इकबाल को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से नवाजा गया।

हार्दिक सिंह

अवॉर्ड विजेता खिलाड़ी और इनामी राशि

प्लेयर ऑफ द ईयर (मेंस): हार्दिक सिंह (20 लाख), **प्लेयर ऑफ द ईयर (विमिंस):** नवनीत कौर (20 लाख रु.), **लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड:** जफर इकबाल (25 लाख रु.), **बेस्ट गोलकीपर:** बिछु देवी (5 लाख रु.), **बेस्ट डिफेंडर:** संजय (5 लाख रु.), **बेस्ट मिडफील्डर:** सुमित (5 लाख रु.), **बेस्ट फॉरवर्ड:** सुखजीत सिंह (5 लाख रु.), **अपकमिंग वुमन और मेल प्लेयर ऑफ द ईयर:** साक्षी राणा और प्रिंस दीप सिंह (10 लाख रु.)

गत चैंपियन चाकारा ने बनाई बढ़त

इंडियन ओपन गोल्फ

■ **एजेंसियां, गुरुग्राम:** साउथ अफ्रीका के केसी जार्विस ने हीरो इंडियन ओपन गोल्फ के दूसरे राउंड में शानदार खेल दिखाया। उन्होंने 9 बर्डी के साथ 8 अंडर-64 का बेहतरीन स्कोर बनाया। हालांकि, इसके बावजूद वह गत चैंपियन यूजेनियो चाकारा को बढ़त लेने से नहीं रोक सके। चाकारा ने लगातार दूसरे दिन अच्छा खेल दिखाया। पहले दिन लीड लेने वाले जर्मनी के फ्रेडी स्कॉट दूसरे राउंड के बाद संयुक्त चौथे स्थान पर खिसक गए। भारतीयों में ओम प्रकाश चौहान (संयुक्त 23वें) और मनोज एस. (संयुक्त 41वें) ने कुछ बेहतर खेल दिखाया।

जीत से इटली की उम्मीदें कायम

■ **एजेंसियां, लंदन:** चार बार के वर्ल्ड चैंपियन इटली ने प्लेऑफ के पहले मुकाबले में नॉर्दर्न आयरलैंड को 2-0 से हराकर वर्ल्ड कप में जगह बनाने की उम्मीदें जिंदा रखीं। सांद्रो टोनाली और मोइज़ कीन के गोल ने इटली की जीत पक्की की। इटली अब लगातार तीसरी बार वर्ल्ड कप से बाहर होने के खतरे से बचने के लिए अगले मैच में बोस्निया और हर्जेगोविना से भिड़ेगा। अन्य प्लेऑफ में स्वीडन, पोलैंड, डेनमार्क, तुर्किए और चेक रिपब्लिक ने भी फाइनल में जगह बनाई।

फुटबॉल कॉर्नर

इटली के स्कोरर सांद्रो टोनाली

एम्बापे के गोल से फ्रांस ने ब्राजील को दी शिकस्त

फॉक्सबोरो: फ्रांस ने किलियन एम्बापे के गोल की बदौलत ब्राजील को 2-1 से हराकर वर्ल्ड कप से पहले फ्रेंडली मैच में हराया। चोट से उबरकर लौटे एम्बापे ने 32वें मिनट में गोल दागकर टीम को बढ़त दिलाई, जबकि ह्यूगो एकिटिके ने 65वें मिनट में स्कोर 2-0 कर दिया।

ट्रांसजेंडर नहीं खेलेंगे महिला कैटिगरी में

■ **एजेंसियां, नई दिल्ली:** इंटरनैशनल ओलिंपिक कमिटी (IOC) ने ट्रांसजेंडर महिलाओं को लेकर बड़ा फैसला लिया है। IOC ने ऐलान किया है कि 2028 के लॉस एंजिलिस ओलिंपिक्स और भविष्य में होने वाले खेलों में ट्रांसजेंडर अब महिला कैटिगरी के इवेंट्स में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। IOC की नई नीति के मुताबिक, अब बायोलॉजिकल महिलाओं (जो जन्म से महिला हैं) को ही महिला कैटिगरी में हिस्सा लेने की अनुमति होगी। लिंग की पुष्टि के लिए खिलाड़ियों को जीन टेस्ट से गुजरना होगा। हालांकि, जन्म के समय जो ऐथलीट महिला थे और अब खुद को ट्रांसजेंडर की कैटिगरी में गिनते हैं, वह महिला स्पर्धाओं में हिस्सा ले सकेंगे। IOC प्रेजिडेंट क्रिस्टी कोवेंट्री ने कहा कि यह बड़ा फैसला इसलिए लिया गया है क्योंकि बायोलॉजिकल पुरुषों का महिला कैटिगरी में मुकाबला करना सही नहीं होगा।

IOC का फैसला

सबालेंका और गॉफ टकराएंगी फाइनल में

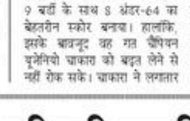

■ **एजेंसियां, मियामी:** अरिना सबालेंका ने मियामी ओपन टेनिस के विमिंस सिंगल्स फाइनल का टिकट कटा लिया है। उन्होंने सेमीफाइनल में कजाकिस्तान की एलेना रिबाकिना को 6-4, 6-3 से हराया। इसके साथ ही वह लगातार दूसरे साल टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंच गईं। खिताबी मैच में उनके सामने अमेरिका की कोको गॉफ होंगी, जिन्होंने कैरोलिना मुखोवा को 6-1, 6-1 से हराकर पहली बार मियामी ओपन के फाइनल में जगह बनाई। मेंस सिंगल्स में अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली, जहां उनका सामना यानिक सिनर से होगा।

मियामी ओपन

अरिना सबालेंका

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 28-03-2026 Zone: Gurgaon Edition: 1 Page: NBTGRP11 User: cci Time: 03-27-2026 22:05 Color:

NBT AI टाइम मशीन

आज मनाया जा रहा है वर्ल्ड पियानो डे

आज वर्ल्ड पियानो डे है। ये साल के 88वें दिन मनाया जाता है, क्योंकि एक पियानो में कुल 88 कीज (keys) होती हैं। इसकी शुरुआत 2015 में जर्मन संगीतकार निल्स फ्राहम (Nils Frahm) ने की थी। इसका मकसद पियानो प्रेमियों और कलाकारों को एक मंच पर लाना और संगीत को बढ़ावा देना है। दुनिया के प्रतिष्ठित संगीत संस्थान और UNESCO के 'म्यूजिक सिटीज' इस दिन स्पेशल कॉन्सर्ट आयोजित करते हैं।

स्मार्ट पियानो अपने आप धुन बनाएगा

ChatGPT के मुताबिक, भविष्य में पियानो पूरी तरह स्मार्ट और AI बेस्ड होगा। यह इंसान के मूड और आवाज को समझकर खुद धुन बना सकेगा। फिजिकल कीज के साथ होलोग्राम कीज होंगी, जिससे हवा में भी पियानो बजाया जा सकेगा। AI टीचर रियल-टाइम में सिखाएगा और गलती तुरंत सुधार देगा। एक ही पियानो से हर इंस्ट्रूमेंट की आवाज निकलेगी। भविष्य में लोग वर्चुअल कॉन्सर्ट में दुनिया भर के कलाकारों के साथ लाइव जुड़ेंगे।

AI Images

अब फोटो छपवाने का मौका भी

खबरों का ज्ञान

रोज की खबरों पर कितनी पैनी नजर है, आजमाएं

1. विश्व के सात ताकतवर देशों का समूह G7 कब बना?
A. 1975 B. 1980 C. 1995

2. जिस US डॉलर पर राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के साइन होंगे, वह कब शुरू हुआ था?
A. 1861 B. 1961 C. 1857

3. पूर्व सचिव एच. सी. गुप्ता को किस मामले में बरी किया गया?
A. 2G B. राष्ट्रमंडल C. कोल ब्लॉक आवंटन

4. बालेन शाह 2022 में महापौर चुनाव में किस पार्टी से प्रत्याशी थे?
A. RSP B. निर्दल C. नेपाली कांग्रेस

5. नोएडा एयरपोर्ट के रनवे पर एक घंटे में कितनी फ्लाइट के टेकऑफ और लैंडिंग की क्षमता है?
A. 12 B. 60 C. 30

कल के जवाब

A1 A. बाब-अल-मंदेब स्ट्रेट A2 A. अलीरेजा तंगसीरी A3 C. शू फेइहोंग A4 B. ज्यां नोएल बैरो A5 C. बांग्लादेश

लकी विनर्स

1. अंकित प्रताप सिंह, नई दिल्ली
2. खालिद नसीम, कल्याणपुर, लखनऊ
3. तनसुख राय जैन, फरीदाबाद

ऐसे भेजें अपने जवाब

अपने नाम, शहर के साथ जवाब भेजें nbtreader@timesofindia.com पर, साथ में फोटो भी भेजें। सब्जेक्ट में KKG लिखें। हर दिन सभी सही जवाब देने वाले तीन चुनिंदा रीडर्स में से एक का फोटो और दो के नाम छापे जाएंगे। जवाब आज के पेपर की खबरों में ही छिपे हैं।

एक्साइज ड्यूटी घटी, पर तेल के दाम वही

सरकार बोली- पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच आम लोगों के लिए नहीं बनेगी रेट बढ़ने की स्थिति

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर स्पेशल अडिशनल एक्साइज ड्यूटी (SAED) प्रति लीटर 10 रुपये घटा दी है। हालांकि, इससे पंपों पर पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं घटेंगे। सरकार ने कहा कि इस फैसले से पश्चिम एशिया संघर्ष से बने हालात के बीच आम लोगों के लिए दाम बढ़ने की सूरत नहीं बनेगी। वहीं, सरकार ने डीजल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल के निर्यात पर ड्यूटी लगा दी है। दुनियाभर में इनके दाम बढ़ने से निर्यात कंपनियों को ज्यादा मुनाफा हो रहा है। ऐसे में सरकार ने डीजल पर 21.5 रुपये प्रति लीटर और ATF पर 29.5 रुपये प्रति लीटर की एक्सपोर्ट ड्यूटी वसूलने का फैसला किया। हर पखवाड़े इस व्यवस्था की समीक्षा होगी।

पेट्रोल पर SAED 13 रुपये से घटकर 3 रुपये प्रति लीटर हो गई। डीजल पर यह 10 रुपये प्रति लीटर थी और अब शून्य हो गई है। सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टैक्सेज एंड कस्टम्स के चेयरमैन विवेक चतुर्वेदी ने कहा कि अब पेट्रोल पर कुल संशोधित ड्यूटी 21.90 रुपये से घटकर 11.90 रुपये प्रति लीटर हो गई है। डीजल पर यह 17.80 रुपये से घटकर 7.80 रुपये प्रति लीटर हो गई है। इससे सरकार को 15 दिन में 7000 करोड़ रुपये की चपत लगेगी। डीजल और ATF पर एक्सपोर्ट ड्यूटी लगाने से 15 दिन में 1500 करोड़ रुपये का राजस्व मिलेगा।

AFP

पेट्रोल-डीजल की कमी की अफवाह के बीच अमृतसर के एक पंप पर उमड़ी भीड़।

कंपनियों का घाटा होगा कम

पेट्रोलियम मिनिस्ट्री ने कहा, 'एक्साइज ड्यूटी में कमी से पंप पर दाम नहीं घटेंगे। लेकिन सरकारी कंपनियों का नुकसान कम होगा, जो सप्लाई की लागत से कम पर ईंधन की आपूर्ति कर रही हैं।' पेट्रोलियम मिनिस्टर हरदीप सिंह पुरी के मुताबिक, इन कंपनियों को पेट्रोल पर 24 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 30 रुपये प्रति लीटर का नुकसान हो रहा है।' हालांकि, मंत्रालय ने कहा, 'कच्चे तेल के मौजूदा अंतरराष्ट्रीय भाव पर इनको पेट्रोल में प्रति लीटर 26 और डीजल में प्रति लीटर 81.90 रुपये का घाटा हो रहा है।' मतलब, पेट्रोल का दाम 26, डीजल का 81.90 रुपये प्रति लीटर बढ़ाने पर इसकी भरपाई होगी।

> वैश्विक स्थिति अनिश्चित है। ऊर्जा, सप्लाई चेन और जरूरी वस्तुओं से जुड़े हालात पर लगातार हमारी नजर है। लॉकडाउन को लेकर फैल रही अफवाहें पूरी तरह गलत हैं। सरकार के स्तर पर ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। -हरदीप पुरी, तेल, गैस मंत्री

तेल-गैस अपडेट

- **कमर्शल उपभोक्ताओं** के लिए LPG आवंटन 50% से बढ़ाकर 70% किया गया।
- **अब प्रतिदिन** 10,000 से ज्यादा PNG कनेक्शन दिए जा रहे हैं।
- **गुरुवार को** 60-61 लाख LPG बुकिंग्स आई थीं, 54 लाख LPG सिलिंडरों की आपूर्ति हुई।
- **सरकार सुनिश्चित** करेगी कि रिफाइनिंग कंपनियां जितना पेट्रोल निर्यात करती हैं, उसका 50% हिस्सा देश में सप्लाई करें।
- **इसी तरह** कम से कम डीजल का 30% हिस्सा भी देश में सप्लाई करना होगा।

केंद्र के पास थे 2 विकल्प

इस साल जनवरी में जब कच्चे तेल का भाव 55-60 डॉलर प्रति बैरल था, तब कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं घटाए थे। अक्टूबर से दिसंबर तक 3 महीनों में ही इनको 23,743 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल का दाम पिछले एक महीने में 70 डॉलर से करीब 122 डॉलर प्रति बैरल हो गया। इसके चलते दक्षिण एशियाई देशों में 30-35%, उत्तरी अमेरिकी देशों में 30%, यूरोप में 20% और अफ्रीकी देशों में 50% दाम बढ़े हैं। सरकार के पास दो विकल्प थे। कीमतें बढ़ा बढ़ाएं या राजस्व पर घाटा सहें। सरकार ने दूसरा विकल्प चुना।

'लॉकडाउन की बात अफवाह, ऐसा कोई विचार नहीं'

NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: कोविड महामारी के दिनों की तरह देश में लॉकडाउन लगने की अटकलों को खारिज करते हुए सरकार ने शुक्रवार को साफ कहा कि ऐसा कोई निर्णय नहीं लिया गया है और न ही इस बारे में विचार हो रहा है। सरकार ने दोहराया कि देश में कच्चे तेल और पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं है। LPG सिलिंडर की डिलिवरी भी नॉर्मल है।

तेल-गैस मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा कि देश में कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार है और अगले दो महीनों के लिए सप्लाई का इंतजाम हो गया है। ताजा आदेश में स्टील, ऑटोमोबाइल्स, टेक्सटाइल्स, डाइज, केमिकल्स और प्लास्टिक उद्योगों को प्राथमिकता देने को कहा गया है। वहीं, रूस से तेल खरीदे जाने के बारे में पूछे जाने पर विदेश मंत्रालय के अधिकारी रणधीर जायसवाल ने कहा, 'विभिन्न स्रोतों से एनर्जी लेने के प्रयास जारी हैं।'

बालेन ने पीएम पद की शपथ ली

■ **पीटीआई, काठमांडू :** 35 साल के बालेंद्र शाह (बालेन) ने शुक्रवार को लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित नेपाल के सबसे युवा पीएम के रूप में शपथ लेकर इतिहास रचा। पीएम नरेंद्र मोदी ने बालेन को बधाई देते हुए कहा कि वह दोनों देशों के हित में मिलकर काम करने को उत्साहित हैं। बालेन 2022 में निर्दलीय जीतकर काठमांडू के महापौर बने थे।

बालेन शाह

डॉलर पर होंगे ट्रंप के साइन

■ **पीटीआई, वॉशिंगटन :** अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के साइन जल्द ही डॉलर पर दिखाई देंगे। 1861 में डॉलर की शुरुआत के बाद से ऐसा पहली बार होगा, जब किसी मौजूदा राष्ट्रपति के साइन वहां की मुद्रा पर अंकित किए जाएंगे। अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने यह निर्णय ऐसे वक्त में लिया है, जब अमेरिका स्वतंत्रता की 250वीं वर्षगांठ मना रहा है।

डॉनल्ड ट्रंप

बिना लक्षण वाले हर चौथे डायबिटीज मरीज़ को लिवर फाइब्रोसिस: स्टडी

Hemwati.Rajaura1
@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली :** देश में टाइप-2 डायबिटीज मरीजों में गंभीर स्वास्थ्य संकट सामने आया है। स्टडी में पता चला है कि हर चौथे डायबिटीज मरीज को लिवर फाइब्रोसिस है। हर 20 में एक मरीज में सिरोसिस के संकेत मिले हैं। यह स्टडी सर गंगाराम अस्पताल के प्रोफेसर डॉ. आशीष कुमार की अगुआई में की गई। इसे लैंसेट रीजनल हेल्थ साउथ ईस्ट एशिया जर्नल में प्रकाशित किया गया है। जनवरी से जुलाई 2024 के बीच हुई स्टडी में देशभर के 9202 डायबिटीज मरीजों को शामिल किया गया, जिनमें लिवर रोग के स्पष्ट लक्षण नहीं थे।

AI image

क्या है ये बीमारी?

जिन मरीजों में फैटी लिवर नहीं था, उनमें भी फाइब्रोसिस और सिरोसिस मिला। सामान्य वजन वाले मरीजों में भी 19% में फाइब्रोसिस था। लिवर फाइब्रोसिस वह स्थिति है, जिसमें चोट या बीमारी से लिवर में सख्त (स्कार) ऊतक बनने लगते हैं। इलाज न हो तो सिरोसिस में बदल सकता है।

300 'धनुष', पांच S-400 की खरीद को मंजूरी

Poonam.Pandey
@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली :** इंडियन आर्मी के 300 धनुष आर्टिलरी गन, एयरफोर्स के लिए मिडियम ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट और पांच S-400 यूनिट्स की खरीद की जरूरत को मंजूरी मिल गई है। S-400 ने ऑपरेशन सिंदूर में भी अहम रोल निभाया था। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई रक्षा अधिग्रहण समिति की मीटिंग में 2.38 लाख करोड़ रुपये के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

समिति ने एयरफोर्स के लिए मीडियम ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट, S-400 लॉन्ग रेंज सरफेस-टु-एयर मिसाइल सिस्टम, रिमोटली पायलेटेड स्ट्राइक एयरक्राफ्ट की खरीद और Su-30 फाइटर जेट के एयरो इंजन एग्रीगेट्स के ओवरहॉल प्रस्तावों को मंजूरी दी।

रक्षा मंत्रालय ने कहा कि AN-32 और IL-76 जैसे पुराने ट्रांसपोर्ट विमानों की जगह मीडियम ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट शामिल होने से सेना की रणनीतिक, सामरिक और ऑपरेशनल एयरलिफ्ट जरूरतें बेहतर तरीके से पूरी हो सकेंगी। रिमोटली पायलेटेड स्ट्राइक एयरक्राफ्ट (ड्रोन) से आक्रामक जवाबी कार्रवाई और समन्वित एयर ऑपरेशंस हो सकेंगे। गुप्त तरीके से इंटेलिजेंस, सर्विलांस और रिकॉनिसेंस मिशन भी पूरे होंगे। Su-30 के एयरो इंजन और उसके हिस्सों के ओवरहॉल से विमान की सेवा अवधि बढ़ेगी।

धनुष गन से बढ़ेगी तोपखाने की क्षमता

रक्षा मंत्रालय ने कहा कि धनुष गन सिस्टम तोपखाने की क्षमता को बढ़ाएगा। वहीं, आर्मी के लिए एयर डिफेंस ट्रैक्ड सिस्टम, आर्मर पियर्सिंग टैंक गोला-बारूद, हाई कैपेसिटी रेडियो रिले और रनवे से स्वतंत्र एरियल सर्विलांस सिस्टम को मंजूरी दी गई। कोस्ट गार्ड के लिए हैवी ड्यूटी एयर कुशन वीकल्स की खरीद की जरूरत को मंजूरी दी गई।

MARUTI SUZUKI ARENA

WHY CHOOSE DIESEL?
RUN ON THE SMARTER FUEL

VICTORIS S-CNG
WITH SEGMENT-FIRST UNDERBODY CNG TANK

PARAMETER	VICTORIS S-CNG	COMPETITION MID SUV DIESEL	BENEFIT OF VICTORIS S-CNG OVER DIESEL CARS
Running Cost/km	₹4	~ ₹6.1	✓ More savings per km
Lower Maintenance Cost	✓	✗	✓ Easy on pocket
Reduced Emission	✓	✗	✓ Good for environment
Recovery Period#	~3.8 Yrs	~11.1 Yrs	✓ Faster recovery

BEST-IN-SEGMENT MILEAGE 27.02* km/kg

LOYALTY REWARD OF UP TO ₹30 000 ON EXCHANGE OF MARUTI SUZUKI CARS**
SCAN AND CONNECT TO A SHOWROOM NEAR YOU
E-BOOK TODAY AT WWW.MARUTISUZUKI.COM
CONTACT US AT 1800-102-1800

Applicable T&C available at your nearest dealership. Creative visualization. Car colour may vary due to printing on paper. Images used are for illustration purposes only. Features may vary by model/conditions. For details on functioning of safety features including airbags, kindly refer to the Owner's Manual. #Considered average daily drive of 35 km. Fuel Cost calculation done basis fuel prices in Delhi as of 11th Feb 2026 and considered 70% delivery of ARAI tested Mileage. **The loyalty reward scheme is subject to terms and conditions. For more details visit authorised dealership. The offer is valid only on Victoris. *As certified by Test Agency under Rule 115 (G) of Central Motor Vehicles Rules 1989.

VICTORIS

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 28-03-2026 Zone: Gurgaon Edition: 1 Page: NBTGRBP User: vivek.kumar4@timesofindia.com Time: 03-27-2026 20:44 Color:

MIGSUN
DREAM IT LIVE IT

RERA REGISTRATION NO: UPRERAPRJ355095/05/2024
LAUNCH/PROJECT REGISTRATION DATE: 01-05-2024
RERA WEBSITE: WWW.UP-RERA.IN

विकास की उड़ान, नए भारत की पहचान

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का शुभारम्भ

माननीय प्रधानमंत्री जी एवं मुख्यमंत्री जी (उत्तर प्रदेश) का धन्यवाद,

जिनके नेतृत्व में साकार हो रहा ऐतिहासिक कदम।

- नोएडा एयरपोर्ट एक नजर में -

- शुरुआती क्षमता: 1.2 करोड़ यात्री प्रति वर्ष | • भविष्य क्षमता: 7 करोड़ यात्री प्रति वर्ष
- 3,900 मीटर लंबा रनवे – बड़े विमानों के लिए उपयुक्त | • भविष्य में बुलेट ट्रेन कनेक्टिविटी की संभावना
- मल्टी-मॉडल कार्गो हब | • अत्याधुनिक ILS व लाइटिंग – हर मौसम में 24×7 संचालन

यह सिर्फ एक एयरपोर्ट नहीं, उत्तर भारत के उज्ज्वल भविष्य की शुरुआत है।

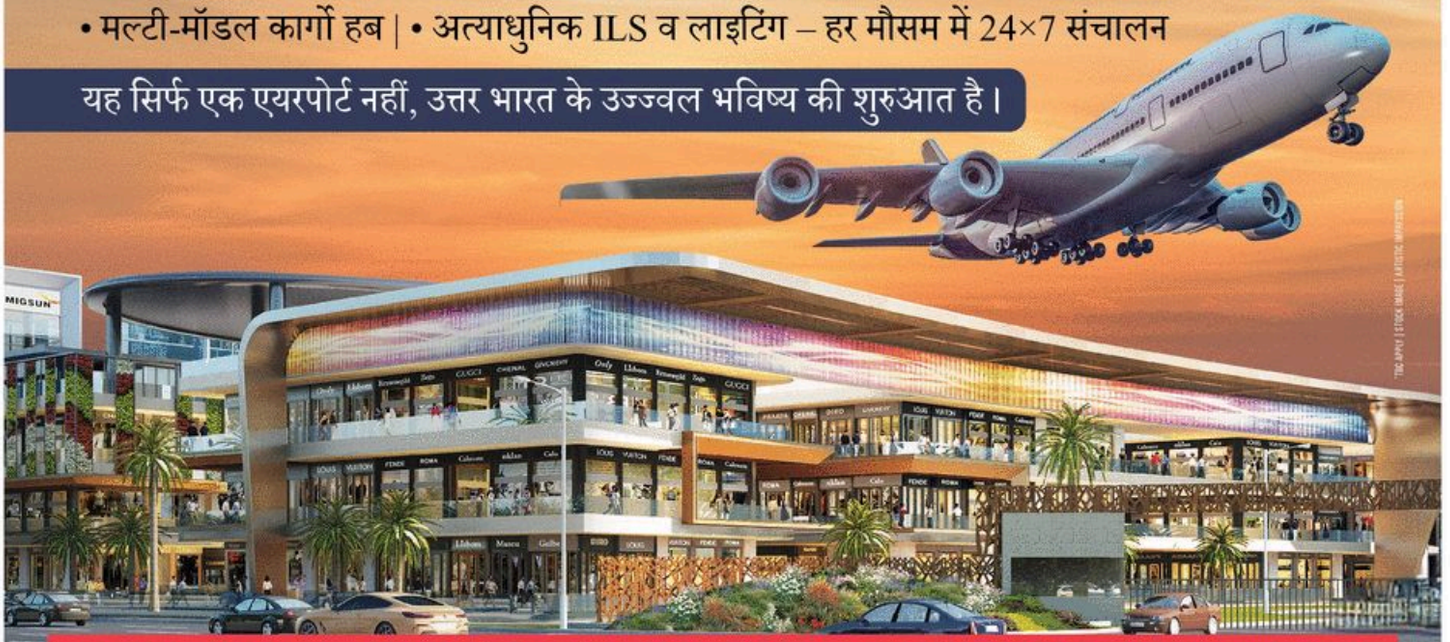

10 LAKH+ STRONG CATCHMENT AREA | RETAIL | FOOD COURT | COACHING HUB | CLOSE TO IT HUBS & TOP UNIVERSITIES

MIGSUN central market | STARTING FROM ₹25 LAKH ONWARDS*

अब आपके सपनों की जगह, नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से मात्र 20 मिनट की दूरी पर।

FLEXIBLE PAYMENT PLAN | SMARTLY SIZED UNITS | UNMATCHED RETAIL OPPORTUNITIES | NCR'S BEST-CONNECTED RETAIL HUB

EXCLUSIVELY MARKETED BY: bop.in | 7290001064 | BANG ON YAMUNA EXPRESSWAY

Collection Account of **Migsun Central Market Project**
Account Name: **Ansal It City And Parks Limited-Collection Account For Migsun Central Market** | Account Number: **250112202301** | Bank Name: **Indusind Bank** | IFSC: **INDB0000005**

COMMERCIAL RESIDENTIAL HOSPITALITY EDUCATION SKILL INDIA

A LEGACY OF 30 YEARS | 2 CRORE AREA DELIVERED | PRESENT IN 7 STATES

FOLLOW MIGSUN

Disclaimer: This advertisement is indicative in nature & may not constitute as an offer of invitation for the purpose of Registration/Booking/Sale. Visual representations/contents/images/maps shown in this advertisement are purely conceptual and not a legal offering. The viewer/prospective buyer may seek all such information, sanctions plans, approvals, development schedule, specifications, facilities, amenities etc. from the company before any such booking/registration etc. | *T&C Apply

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 28-03-2026 Zone: Gurgaon Edition: 1 Page: NBTGRJK2 User: vivek.kumar4@timesofindia.com Time: 03-27-2026 20:56 Color:

THE FIRST FIVE

RCB v SUNRISERS
MATCH 1, BENGALURU
TONIGHT
28TH MARCH

MUMBAI INDIANS v KOLKATA KNIGHT RIDERS
MATCH 2, MUMBAI
SUNDAY
29TH MARCH

RAJASTHAN ROYALS v CHENNAI SUPER KINGS
MATCH 3, GUWAHATI
MONDAY
30TH MARCH

PUNJAB KINGS v GUJARAT TITANS
MATCH 4, NEW CHANDIGARH
TUESDAY
31ST MARCH

LSG v DELHI CAPITALS
MATCH 5, LUCKNOW
WEDNESDAY
1ST APRIL

7 PM EVERYDAY

TITLE SPONSOR: TATA
PREMIER PARTNERS: AngelOne, RuPay, Google AI Mode
UMPIRE PARTNER: WONDER CEMENT
STRATEGIC TIMEOUT PARTNER: CEAT
GOOD TIMES PARTNER: KINGFISHER PREMIUM PACKAGED DRINKING WATER
OFFICIAL BROADCASTER: STAR SPORTS
OFFICIAL DIGITAL STREAMING PARTNER: JioHotstar

नई दिल्ली > शनिवार, 28 मार्च 2026 > चैत्र 7, शक संवत 1948, चैत्र शुक्ल दशमी, विक्रम संवत 2083

WATCH GOD WATCHDOG

NBT नवभारत टाइम्स

वर्ष 80, संख्या 73 > पेज 20* > फरीदाबाद > मूल्य ₹4.00 या ₹10.50* द टाइम्स ऑफ इंडिया सहित www.nbt.in

नोएडा एयरपोर्ट टेकऑफ को तैयार

क्षमता कितनी
पहले साल 50 लाख यात्रियों से शुरुआत की उम्मीद है। इसके बाद यात्रियों की यह संख्या बढ़ेगी।

मोदी आज करेंगे शुरुआत
प्रधानमंत्री मोदी शनिवार सुबह 11:30 बजे लोकार्पण करेंगे। फिर एक जनसभा को संबोधित करेंगे।

जून से शुरू हो सकती है उड़ानें
डोमेस्टिक और कार्गो की उड़ानें जून तक शुरू होने की उम्मीद है। इंटरनैशनल उड़ानों में देरी होगी। चंडीगढ़, हैदराबाद, बेंगलुरु, चेन्नै, मुंबई, लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर, अहमदाबाद, जयपुर, अयोध्या जा सकेंगे।

सर्विस कैसी
शुरुआत में सिर्फ दिन में उड़ानें संचालित होंगी। इंडिगो, एयर इंडिया एक्सप्रेस और आकासा एयरलाइंस की सर्विस मिलेगी।

11,200
करोड़ रुपये पहले फेज में खर्च हुए हैं। रनवे पर एक घंटे में 30 फ्लाइट के टेकऑफ और लैंडिंग की क्षमता है।

कैसे पहुंचें
दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद से यमुना एक्सप्रेसवे पर 32वें किमी पर इंटरचेंज के बाद 800 मीटर दूर है नोएडा एयरपोर्ट।

युवराज को इंसाफ का इंतजार

71 दिन बाद भी SIT रिपोर्ट नहीं

सर्राफा

सोना स्टैंडर्ड (99.5 शुद्धता) प्रति 10 ग्राम	
दिल्ली	₹1,47,800 (-1,900)
चांदी .999 टंच प्रति किलो	
दिल्ली	₹2,30,000 (-11,250)

स्रोत: ऑल इंडिया सर्राफा एसोसिएशन

मौसम

अधिकतम तापमान 32.6°

न्यूनतम तापमान 20.6°

सूर्यास्त शनिवार 6:37 | सूर्योदय रविवार 6:15

रविवार को तेज बारिश, गरज-चमक और आंधी-तूफान के आसार।

ट्रंप बोले- तेहरान के अनुरोध पर फैसला, बातचीत अच्छी

US ने ईरान के पावर प्लांट पर हमले 10 दिन और टाले

■ एपी, दुबई

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने ईरान के ऊर्जा ठिकानों पर संभावित हमले की समयसीमा 10 दिन बढ़ाकर 6 अप्रैल कर दी है। ट्रंप ने दावा किया कि यह फैसला तेहरान के अनुरोध पर लिया गया और बातचीत अच्छी चल रही है। इससे पहले ट्रंप ने होर्मुज खोलने के लिए 48 घंटे का अल्टिमेटम दिया था, बाद में इसे पांच दिन कर दिया था। एक तरफ बातचीत का दावा तो दूसरी तरफ वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप मिडिल ईस्ट में 10 हजार और सैनिक भेजने पर विचार कर रहे हैं। ईरान का कहना है कि वह किसी भी तरह की बातचीत में शामिल नहीं है।

वहीं व्हाइट हाउस के सोशल मीडिया अकाउंट से शेयर हुई धुंधली तस्वीरों और विडियो ने हलचल बढ़ा दी है। कुछ पोस्ट डिलीट भी कर दिए गए हैं। एक विडियो में चुप रहने वाला इमोजी दिखता है। लोगों ने उस विडियो की आवाज को उल्टा चलाकर सुना तो उसमें 'कल बड़ा ऐलान होगा (यानी आज)' जैसा मैसेज सुनाई दिया। इस्राइल के रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज ने कहा कि ईरान पर हमले और तेज होंगे। » पेज 7

Agency

हमलों से तबाही इस्राइली हमले के बाद तेहरान में रिहायशी इमारत ढही, शुक्रवार सुबह मलबे में फंसे लोगों को निकालते लोग और राहतकर्मी।

पेट्रोल-डीजल पर 10 रु./लीटर शुल्क घटा

केंद्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर स्पेशल अडिशनल एक्साइज ड्यूटी (SAED) प्रति लीटर 10 रुपये घटा दी है। इससे पेट्रोल पंपों पर उपभोक्ताओं के लिए पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं घटेंगे। » पेज 11

रुपया गिरा, शेयर बाजार भी धड़ाम

रुपया शुक्रवार को 86 पैसे टूटकर 94.82 प्रति डॉलर के अब तक के सबसे निचले स्तर पर बंद हुआ। पश्चिम एशिया के संघर्ष में कमी न आने के संकेत से सेंसेक्स 1,690 और निफ्टी 487 अंक गिरा।

मुख्यमंत्रियों संग PM ने की बैठक

NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: पीएम नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम एशिया के युद्ध के असर से निपटने की तैयारियों पर शुक्रवार को राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ चर्चा की। सूत्रों ने बताया, मीटिंग का बड़ा मकसद विभिन्न प्रयासों में तालमेल बेहतर करना रहा। वहीं केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी ने स्पष्ट किया है कि देश में लॉकडाउन लगाने जैसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। इसके अलावा हालात पर नजर रखने को रक्षा मंत्री राजनाथ की अध्यक्षता में समिति भी बनाई है।

वॉर अपडेट्स

- US-इस्राइल के हमले में ईरान के दो स्टील प्लांट क्षतिग्रस्त।
- भारत में ईरानी दूतावास ने कहा, मदद के लिए भारतीय बच्चों का गुल्लक दान करना कभी न भूलेंगे। ये प्यार भरा तोहफा है।
- ईरानी सेना का अल्टिमेटम, खाड़ी देशों के होटलों में जहां US सैनिक होंगे वो निशाने पर होंगे।

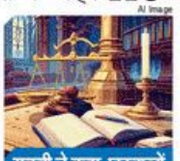

'समाज की राय कोर्ट को गाइड नहीं करेगी'

शादीशुदा पुरुष का लिवइन में रहना अपराध नहीं:HC

■ NBT रिपोर्ट, प्रयागराज

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा कि जब कोई शादीशुदा आदमी एक बालिग औरत के साथ उसकी सहमति से लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहा हो, तो कोई जुर्म नहीं है। नैतिकता और कानून को अलग रखना होगा। कोर्ट ने कहा, 'अगर कानून के तहत कोई जुर्म नहीं है, तो समाज की राय और नैतिकता कोर्ट को गाइड नहीं करेगी।'

यह मामला हाई कोर्ट के सामने तब आया जब युवती की मां ने FIR दर्ज कराई कि उनकी 18 साल की बेटी को वह आदमी ले गया है। लेकिन, याचिकाकर्ता के मुताबिक, 'युवती ने शाहजहांपुर के SSP को अर्जी दी कि वह बालिग है और अपनी मर्जी से उस आदमी के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही है।'

AI Image

युवती ने कहा, घरवालों से जान को खतरा

युवती ने शाहजहांपुर पुलिस को शिकायत देकर कहा कि उसके परिवार वाले इस रिश्ते के खिलाफ हैं और जान से मारने की धमकी दी है। इसके बाद भी पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। कोर्ट ने 8 अप्रैल को केस को लिस्ट किया है और कहा कि तब तक याचिकाकर्ताओं के खिलाफ कोई कार्रवाई न हो।

DL खत्म होने के बाद 30 दिन तक छूट का प्रस्ताव

■ **पीटीआई, नई दिल्ली :** केंद्र सरकार ने मोटर वाहन अधिनियम में संशोधन करने का प्रस्ताव रखा है। इसके तहत ड्राइविंग लाइसेंस (DL) की अवधि समाप्त होने के बाद 30 दिन की छूट अवधि दी जाएगी। इस दौरान लाइसेंस वैध बना रहेगा। यह प्रस्ताव जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) विधेयक, 2026 का हिस्सा है, जिसे शुक्रवार को लोकसभा में पेश किया गया। कुछ और प्रस्तावों के अनुसार, अब वाहन का पंजीकरण पूरे राज्य में किया जा सकेगा, किसी विशेष क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा। वाहन पंजीकरण रद्द करने की सूचना देने की समय सीमा 30 दिन करने का प्रस्ताव है।

खबरों के अंदर की बात

NBT Lens

देखें पेज 9 और 10

फटाफट खबरें

RCB-सनराइजर्स से IPL की शुरुआत

चिन्नास्वामी स्टेडियम में IPL के उद्घाटन मैच में शनिवार को मेजबान हैदराबाद के साथ RCB की भिड़ंत होगी। IPL में अगले दो महीनों में **विराट कोहली** और रोहित शर्मा जैसे दिग्गज खिलाड़ियों पर भी नजर रहेगी। » पेज 10

कोयला घोटाले में पूर्व सांसद और अन्य बरी

दिल्ली की स्पेशल कोर्ट ने शुक्रवार को पूर्व सांसद विजय दर्डा, उनके बेटे देवेंद्र दर्डा और पूर्व कोयला सचिव एच.सी. गुप्ता को कोयला ब्लॉक आवंटन से संबंधित एक मामले में धोखाधड़ी, आपराधिक साजिश का कोई सबूत न मिलने के बाद बरी कर दिया।

अर्थसार

सेंसेक्स	73,583.22 (-1,690.23)
निफ्टी	22,819.60 (-486.85)
रु/यूएस डॉलर	94.59 (+0.63)
रु/यूरो	109.15 (+0.21)

स्रोत: रिजर्व बैंक रेफरेंस रेट

* 14 + 6 FaridabadTimes

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 28-03-2026 Zone: Gurgaon Edition: 1 Page: NBTGRP2 User: cci Time: 03-27-2026 21:36 Color:

अलग-अलग मुस्कुराहट के अलग मेसेज
मुस्कान सिर्फ खुशी दिखाने का तरीका नहीं है, यह एक सामाजिक संकेत है। अलग-अलग तरह की मुस्कान, दोस्ती वाली, जीत वाली या दबाव वाली, सामने वाले के दिमाग को अलग-अलग तरीके से प्रभावित करती है।

विचार

जब काम के साथ जुनून और चेहरे पर मुस्कान जुड़ जाती है, तो वही काम बोझ नहीं लगता, बल्कि खुशी, रचनात्मकता और सुकून देने वाला अनुभव बन जाता है, जो जीवन को आगे बढ़ाता है।
- चार्ली चैप्लिन (Charlie Chaplin)

ज़रा हंस लें

डॉक्टर (मरीज से): जानते हो, बचपन में मैं चाहता था कि बड़ा होकर डाकू बनूं. मरीज (बड़ा बिल देखते हुए): आप बहुत किस्मत वाले हैं डॉक्टर साहब, वरना इस दुनिया में किसके सपने पूरे होते हैं।

कविता : मैं तो आदिशक्ति हूं

मैं तो आदिशक्ति हूं।।
मैं नहीं हूं सीता,
जो अग्नि परीक्षा दे,
मैं तो वह मूल शक्ति हूं,
जो सृष्टि को संभाल ले।
मैं नहीं हूं द्रौपदी,
जो चीर-हरण होने पर,
सहायता के लिए पुकार करे,
मैं तो दुर्गा का स्वरूप हूं
जो दुष्टों का नाश कर दे।
मैं तो आदिशक्ति हूं,
मैं नहीं वो अबला नारी,
जो अपने भाग्य को कोसती रहूं,
मैं तो आदिशक्ति हूं
जो अपना भाग्य खुद बनाए,
और जीवन को नई दिशा दे।

- नीलम कुमार, NBT रीडर

पॉजिटिव सोच के साथ आपने भी कोई कविता लिखी है, तो हमें ईमेल nbtreader@timesofindia.com पर भेजें। जिसे मिल सकता है अगले अंक में छपने का मौका।

2.2 लाख+ दांतों की स्टडी, बनाया पहला फरेंसिक डेंटल डेटाबेस

दांत बताएंगे पहचान!

Parth.Shastri
@timesofindia.com

■ **अहमदाबाद के** डेंटिस्ट ने ऐसा काम कर दिखाया है, जो अब तक भारत में किसी ने व्यवस्थित तरीके से नहीं किया था। करीब पांच साल तक देश भर में उन्होंने 37,000 किलोमीटर की लंबी यात्रा की। 23 राज्यों से सैंपल जुटाए और 2.2 लाख से ज्यादा दांतों का गहराई से अध्ययन किया। इसके बाद उन्होंने भारत का पहला फरेंसिक डेंटल डेटाबेस तैयार कर दिया। यह पहल न सिर्फ विज्ञान के लिहाज से अहम है, बल्कि आम लोगों की जिंदगी से भी सीधे जुड़ी है। अब हादसों और अपराधों में पहचान की प्रक्रिया पहले से कहीं ज्यादा मजबूत और सटीक हो सकेगी।

गवर्नमेंट डेंटल कॉलेज एंड हॉस्पिटल से जुड़े **डॉ. जयशंकर पी. पिल्लई**, ने इस रिसर्च की शुरुआत एक बड़े सवाल से की थी कि क्या दांतों के आधार पर किसी व्यक्ति की पहचान, उसका क्षेत्र और उसकी पृष्ठभूमि समझी जा सकती है? इसी सवाल का जवाब तलाशने के लिए उन्होंने 2020 से 2025 के बीच देशभर से सैंपल इकट्ठा किए और हर एक सैंपल को करीब 15 अलग-अलग पैरामीटर पर परखा। इस दौरान उन्होंने पाया कि भारत जैसे विविधता वाले देश में अलग-अलग इलाकों के लोगों के दांतों की बनावट में साफ अंतर देखने को मिलता है।

रिसर्च की सबसे खास बात यह है कि दांत शरीर का वह हिस्सा है, जो सबसे ज्यादा टिकाऊ होता है। कई बार आग, बाढ़, दुर्घटना या लंबे समय के बाद भी दांत सुरक्षित रहते हैं, जिससे मृतकों की पहचान करना संभव हो पाता है। यही वजह है कि फरेंसिक एक्सपर्ट दांतों को "नेचुरल आईडी कार्ड" मानते हैं। डॉ. पिल्लई के अध्ययन ने इस दिशा में एक मजबूत आधार तैयार किया है, जिससे भविष्य में आपदाओं और अपराधों के मामलों में पहचान की प्रक्रिया तेज और ज्यादा विश्वसनीय बन सकेगी।

अध्ययन के दौरान सामने आया कि दांतों के कुछ खास गुण, जैसे सामने के दांतों की बनावट, कैनाइन और मोलर में पाए जाने वाले विशेष पैटर्न, पहचान के लिए ज्यादा उपयोगी होते हैं। हालांकि अभी केवल दांत के ऊपरी हिस्से यानी क्राउन के आधार पर किसी व्यक्ति के राज्य की सटीक पहचान करीब 14.3 प्रतिशत मामलों में ही संभव हो पा रही है, लेकिन शोधकर्ताओं का मानना है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और उन्नत तकनीक के इस्तेमाल से इस सटीकता को काफी बढ़ाया जा सकता है।

डॉ. पिल्लई का कहना है कि भारत में अभी डेंटल रिकॉर्ड का सिस्टम पश्चिमी देशों की तुलना में काफी कमजोर है, जिसकी वजह से कई बार जांच एजेंसियों को सिर्फ फोटो या सीमित सबूतों पर निर्भर रहना पड़ता है। ऐसे में उनका यह डेटाबेस एक बड़ी कमी को पूरा करेगा। आने वाले समय में अगर इस डेटा को और विस्तार दिया गया और सरकारी सिस्टम से जोड़ा गया, तो न सिर्फ अपराधों की जांच तेज होगी बल्कि हादसों में मारे गए लोगों की पहचान भी सटीक तरीके से की जा सकेगी।

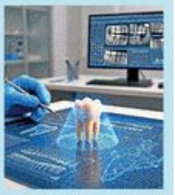

23 राज्यों से सैंपल जुटाए, पांच साल तक देश भर में 37,000 km की यात्रा की

मुस्कुराइए!
आपके दांत ही है आपकी असली पहचान (ID Card)

- दांतों के आकार और उनकी बनावट से किसी भी व्यक्ति की पहचान हो सकती है। फरेंसिक एक्सपर्ट्स इनका इस्तेमाल हादसों या अपराधों में शिकार हुए लोगों की पहचान करने के लिए करते हैं।
- दांत बहुत टिकाऊ (durable) होते हैं। रिसर्च में पाया गया है कि मिट्टी में दबे होने, तेज गर्मी और सड़न के बावजूद सैकड़ों साल पुराने दांत भी सुरक्षित मिल जाते हैं।
- दांतों की बनावट को देखकर पुराने पूर्वजों और जीन्स (genes) के बारे में पता लगाया जा सकता है, इसके लिए किसी बड़ी लैब जांच की जरूरत नहीं पड़ती।
- दांतों के खास लक्षणों से यह पता लगाने में मदद मिलती है कि कोई अनजान व्यक्ति किस भौगोलिक क्षेत्र या किस जाति (ethnic group) का रहा होगा।
- ऊपर के सामने वाले दांत और पहली जाड़ का हिस्सा, अलग-अलग इलाकों के लोगों की पहचान करने में सबसे ज्यादा कारगर होते हैं।
- दांतों के ऊपरी हिस्से की कुछ खास लकीरें और बनावट (जैसे shovelling trait) पहचान को और भी सटीक बना देती हैं।
- किसी भी आपदा या हादसे के समय शवों की पहचान (DVI) के लिए दांतों के डेटा को रिकॉर्ड फॉर्म में शामिल करना बहुत जरूरी है।
- पहचान फॉर्म में 'ओडोन्टोग्राम' (odontogram) जैसा एक अलग हिस्सा होना चाहिए, ताकि दांतों की हर छोटी-बड़ी खूबी को सही तरीके से दर्ज किया जा सके।

दहाड़ भी दुलार भी!
शेर खुद अपनी सल्तनत बनाता है, और इंदौर के जू के ये नन्हे शावक आने वाले कल की गूंज हैं। मगर यहां नन्हे शेरों ने पिता की दहाड़ को 'फोटोबॉम्ब' कर दिया।

नेचुरल वॉरियर: जहरीली हवा के बीच सांसों के पहरेदार बनेंगे ये फूल

प्रदूषण के 'धुएं' से बचाएंगे गुलाब और चमेली के फूल

■ सैयद रजा, लखनऊ

शहरों में कंक्रीट के बढ़ते जाल और गाड़ियों के जहरीले धुएं के बीच अब फूल ही हमारी सेहत के रक्षक बनेंगे। सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान (NBRI) के ताजा अध्ययन में सामने आया है कि गुलाब और चमेली जैसे आम पौधे घातक शहरी प्रदूषण से लड़ने में 'नेचुरल वॉरियर' की भूमिका निभा सकते हैं।

एनबीआरआई के वैज्ञानिकों डॉ. रिया राय और सौमित बेहरा ने 'सीएसआईआर-फ्लोरीकल्चर मिशन' के तहत तीन प्रमुख फूलों-गुलाब, चमेली और रजनीगंधा पर गहन शोध किया।

बालकनी के लिए: अगर आप फ्लाईओवर या मुख्य सड़क के पास रहते हैं, तो गुलाब और चमेली के पौधे लगाना सबसे बेहतर है।

फायदा: ये पौधे न सिर्फ ऑक्सीजन देंगे, बल्कि पीएम (Particulate Matter) कणों को सोखने में भी मदद करेंगे।

कौन पास, कौन फेल?

चमेली: गैस एक्सचेंज और पानी के सही इस्तेमाल में चमेली ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। यह खराब हवा में भी खुद को बखूबी ढाल लेती है।
गुलाब: वैज्ञानिकों ने पाया कि गुलाब प्रदूषण के भारी तनाव के बावजूद अपनी फोटोसिंथेसिस प्रक्रिया को जारी रखने में सक्षम है। यानी यह जहरीली हवा में भी दम नहीं तोड़ता।
रजनीगंधा: स्टडी में रजनीगंधा प्रदूषण के सामने संवेदनशील (कमजोर) साबित हुआ। इसके सांस लेने वाले छिद्र बंद होने के कारण यह प्रदूषण झेलने में नाकाम रहा।

छतों और वर्टिकल गार्डन के लिए बेहतर
NBRI के निदेशक डॉ. एके शासनी ने बताया कि पौधों को अर्बन लैंडस्केप, छतों और वर्टिकल गार्डन का हिस्सा बनाना अब महज शौक नहीं, बल्कि जरूरत है। वैज्ञानिकों ने सुझाव दिया है कि हाई-राइज बिल्डिंग्स की छतों और सड़कों के किनारे वर्टिकल ग्रीनरी में गुलाब और चमेली को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

फिर से सजाया-संवारा जा रहा है 60 साल पुराना गांधी म्यूजियम

Jaden.Thomas
@timesofindia.com

■ **मदुरै में** एक ऐसी जगह है, जहां कदम रखते ही वक्त जैसे ठहर सा जाता है। यह सिर्फ ईंट-पत्थरों की कोई इमारत नहीं, बल्कि उस महामानव की यादों का खजाना है जिसने हमें आजाद हवा में जीना सिखाया। हम बात कर रहे हैं मदुरै के 'गांधी मेमोरियल म्यूजियम' की। करीब 60 साल से यह म्यूजियम बापू के जीवन की गौरवगाथा सुना रहा है, और अब इसे एक बार फिर से सजाया-संवारा जा रहा है ताकि आने वाली पीढ़ियां अपनी विरासत को और करीब से महसूस कर सकें।

यह देश के उन पांच खास म्यूजियमों में से पहला है, जिन्हें गांधी जी के सम्मान में बनाया गया था। यूनाइटेड नेशंस (UN) ने इसे 'पीस म्यूजियम' घोषित किया है। यहां आज भी बापू के वो खून से सने कपड़े रखे हैं, जो उन्होंने अपनी शहादत के दिन पहने थे।

यह देश के उन पांच म्यूजियमों में से पहला है, जिन्हें गांधी जी के सम्मान में बनाया गया था

1959 से खड़ा यह म्यूजियम अब एक नए रूप में हमारे सामने आने वाला है। लगभग 10 करोड़ रुपये की लागत से इसके दो बड़े हिस्सों को नया रूप दिया जा चुका है। 'पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट' की हेरिटेज विंग इस काम को पूरी शिद्दत से अंजाम दे रही है और उम्मीद है कि मई के पहले हफ्ते तक यह दोबारा खुल जाएगा।

अब होगा डिजिटल अहसास

इस बार म्यूजियम में सिर्फ पुरानी यादें ही नहीं, बल्कि आधुनिक तकनीक का भी संगम देखने को मिलेगा। रिनोवेशन के बाद यहां दो 'एवी रूम्स' (AV rooms) और चार शानदार गैलरी होंगी। यहां 'इंटरएक्टिव डिजिटल डिस्प्ले' लगाए गए हैं, जहां एक टूर गाइड आपको हर चीज की कहानी विस्तार से समझाएगा। 'मदुरै में गांधी' नाम की एक खास वीडियो फिल्म भी दिखाई जाएगी, जो हमें बापू के उस दौर में ले जाएगी।

फ्री एंट्री और सुकून भरा अहसास
सबसे अच्छी बात यह है कि इस म्यूजियम और समर पैलेस को देखने के लिए कोई एंट्री फीस नहीं है। यह सबके लिए खुला है। अगर आप इतिहास को महसूस करना चाहते हैं और बापू के करीब जाना चाहते हैं, तो इस मई में मदुरै का यह कोना आपका इंतजार कर रहा है।

हम पूरे भारत से खास मटेरियल मंगवा रहे हैं ताकि इसकी भव्यता बनी रहे। इस गर्मियों की छुट्टियों में जो लोग यहां आएंगे, उन्हें बिल्कुल भी निराशा नहीं होगी। - *के.आर. नंदा राव, सचिव, म्यूजियम*

दिल्ली-NCR

बारिश ने भिगोया, हवाओं ने फिर कराया ठंड का अहसास

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

दिल्ली में गुरुवार रात की बौछारें, तेज हवाओं के बाद शुक्रवार दिन में बारिश ने शहर को भिगोया और तापमान फिर नीचे आया। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 24 घंटे में 2.2 डिग्री नीचे गिरा और 32.6 डिग्री पहुंचा। कई इलाकों में बारिश हुई, हवाओं की रफ्तार भी बढ़ी, जिसके बाद धूप के बावजूद मौसम सुहाना बना। मौसम विभाग ने अब 29 मार्च को येलो अलर्ट जारी कर हल्की बारिश का पूर्वानुमान किया है। इस बीच हवाएं भी तेज होंगी।

इस हफ्ते कभी तेज धूप, कभी हल्की बारिश-तेज हवाओं का दौर चल रहा है। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 32.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, वहीं न्यूनतम तापमान 20.6 डिग्री रहा। मौसम विभाग के अनुसार, 28 मार्च को हल्के बादल छाए रहेंगे, वहीं 29-30 मार्च के बीच राजधानी में हल्की से मध्यम बारिश, गरज-चमक और आंधी की संभावना है। 29 मार्च को गरज-चमक और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की हवाओं के साथ सुबह और शाम बारिश होने की उम्मीद है। हालांकि तापमान 32-34 डिग्री रहेगा, तो न्यूनतम तापमान 20-22 डिग्री रहने की उम्मीद है। वहीं, इसके बाद अगले दो दिन 30-31 मार्च को तापमान 3 डिग्री तक नीचे जा सकता है। 30 से 2 अप्रैल तक तापमान ऊपर-नीचे हो सकता है, यह 29-33 डिग्री रह सकता है। इसके बाद तापमान फिर से बढ़ने लगेगा और दिल्ली-एनसीआर के लोगों को तपती गर्मी का सामना करना पड़ सकता है।

29 मार्च को येलो अलर्ट, हल्की बारिश का पूर्वानुमान

File Photo

बारिश के बाद हवा भी हुई साफ, AQI सामान्य

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली :** दिल्ली में प्रदूषण का स्तर शुक्रवार की बारिश के बीच कुछ नीचे गिरा, हालांकि 'सामान्य' स्तर पर बना रहा। शुक्रवार को एयर क्वॉलिटी इंडेक्स (AQI) 144 दर्ज किया गया। एक दिन पहले यह 184 पर था। सेंट्रल पल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (सीपीसीबी) ने 47 पल्यूशन मॉनिटरिंग स्टेशन में से 45 स्टेशन का डेटा जारी किया। इनमें से 44 स्टेशन में एक्यूआई 100 से 200 के बीच था यानी 'सामान्य' स्तर पर। एक स्टेशन डीटीयू में यह 81 पहुंचा, जो कि 'संतोषजनक' स्तर पर है। दूसरी ओर, एनसीआर में हवा में प्रदूषण का स्तर नीचे गिरा। गुड़गांव में AQI 170, ग्रेटर नोएडा में 156, गाजियाबाद में 162, फरीदाबाद में 147 और नोएडा में 132 दर्ज किया गया।

सीपीसीबी के बुलेटिन के मुताबिक शुक्रवार को AQI 144 रहा

12 राशियां और आपका दिन

ARIES 21 Mar - 19 Apr
आज आपकी राशि पर चतुर्थ भाव में चंद्रमा तथा छठवें भाव में शनि भी आ जाएगा, इसके चलते आज आपको अपने कार्यक्षेत्र व दफ्तर में कुछ नए अधिकार दिए जा सकते हैं। रचनात्मक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। पुत्र या पुत्री के विवाह का प्रसंग प्रबल होकर सफल हो सकता है।

TAURUS 20 Apr - 19 May
आपकी राशि का स्वामी शुक्र उच्चाभिलाषी है। छठवें भाव में बैठकर शत्रु को संपूर्ण शुभ दृष्टि से देख रहा है। शुक्र सांसारिक सुख भोगों का प्रतिनिधि है, इसलिए आवश्यक सामान की खरीदारी में शाम तक का समय व्यतीत होगा। पर परिवार के बुजुर्गों से वाकयुद्धों में न उलझें।

GEMINI 21 May - 21 Jun
द्वितीय भाव भाव में चंद्रमा और राशि से नवम भाव भाव में कुंभ राशि का राहु आज आपको राज्य से सम्मान और सामाजिक प्रतिष्ठा से अभिभूत करेगा। व्यापार के भागीदारों तथा पत्नी पक्ष से भी पूर्ण सहयोग मिलेगा। आय भाव में कमी होगी। कुंभ राशि का राहु आकस्मिक अनिश्चित भय कारक है। सावधान रहें।

CANCER 22 Jun - 22 July
आपकी राशि पर मिथुन का बृहस्पति व प्रथम भाव में चंद्रमा उत्तम संपत्ति और बहुत दिनों से रुके धन की प्राप्ति कराएगा। नए संबंधों में स्थायित्व बनेगा। राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में भी अच्छी सफलता मिल सकती है, प्रयत्नशील रहें। रात का समय मंगल उत्सव में प्रियजनों के साथ हर्षोल्लास में बीतेगा। मित्रों से सहयोग मिलता रहेगा।

LEO 23 July - 22 Aug
आज आप अपने निकटवर्ती व अन्य लोगों की भावनाओं को पहचानें और उनके अनुसार चलने का प्रयास करें तो आपको आत्मसंतोष होगा। उच्च अधिकारी की बात सुनने में कोई परेशानी नहीं है। दुकान व कार्यालय में भी टीमवर्क के जरिए ही आप किसी समस्या का हल निकालने में सफल होंगे।

VIRGO 23 Aug - 22 Sep
आपकी राशि से छठा राहु संचार कर रहा है, चंद्रमा एकादश योग धन भाव में इष्ट मित्रों से बेवजह विवाद तथा व्यर्थ व्यय है। इसलिए अपने आसपास खुशनुमा माहौल बनाने का प्रयास करें। कार्यालय में भी अकस्मात कोई नया परिवर्तन आपको आश्चर्य में डाल सकता है। महिला सहकर्मी आपका सहयोग करेंगी।

LIBRA 23 Sep - 22 Oct
आज का दिन आपके लिए महान पुरुषों से मेल जोल कारक है। आकस्मिक अप्रत्याशित उलट फेर में आपको लाभ मिल सकता है। नए कार्यों में वैज्ञानिक और तकनीकि पहलुओं पर गंभीरतापूर्वक विचार करने के बाद ही कुछ निर्णय लें। घर के पुराने लटके हुए कार्यों को बना लेने का मौका भी मिलेगा। इसलिए पहले से तैयार रहेंगे तो बेहतर होगा।

SCORPIO 23 Oct - 21 Nov
आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहेगा। बिजनेस के सिलसिले में किसी की सलाह लेने की आवश्यकता पड़ सकती है। दिन के दूसरे भाग में महिला मित्रों के साथ समय व्यतीत होगा। मामला कार्यक्षेत्र का हो या घर का आप अपने सभी उत्तरदायित्वों को सफलतापूर्वक निभा लेंगे।

SAGITTARIUS 22 Nov - 21 Dec
आज का दिन मिश्रित फलकारक है। आप अपनी पुरानी देनदारियों से मुक्त हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में भी आपके सुझावों का स्वागत होगा। कुछ आवश्यक घरेलू सामान की खरीदारी करनी पड़ सकती है। अपनी जेब का खास ख्याल रखें। शाम का समय घरवालों के साथ व्यतीत करें।

CAPRICORN 22 Dec - 19 Jan
आज आपकी राशि से सप्तम का चंद्रमा पक्ष व दूर की यात्रा तथा राज्य विजय कारक है। बहन भाई के विवाह इत्यादि मांगलिक समारोह में शामिल होने का अवसर मिलेगा। कोई पुराना मित्र या रिश्तेदार अचानक आपके सामने आकर खड़ा हो सकता है। यदि कोई आपसे उधार मांगे तो कदापि न दें।

AQUARIUS 20 Jan - 18 Feb
राशि का स्वामी शनि द्वितीय कोण केंद्र में राजनीतिक क्षेत्र में सफलता कारक है, सक्रिय राजनीति में भाग लेने का योग बन रहा है। प्रतिस्पर्धा में प्रतिद्वंद्वी आपके पीछे रह जाएंगे। दिन का उत्तरार्ध भी शुभ व्यय कीर्ति की वृद्धि कारक है। पुण्य कार्यों पर भी व्यय हो सकता है।

PISCES 19 Feb - 20 Mar
राशि का स्वामी देवगुरु पिछले कई दिनों से मिथुन राशि का होकर चतुर्थ भाव में चल रहा है। चंद्रमा भी पंचम केंद्र का घर में उत्तम संपत्ति प्रदान करेगा। रुका हुआ धन मिल जाएगा। भाग्य शक्ति के बल पर किसी कठिन समस्या का समाधान भी हो जाएगा। मित्रों से सहयोग मिलेगा। शाम का समय सैर-सपाटे में प्रियजनों के साथ बीतेगा।

सुडोकू

7		3		2				
			9	7		2		
	4					9		
	3		6				4	
		4				1		
	8				4		2	
		5					3	
		1		5	6			
				8		7		5

कल के सुडोकू का जवाब

5	6	1	7	2	3	8	9	4
8	3	4	1	5	9	6	7	2
7	2	9	4	8	6	3	5	1
4	5	3	8	9	1	2	6	7
1	8	2	6	3	7	5	4	9
6	9	7	2	4	5	1	3	8
3	4	8	5	7	2	9	1	6
9	7	6	3	1	8	4	2	5
2	1	5	9	6	4	7	8	3

TELEVISION big magic

09:00	बबलू डबलू
10:00	बदतमीज दुल्हन
11:00	रुद्र के रक्षक
11:30	अलादीन
12:00	चक्रधारी अजय कृष्ण
13:00	भ से भाई
14:00	हम पांच
15:00	अजब देश की गजब कहानी
16:30	प्यार मोहब्बत हैप्पी लकी
18:30	रुद्र के रक्षक
21:00	वीरा

कल का पंचांग
(रविवार, 29 मार्च 2026)

राष्ट्रीय मिति चैत्र 8, शक संवत 1948, चैत्र शुक्ल, एकादशी, रविवार, विक्रम संवत 2083। सौर चैत्र मास प्रविष्टे 16, रमजान 9, हिजरी 1447 (मुस्लिम), तद अनुसार अंग्रेजी तारीख 29 मार्च 2026 ई.। सूर्य उत्तरायण, उत्तर गोल, वसंत ऋतु। राहु काल शाम 4 बजकर 30 मिनट से 6 बजे तक। एकादशी तिथि सुबह 7 बजकर 47 मिनट तक के बाद द्वादशी तिथि का आरंभ। आश्लेषा नक्षत्र अपराह्न 2 बजकर 38 मिनट तक के बाद मघा नक्षत्र का आरंभ। धृतिमान योग शाम 6 बजकर 19 मिनट तक के बाद शूल योग का आरंभ। विष्टि करण सुबह 7 बजकर 47 मिनट तक के बाद बालव करण का आरंभ। चंद्रमा अपराह्न 2 बजकर 38 मिनट तक कर्क उपरांत सिंह राशि पर संचार करेगा। आज के व्रत त्योहार कामदा एकादशी व्रत।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

यह वर्ष सिंह लग्न में प्रवेश हो रहा है। वर्ष का स्वामी सूर्य है। इस वर्ष गुरु, चंद्रमा और शुक्र मिश्रित फलकारक है। अप्रैल में अगर अपने कार्य का समय पर निष्पादन न हो सके तो कहीं पर भी विश्वासघात हो सकता है। मई में नियमित कार्यक्रमों में परिवर्तन से लाभ होगा। जून- जुलाई तक का समय स्वास्थ्य के लिए ठीक रहेगा। अगस्त में सभी काम कठिन परिश्रम से होंगे। सितंबर व अक्टूबर में किसी मंगल कार्य की योजना बनेगी। नवंबर में तीर्थ यात्रा का योग है। दिसंबर में मनोरंजन पर व्यय सुखद होगा। जनवरी 2026 से 15 फरवरी तक आपकी बीमारियां भी दूर होंगी। ग्रह शांति के लिए श्री सुंदरकांड पाठ करते रहें। मार्च में सभी मनोरथ पूर्ण हो जाएंगे।

-आचार्य कृष्ण दत्त शर्मा

गैस और तेल का खेल कई सेक्टर रहे झेल

पेट्रोल-डीज़ल पर एक्साइज़ ड्यूटी घटी, लेकिन कीमतें वही

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

अफरा-तफरी: खाड़ी देशों में युद्ध के हालात बने हुए हैं। ऐसे में पेट्रोल-डीजल का संकट गहराने की आशंकाओं के बीच शुक्रवार को दिल्ली-एनसीआर के कई पेट्रोल पंपों पर लोगों की भारी भीड़ उमड़ी

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच जहां दुनिया भर में तेल की कीमतों में बढ़ोतरी हो रही है, वहीं केंद्र सरकार ने डीजल और पेट्रोल पर लगने वाली एक्साइज ड्यूटी घटा दी है। हालांकि, इससे रिटेल कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है, लेकिन तेल कंपनियों को इससे बड़ी राहत मिली है। इसी बीच अफवाहों के कारण राजधानी दिल्ली में पिछले एक हफ्ते में डीजल और पेट्रोल की बिक्री में करीब 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। कई जगहों पर पेट्रोल पंपों पर लोगों की भीड़ देखी गई।

सरकार ने एक्साइज ड्यूटी घटाई, तेल कंपनियों को राहत

अफवाह से कई पेट्रोल पंपों पर लोगों की भीड़ देखी गई

दरअसल, पश्चिम एशिया में जारी वॉर का असर गैस और तेल की सप्लाई पर पड़ा है, लेकिन इसके बावजूद देश में डीजल-पेट्रोल की कोई कमी नहीं है। दिल्ली पेट्रोल डीलर्स असोसिएशन के अध्यक्ष निश्चल सिंघानिया ने बताया कि सप्लाई प्रभावित होने से क्रूड ऑयल की कीमतों में उतार-चढ़ाव जरूर आया है, लेकिन खुदरा कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है, जिससे लोगों को राहत मिली है।

केंद्र सरकार के एक्साइज ड्यूटी घटाने के फैसले से तेल कंपनियों को हो रहे नुकसान में कमी आई है। वहीं, युद्ध के चलते देश के अन्य शहरों में भी तेल की कमी को लेकर अफवाह फैली हुई है। इसके कारण लोग जरूरत से ज्यादा ईंधन खरीद रहे हैं, जिससे पेट्रोल पंपों पर भीड़ बढ़ गई है।

गैस की कमी से प्रोडक्शन पर असर

घरों में टाइल्स लगाना हुआ महंगा, बाज़ार में स्टॉक नहीं

■ राजेश पोद्दार, नई दिल्ली

ईरान-अमेरिका युद्ध का असर अब भारत के कंस्ट्रक्शन सेक्टर पर भी साफ दिखने लगा है। टाइल्स निर्माण कंपनियों में गैस की कमी से उत्पादन प्रभावित हो गया है। देश में गुजरात सबसे प्रमुख राज्य है जहां टाइल्स की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट सबसे ज्यादा हैं। वहां उत्पादन प्रभावित होने के बाद इसका असर अब दिल्ली के बाजारों में भी पड़ने लगा है। दुकानदारों का कहना है कि पिछले कई दिनों से नई टाइल्स की सप्लाई नहीं आ रही है। फिलहाल वे वही टाइल्स बेच रहे हैं जो पहले से स्टॉक में मौजूद हैं या जो उन्हें थोक विक्रेताओं से सीमित मात्रा में मिल रही हैं। इसी कारण ग्राहकों को टाइल्स महंगे दामों पर खरीदनी पड़ रही हैं।

पहले से स्टॉक हुआ माल ही बिक रहा है

नरेला-बवाना रोड पर टाइल्स की दुकान चलाने वाले दुकानदार विनय कौशिक ने कहा कि हालात काफी खराब हो चुके हैं। जो टाइल्स पहले 150 से 160 रुपये प्रति स्क्वेयर फीट के हिसाब से बिकती थी, उनकी कीमत अब बढ़कर 225 से 230 रुपये तक पहुंच गई है। यानी करीब 50 फीसदी तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इसका सीधा असर कंस्ट्रक्शन लागत पर पड़ रहा है, जिससे आम लोगों के लिए घर बनाना महंगा हो गया है। वहीं बाजार में डिजाइन की भी भारी कमी देखने को मिल रही है। किसी दुकान पर लाइट कलर उपलब्ध है तो डार्क नहीं और जहां डार्क मिल रहा है वहां दूसरे डिजाइन नहीं मिल पा रहे हैं। इसकी वजह यह है कि नई खेप बाजार में नहीं पहुंच रही है।

नरेला में टिकरी मार्केट टाइल्स मार्बल के लिए जाना जाता है। यहां पर दर्जनों दुकानें हैं। यहां के दुकानदारों का कहना है कि युद्ध की वजह से काम पर असर आया है। लोग नए टाइल्स के ऑर्डर नहीं दे रहे हैं। जो पुराने हैं उनकी क्वांटिटी पूरी नहीं हो पा रही है। व्यापारियों के अनुसार, जून तक भी हालात सुधरने की उम्मीद कम ही है। अभी सप्लाई केवल पुराने स्टॉक के भरोसे चल रही है। यहां तक कि अगर फैक्ट्रियां तुरंत चालू भी हो जाएं, तब भी सप्लाई चेन को सामान्य होने में कम से कम एक महीने या इससे अधिक समय लग सकता है।

कई फैक्ट्रियां अस्थायी रूप से बंद

■ राम त्रिपाठी, नई दिल्ली

ईस्ट दिल्ली की जगतपुरी टाइल्स और मार्बल मार्केट, जो आमतौर पर ग्राहकों की भीड़ के लिए जानी जाती है, पिछले दो हफ्तों से सूनी पड़ी है। कारोबारियों के मुताबिक, अहमदाबाद और मोरबी में टाइल्स बनाने वाली करीब 650 फैक्ट्रियों से दिल्ली में सप्लाई होती है लेकिन गैस की कमी के कारण ये फैक्ट्रियां अस्थायी रूप से बंद हो गई हैं। मार्केट असोसिएशन के जनरल सेक्रेटरी सुरेंद्र शर्मा ने बताया कि अहमदाबाद की कुछ फैक्ट्रियां ही सीमित उत्पादन कर रही हैं, जिनका माल एक्सपोर्ट के लिए तय है। इन फैक्ट्रियों के विदेशी कंपनियों के साथ MoU हैं, इसलिए वहां से घरेलू बाजार के लिए सप्लाई नहीं आ रही है।

होलसेल दुकानदार हर्ष भसीन के अनुसार, बंद फैक्ट्रियों के गोदाम में जो पुराना स्टॉक बचा है, वही मांग के अनुसार भेजा जा रहा है। बाजार में नई डिजाइन और वैरायटी की टाइल्स नहीं मिल रही हैं। साथ ही पुरानी टाइल्स की कीमत भी करीब 200 रुपये प्रति पेटी बढ़ गई है। दिल्ली के दुकानदारों के गोदाम धीरे-धीरे खाली हो रहे हैं और मनपसंद माल नहीं मिल रहा है। इससे ग्राहक निराश होकर लौट रहे हैं। लगातार कमी के कारण अब ग्राहकों ने बाजार आना भी काफी हद तक कम कर दिया है।

पलायन रोकने की कवायद

मज़दूरों को इंडक्शन और अडवांस दे रहे

File Photo

Abhishek.Gautam1 @timesofindia.com

■ **नई दिल्ली :** दिल्ली के औद्योगिक इलाकों में इन दिनों दोहरी मार पड़ रही है। एक तरफ गैस सिलिंडर का संकट, दूसरी तरफ कच्चे माल की कमी। नतीजा, कई मैन्युफैक्चरिंग फैक्ट्रियों का काम प्रभावित हो चुका है। सीमित सामान ही तैयार किए जा रहे हैं, जिसकी वजह से मजदूरों के हाथ खाली हैं। छोटी फैक्ट्रियां बंद होने की कगार पर पहुंच गई हैं।

सिलिंडर संकट और कच्चे माल की कमी से बढ़ी दिक्कत

दिल्ली में ओखला, बवाना, मायापुरी समेत कई इंडस्ट्रियल एरिया हैं, जहां लाखों की संख्या में मजदूर फैक्ट्रियों में काम करते हैं। बीते कुछ दिनों से जारी गैस की किल्लत से ये मजदूर प्रभावित हैं। खिलौना कारोबारी राजीव बत्रा बताते हैं कि कच्चे माल की कमी और रेट हाई होने की वजह से फैक्ट्री चलाना मुश्किल हो गया है। सीमित मात्रा में खिलौने ही तैयार हो पा रहे हैं, जिसकी वजह से कई मजदूर खाली बैठने को मजबूर हैं। रोज की कमाई पर निर्भर ये श्रमिक अब अपने गांव लौटने की सोचने लगे हैं। खिलौना मैन्युफैक्चरर गौतम गुप्ता बताते हैं कि फैक्ट्री में काम करने वाले कई मजदूरों को इलेक्ट्रिक चूल्हा खरीदकर दिया है। साथ ही हर प्रकार से मदद करने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि वह गांव न जाएं।

दिल्ली मैन्युफैक्चरर असोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. अनिल गुप्ता बताते हैं कि कच्चे माल की कमी और महंगाई ने स्थिति को और बिगाड़ दिया है। हम मजदूरों को जाने नहीं देना चाहते। वही हमारी ताकत हैं। इसलिए उन्हें अडवांस दे रहे हैं और रहने-खाने का इंतजाम भी कर रहे हैं।

जमीनी हकीकत

ग्रामीण इलाकों में PNG का काम है अधूरा

■ राजेश पोद्दार, नई दिल्ली

करीब डेढ़ साल पहले एलजी ने ग्रामीण इलाकों में पीएनजी पाइपलाइन बिछाने का काम शुरू कराया था, लेकिन अभी तक यह पूरी तरह से जमीन पर उतरा नहीं है। कई इलाकों में पाइपलाइन तो बिछा दी गई है, लेकिन घरों में कनेक्शन नहीं दिए गए हैं। जबकि कुछ जगहों पर सिर्फ औपचारिकता पूरी कर काम अधूरा छोड़ दिया गया है।

कई इलाकों में लाइनें बिछी पर घरों तक नहीं कनेक्शन

बख्तावरपुर क्षेत्र के हिरणकी गांव के ग्रामीणों का कहना है कि डेढ़ साल पहले गलियों में पाइपलाइन डाली गई थी, लेकिन उस समय कुछ गिने चुने घरों में ही कनेक्शन मिला। अब जाकर कुछ घरों में कनेक्शन दिए जाने की शुरुआत हुई है। स्थानीय निवासी और आरडब्ल्यूए से दुष्यंत सैन ने बताया कि मुताबिक कई गलियों में अब भी पाइपलाइन नहीं पहुंची है, लेकिन हाल ही में काम में थोड़ी तेजी जरूर आई है। वहीं, समयपुर बादली इलाके के हितेश शर्मा बताते हैं कि उनके क्षेत्र में सालों पहले पाइपलाइन बिछाई गई थी, लेकिन अभी भी केवल 40 से 50 प्रतिशत घरों तक ही कनेक्शन पहुंचा है।

मुंगेशपुर के प्रवीण राणा का कहना है कि गांव में पाइपलाइन बिछाने का काम लगभग पूरा हो चुका है, लेकिन कुछ हिस्सों में काम अब भी अधूरा है।

रेस क्लब और जयपुर पोलो ग्राउंड को खाली कराने पर लगी रोक

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली :** दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली रेस क्लब और इंडियन पोलो असोसिएशन (IPA) को उनके ऐतिहासिक परिसर से खाली कराने पर रोक लगा दी है।

जस्टिस मिनी पुष्करणा ने 25 मार्च को दो अलग-अलग आदेश देते हुए, केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय को कमाल अतातुर्क मार्ग और जयपुर पोलो ग्राउंड पर स्थित जगहों का 'जबरदस्ती कब्जा' लेने से रोक दिया है। हाई कोर्ट ने आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय से जवाब मांगा है। दोनों मामलों की अगली सुनवाई 9 अप्रैल को होगी। तब तक सरकार को 12 मार्च के नोटिसों के आधार पर किसी भी संगठन को उसकी जगह से हटाने से रोक दिया गया है।

कोर्ट का यह आदेश केंद्र सरकार के 12 मार्च, 2026 को जारी किए गए एविक्शन नोटिस यानी जगह खाली कराने के नोटिस के बाद आया है। जस्टिस पुष्करणा ने आदेश दिया कि इन संगठनों के पक्ष में पहली नजर में एक मामला बनता है, और यह भी कहा कि अगर अंतरिम राहत नहीं दी गई तो ऐसा नुकसान होगा जिसकी भरपाई करना मुश्किल होगा।

दिल्ली रेस क्लब के तर्क: दिल्ली रेस क्लब 1926 से अपने 53.242 एकड़ के परिसर पर काबिज है। क्लब की ओर से पेश होते हुए, सीनियर एडवोकेट सुहैल दत्त ने तर्क दिया कि यह संस्था कानूनी रूप से काबिज है और उसने लगातार जमीन का किराया चुकाया है। क्लब का आगे यह भी कहना है कि 'प्रॉपर्टी ट्रांसफर एक्ट' की धारा 116 के तहत, वह एक होल्डिंग ओवर (किराया देते हुए काबिज) किराएदार का दर्जा रखता है, जिससे खाली कराने का यह संक्षिप्त नोटिस अवैध हो जाता है।

इंडियन पोलो असोसिएशन का पक्ष: जयपुर पोलो ग्राउंड से जुड़ी एक समानांतर याचिका में, IPA—जिसका प्रतिनिधित्व सीनियर एडवोकेट राजीव नायर कर रहे थे, ने जोर देकर कहा कि वह चार दशकों से भी ज्यादा समय से इस मैदान पर लगातार काबिज है। इसके अलावा, असोसिएशन ने कहा कि उसने मार्च 2030 तक के लीज का भुगतान पहले ही पूरा कर लिया है।

दो महीने बंद रहेंगे दिल्ली कैंट स्टेशन के प्लैटफॉर्म 4 और 5

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली :** दिल्ली डिविजन के दिल्ली कैंट स्टेशन के कायाकल्प (अपग्रेडेशन) का काम शुरू होने जा रहा है। इसके चलते स्टेशन के प्लैटफॉर्म नंबर 4 और 5 (लाइन नंबर 7 और 8) पर 60 दिनों का बिजली और ट्रैफिक ब्लॉक रहेगा। जिससे कई ट्रेनों के प्लैटफॉर्म में बदलाव किए जाएंगे। रेलवे के अनुसार, इस ब्लॉक की वजह से जोधपुर, बीकानेर और बठिंडा की ओर जाने वाली महत्वपूर्ण ट्रेनों के प्लैटफॉर्म में बदलाव किया गया है। यह ब्लॉक 1 अप्रैल से 30 मई तक प्रभावी रहेगा। इस दौरान कई ट्रेनें प्लैटफॉर्म नंबर 4 या 5 के बजाय प्लैटफॉर्म नंबर 3 पर हैंडल की जाएंगी।

Apollo Athenaa
WOMEN'S CANCER CENTRES
Asia's 1st Dedicated Cancer Centre for Women

विज्ञान और संवेदनशीलता के साथ
महिलाओं के कैंसर उपचार में नई दिशा

अपोलो अथीना **डॉ. रूपिंदर सेखों** और **डॉ. अमिता नैथानी** का मल्टीडिसिप्लिनरी गायिनी-ऑन्कोलॉजी टीम के साथ हार्दिक स्वागत करता है।

गायिनी-ऑन्कोलॉजी में संपूर्ण देखभाल:
ओवरी, यूटेरस (गर्भाशय) और सर्विक्स के कैंसर के साथ अन्य महिला कैंसर का इलाज
मल्टीडिसिप्लिनरी (विभिन्न विशेषज्ञों की) टीम द्वारा मिलकर ट्रीटमेंट प्लान बनाना
एडवांस्ड, मिनिमली इनवेसिव और रोबोटिक सर्जरी
एडवांस और दोबारा होने वाले कैंसर के लिए HIPEC और PIPAC जैसी तकनीकें
मरीज़ की ज़रूरत के अनुसार टारगेटेड और सटीक इलाज
महिलाओं के लिए समर्पित इमर्जिंग सेंटर
इलाज के बाद की देखभाल और फर्टिलिटी (मातृत्व) को ध्यान में रखकर उपचार

एशिया का पहला समर्पित महिला कैंसर सेंटर, अथीना एक खास सोच के साथ बनाया गया है—जहां यह समझा जाता है कि कैंसर महिलाओं को अलग तरीके से प्रभावित करता है।

यहां हर मरीज़ के लिए इलाज उनकी ज़रूरत के अनुसार तय किया जाता है। देशभर में अपोलो के कैंसर नेटवर्क और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के ज़रिये हर मरीज को विश्वस्तरीय उपचार मिलता है।

हम "टेंडर लविंग केयर" के माध्यम से मरीज को उपचार के साथ-साथ सम्पूर्ण और संवेदनशील सहयोग देते हैं।

हम सिर्फ कैंसर का इलाज नहीं करते,
हम उस महिला की पूरी देखभाल करते हैं जो इससे गुज़र रही है।

अपॉइंटमेंट बुक करने के लिए कॉल करें
1800-202-2323

अपोलो अथीना वूमेन्स कैंसर सेंटर, ई-2, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली - 110 024
ईमेल: athenaa@apollohospitals.com | www.apolloathenaa.com

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 28-03-2026 Zone: Faridabad Edition: 1 Page: NBTFRP4 User: cci Time: 03-27-2026 22:21 Color:

पोर्टल फ्लाईओवर से कम होगा जाम

पुश्ता रोड पर बनेगा 6 KM लंबा फ्लाईओवर

Sudama.Yadav
@timesofindia.com

■ नानकसर गुरुद्वारा से ट्रोनिका सिटी तक सिग्नल फ्री होगा पूरा स्ट्रेच

■ फ्लड प्लेन, प्राइवेट प्रॉपर्टी और पेड़ों के कारण निर्माण में बड़ी चुनौती

■ नई दिल्ली: वजीराबाद रोड स्थित नानकसर गुरुद्वारा से ट्रोनिका सिटी तक सोनिया विहार पुश्ता रोड को जाम फ्री करने के लिए करीब 6 किमी लंबा पोर्टल फ्लाईओवर बनाने की योजना तैयार की जा रही है। पूर्वी दिल्ली के इस व्यस्त रोड पर फ्लाईओवर निर्माण के लिए एक प्राइवेट एजेंसी से फिजिबिलिटी स्टडी कराई जा रही है। प्रस्तावित फ्लाईओवर की चौड़ाई करीब 4 लेन होगी। योजना इस तरह बनाई जा रही है कि मौजूदा ट्रैफिक फ्लो पर निर्माण के दौरान कोई असर न पड़े।

पोर्टल फ्लाईओवर ही बेहतर ऑप्शन: PWD अधिकारियों के अनुसार, सोनिया विहार पुश्ता रोड पर फ्लाईओवर बनाने में कई चुनौतियां हैं। रोड की चौड़ाई कम है और यह सिंगल लेन होने के कारण सुबह-शाम पीक आवर में यहां भारी जाम लगता है। पहले सिंगल पिलर फ्लाईओवर बनाने का प्लान था लेकिन इससे नीचे ट्रैफिक के लिए पर्याप्त जगह नहीं बचती। इसलिए अब पोर्टल फ्लाईओवर बनाने की योजना है।

प्रस्तावित फ्लाईओवर की चौड़ाई करीब 4 लेन होगी

निर्माण में कई चुनौतियां: पोर्टल फ्लाईओवर बनाने में भी दिक्कतें हैं। इसमें रोड के दोनों तरफ पिलर बनाने पड़ते हैं, जबकि यहां पर्याप्त जगह नहीं है। एक तरफ फ्लड प्लेन एरिया है, जहां करीब 300 मीटर तक किसी भी तरह के कंस्ट्रक्शन पर रोक है। दूसरी तरफ प्राइवेट प्रॉपर्टी है, जिनका अधिग्रहण मुश्किल है। इसके अलावा रोड के दोनों तरफ करीब 9 से 10 हजार बड़े पेड़ भी मौजूद हैं, जो निर्माण में बड़ी बाधा हैं।

दिल्ली से यूपी बॉर्डर तक सिग्नल फ्री: इस फ्लाईओवर के बनने के बाद वजीराबाद रोड के पास नानकसर गुरुद्वारा से लेकर ट्रोनिका सिटी (यूपी बॉर्डर) तक करीब 6 किमी का पूरा रास्ता सिग्नल फ्री हो जाएगा। इससे सोनिया विहार पुश्ता-1, श्रीराम कॉलोनी, चौथा पुश्ता, सोनिया विहार एक्सटेंशन, सभापुर, चौहान पट्टी समेत आसपास के इलाकों के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

घंटा घर से रानी झांसी रोड फ्लाईओवर भी मेट्रो के जिम्मे

Sudama.Yadav
@timesofindia.com

नई दिल्ली: आजादपुर चौक से रानी झांसी रोड फ्लाईओवर तक जीटी करनाल रोड को जाम फ्री करने का प्लान है। इस प्लान के तहत घंटा घर से रानी झांसी रोड तक प्रस्तावित फ्लाईओवर निर्माण भी अब मेट्रो के हवाले कर दिया गया है। जीटी करनाल रोड के करीब 5.37 किमी लंबे स्ट्रेच में दो चरणों में फ्लाईओवर का निर्माण करना है। पहले फेज में मेट्रो फेज-4 के साथ ही डबल डेकर फ्लाईओवर निर्माण किया जा रहा है। इस फेज में निर्माण का काम पहले से ही मेट्रो के पास है। जीटी करनाल रोड से घंटा घर तक का स्ट्रेच में चार लेन चौड़ा 670 मीटर लंबा फ्लाईओवर निर्माण PWD को करना था।

आउटर रिंग रोड से जाएगा जाम फ्री: PWD अफसरों के अनुसार, आउटर रिंग रोड के बीच से जीटी करनाल रोड निकलता है, जो नॉर्थ दिल्ली के आजादपुर से होते हुए अशोक विहार, मॉडल टाउन, देराबल नगर, कल्याण विहार, संगम पार्क, राणा प्रताप बाग, रूप नगर, शक्ति नगर होते हुए पुरानी दिल्ली के रानी झांसी रोड फ्लाईओवर को कनेक्ट करता है। इन इलाकों में आने वाले ट्रैफिक जीटी करनाल रोड पर डाइवर्ट करने के लिए मेट्रो के साथ मिलकर जीटी करनाल रोड के 5.37 किमी लंबे स्ट्रेच को डिकंजेस्ट करने का प्लान बनाया गया। इस प्लान के तहत आजादपुर चौक से त्रिलोचन गेट तक करीब 2.16 किमी लंबा डबल डेकर फ्लाईओवर और घंटाघर से रानी झांसी रोड फ्लाईओवर के बीच 670 मीटर लंबा सिंगल पिलर फ्लाईओवर निर्माण का प्लान बनाया गया। दूसरे फेज में फ्लाईओवर निर्माण कार्य पीडब्ल्यूडी को करना था। लेकिन, दिल्ली सरकार ने अब यह भी मेट्रो को ही सौंप दिया है।

फ्लाईओवर की लंबाई करीब 670 मीटर

चिड़ियाघर में गर्मी से बचाव के लिए जानवरों पर फाउंटेन की ठंडी बौछार

राम त्रिपाठी, चिड़ियाघर

■ **इस बार** गर्मी में चिड़ियाघर में रह रहे देसी और विदेशी पक्षी पहली बार फाउंटेन की ठंडी बौछारों का आनंद लेते हुए दिखाई देंगे। साथ ही गर्मी से उन्हें राहत देने के लिए पिंजड़ों में एग्जॉस्ट फैन लगाए जा रहे हैं। चिड़ियाघर की 72 बीटों में रह रहे करीब 1250 वन्यजीवों को गर्मी से बचाने के लिए विशेष इंतजाम जू प्रशासन कर रहा है। वहीं, इनका डाइट प्लान भी बदला गया है। इससे गर्मी में बीमारियों से लड़ने में उनकी इम्युनिटी बढ़ेगी।

जानवरों को गर्मी से बचाने के लिए किए जा रहे हैं खास इंतजाम

चिड़ियाघर के डायरेक्टर डॉ. संजीत कुमार ने बताया कि शाकाहारी जीवों को मौसमी फलों के साथ वॉटर कॉन्टेंट वाली चीजें दी जाएगी। 1 अप्रैल से पूरी व्यवस्था शुरू हो जाएगी। सर्दियों में दिए जाने वाले आंवले की खुराक बंद कर दी गई है। हरा चारा खाने वाले हरनी बौर्न (हिरण, मृग, गौर आदि) प्रजाति के वन्यजीवों को बेल फ्रूट भी दिए जाएंगे। यह खाना बंदर, भालू, गैंडा, दरियाई घोड़े को भी मिलेगा। बंदर, भालू, बिलावर आदि को खाने में ब्रेड और दूध दिया जाता है। अब उसकी जगह चावल और दूध दिया जाएगा। मोर, चिड़िया, तोता और फिजेंट प्रजाति के चांदनी मुर्गा, लाल मुर्गा, जंगली मुर्गा आदि को गाजर की जगह खीरा दिया जाएगा। चुकंदर की जगह तरबूज भी खाने में मिलेगा। सर्दियों में इन जीवों को चीकू, अमरूद दिया जाता था। उसकी जगह अब खरबूजा दिया जाएगा।

आईस पैक सिस्टम पहली बार

मांसाहारी वन्यजीवों को दिए जाने वाले मांस की मात्रा में उनके स्वास्थ्य के अनुकूल बदलाव किया जाता रहेगा। इसके लिए मानदंड निर्धारित किए गए हैं। पहली बार मांस रखने के स्टोर में एसी सिस्टम लगाया गया है। मांस रखने के कंटेनरों में बड़ा सुधार किया गया है। उसमें आईस पैक सिस्टम लगाया गया है, ताकि मांस की क्वॉलिटी प्रभावित न हो सके। सांपों को चूजे (मुर्गी के बच्चे) दिए जा रहे हैं।

नए तालाब और झोपड़ी

हिरण, मृग, गैंडा, बौर आदि की बीटों में 2 से अधिक बड़ी झोपड़ी बनाई गई है। इससे वे खुद को तेज धूप से बचाने के लिए झोपड़ी के नीचे आकर राहत ले सकते हैं। विभिन्न प्रजाति के बंदरों के 10 से अधिक बाड़ों में पानी से भरे कुछ तालाब भी हैं। उनकी संख्या को बढ़ाया गया है। बिग कैट प्रजाति के वन्यजीव शेर, टाइगर आदि के लिए गर्मी से बचाव के लिए उनके बाड़ों में बर्फ की सिल्लियां रखी जाएंगी।

प्याज और टमाटर की कीमतों में आई गिरावट

राजेश पोद्दार, नई दिल्ली

आजादपुर मंडी में प्याज 8 से 18 रुपये प्रति किलो में मिल रही है

■ **दिल्ली में** इन दिनों प्याज और टमाटर की कीमतों में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। करीब तीन महीने से प्याज के दाम नरम बने हुए हैं, जिससे आम लोगों को राहत जरूर मिली है, लेकिन किसानों के लिए यह चिंता का विषय बन गया है। राजधानी में प्याज खुदरा बाजार में 25 से 30 रुपये प्रति किलो के भाव से बिक रही है, जबकि थोक बाजार यानी आजादपुर मंडी में इसकी कीमत 8 से 18 रुपये प्रति किलो तक बनी हुई है।

कीमतों में गिरावट की मुख्य वजह महाराष्ट्र, नासिक, मध्य प्रदेश समेत कई राज्यों से प्याज की लगातार बढ़ती आवक और अच्छी पैदावार बताई जा रही है। व्यापारियों के मुताबिक, भले ही मंडियों में कीमत 8 से 18 रुपये किलो है, लेकिन किसानों को खेतों पर मात्र 3 से 5 रुपये प्रति किलो के हिसाब से ही अपनी फसल बेचनी पड़ रही है, जिससे उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। कुछ ऐसा ही हाल टमाटर का भी है। अच्छी पैदावार के चलते दिल्ली में टमाटर भी 25 से 30 रुपये प्रति किलो के आसपास बिक रहा है। आजादपुर के टमाटर व्यापारियों का कहना है कि इस तीनों बाजार में टमाटर का अराइवल अच्छा रहा है, मंडी में डिमांड कम है।

किसानों को नहीं मिल रहा सही दाम, हो रहा नुकसान

प्याज व्यापारी और अनियन ट्रेड असोसिएशन के श्रीकांत मिश्रा ने बताया कि इन दिनों मंडी में रोजाना औसतन 25 से 30 गाड़ियां प्याज की आ रही हैं। नवरात्रि के चलते आवक थोड़ी कम हुई थी, लेकिन अब 40 से 50 गाड़ियां रोजाना पहुंचने लगी हैं। देश के अलग-अलग हिस्सों से बड़ी मात्रा में प्याज आने के कारण कीमतों में नरमी बनी हुई है।

गवाहों को सबक सिखाने के लिए रखे थे हथियार, अरेस्ट

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

साउथ डिस्ट्रिक्ट की महरौली थाना पुलिस ने जमानत पर बाहर आकर गवाहों को ठिकाने लगाने के लिए हथियारों का जखीरा जुटा रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से पिस्टल और चार चाकू और तलवार बरामद की है। पकड़े गए आरोपी की पहचान रोशन के रूप में हुई है। इसके खिलाफ विभिन्न पुलिस थानों में 9 केस दर्ज हैं।

डीसीपी अनंत मित्तल ने बताया कि इंस्पेक्टर रितेश शर्मा की देखरेख में पुलिस टीम को 25 मार्च को सूचना मिली कि जमानत पर छूटा एक बदमाश गवाहों को निशाना बनाने की योजना बना रहा है। इसके लिए वह अपने पास हथियार जमा कर रहा है। सूचना को पुख्ता कर पुलिस टीम ने एमबी रोड पर अंधेरिया मोड़ के पास ट्रैप लगाकर आरोपी को दबोचा। तलाशी में इसके कब्जे से पिस्टल बरामद हुई। पुलिस टीम ने रोशन की निशानदेही पर छतरपुर स्थित इसके ठिकाने पर छापा मारा तो वहां से चार चाकू और तलवार बरामद हुई। जांच में पता चला रोशन एक आदतन अपराधी है। वर्तमान में वह जमानत पर बाहर है। आरोपी के खिलाफ हत्या, लूट, स्नैचिंग और आर्म्स एक्ट के 9 मामले अलग-अलग थानों में दर्ज हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शुरुआती जांच में पता चला रोशन एक आदतन अपराधी है

श्मशान घाटों से होने वाले प्रदूषण को बांस से कंट्रोल करेगी MCD

Rajesh.Saroha
@timesofindia.com

■ **श्मशान घाटों** पर शव जलाने से होने वाले पल्यूशन को कंट्रोल करने के लिए एमसीडी ने श्मशान घाटों के आसपास बांस के पौधे लगाने का फैसला लिया है। इस फैसले पर अमल करने के लिए हेड ऑफिस से सभी जोनल डिप्टी हेल्थ ऑफिसर (डीएचओ) को रिपोर्ट तैयार करने के लिए कहा गया है। इसके बाद यह रिपोर्ट उद्यान विभाग को सौंपी जाएगी। बैम्बू प्लांटेशन पर खर्च होने वाली रकम पब्लिक हेल्थ विभाग देगा।

एलजी ने एमसीडी को पल्यूशन कंट्रोल करने के लिए जल्द से जल्द ठोस कदम उठाने के लिए कहा है। इस योजना के तहत रोहिणी सेक्टर 26, सराय काले खां, हस्तसाल, पंजाबी बाग, द्वारका सेक्टर 24, लोधी रोड, ग्रीन पार्क और दक्षिणपुरी सहित 36-40 श्मशान घाटों के आसपास बांस के पौधे लगाए जाएंगे। डीएचओ को अपने जोन के तहत आने वाले ऐसे श्मशान घाटों की पहचान करनी होगी, जहां पर हर दिन बाकी श्मशान घाटों के मुकाबले अधिक दाह संस्कार होते हैं। इसके साथ-साथ उन्हें ध्यान रखना होगा कि श्मशान घाट के आसपास पौधे लगाने के लिए जगह भी होनी चाहिए। उद्यान विभाग का कहना है कि यह काम अगले फाइनेंशल ईयर में ही पूरा हो पाएगा।

श्मशान घाटों के आसपास बैम्बू प्लांटेशन की बनाई योजना

इसमें बांस की क्या भूमिका?

NBT Lens खबरों के अंदर की बात

ज्यादातर श्मशान घाटों पर लकड़ी के माध्यम से शवों का दाह संस्कार किया जाता है। इससे बहुत अधिक वायु प्रदूषण होता है। इसी कंट्रोल करने के लिए ही पब्लिक हेल्थ विभाग ने बैम्बू प्लांटेशन की योजना बनाई है। एक्सपर्ट का कहना है कि बांस किसी भी पेड़ पौधे के मुकाबले न केवल 35 पर्सेंट अधिक पल्यूशन सोखता है, बल्कि 35 पर्सेंट अधिक ऑक्सीजन रिलीज करता है। बांस को ज्यादा देखभाल की भी जरूरत नहीं होती। यह बहुत तेजी से फैलने वाला पौधा है।

दोस्त के साथ मिलकर पति पर किया जानलेवा हमला, आरोपी गिरफ्तार

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

■ आरोपियों की पहचान पटेल नगर निवासी लक्ष्मी (24) और बलजीत नगर निवासी करण (22) के रूप में हुई है

■ घायल पीड़ित का आरएमएल अस्पताल में इलाज चल रहा है

पटेल नगर में एक महिला पर अपने कथित दोस्त के साथ मिलकर पति पर जानलेवा हमला करने का आरोप लगा है। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पटेल नगर निवासी लक्ष्मी (24) और बलजीत नगर निवासी करण (22) के रूप में हुई है। वारदात में इस्तेमाल चाकू भी बरामद कर लिया गया है। घायल पीड़ित का आरएमएल अस्पताल में इलाज चल रहा है।

आर्थिक और व्यक्तिगत विवाद के चलते पति से संबंध बिगड़ रहे थे

सेंट्रल जिले के डीसीपी रोहित राजबीर सिंह ने बताया कि 24 मार्च को पटेल नगर पुलिस को आरएमएल अस्पताल से चाकूबाजी की सूचना मिली थी। पुलिस वाले अस्पताल पहुंचे। पीड़ित की पत्नी लक्ष्मी से पूछताछ की गई तो उसने बताया कि उनके पति सामान लेने बाहर गए थे। रास्ते में पड़ने वाले पार्क में 2-3 अज्ञात व्यक्तियों ने चाकू से हमला कर दिया। पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। घटनास्थल और शिकायतकर्ता के घर के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की गई, जिसमें शिकायतकर्ता के बयान में कई विरोधाभास पाए गए। पूछताछ के दौरान यह सामने आया कि लक्ष्मी ने अपने कथित दोस्त करण के साथ मिलकर अपने ही पति पर हमले की साजिश रची थी। दोनों ने घर के अंदर ही वारदात को अंजाम दिया और बाद में पुलिस को गुमराह करने के लिए झूठी कहानी रची।

इसके बाद 25 मार्च की रात शादीपुर फ्लाईओवर के नीचे से पुलिस ने करण को गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद लक्ष्मी को भी अरेस्ट किया गया। करण ने बताया कि वह लक्ष्मी को पिछले 3 साल से जानता है। वहीं, शादी के बाद आर्थिक और व्यक्तिगत विवाद के चलते लक्ष्मी के पति से संबंध बिगड़ रहे थे। ऐसे में लक्ष्मी ने पति को रास्ते से हटाने की साजिश रची और करण से संपर्क किया।

घटना वाले दिन लक्ष्मी ने करण को घर बुलाया। करण चाकू लेकर पहुंचा, जहां बहस के दौरान उसने पीड़ित पर कई वार कर दिए और मौके से फरार हो गया।

दिल्ली की खबरों के लिए एक्स पर फॉलो करें
@NBTDilli

ईंटों से किया गया था हमला

घायल शख्स की सात दिन बाद मौत, हंगामा

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

करावल नगर इलाके में पड़ोसियों के विवाद ने एक खौफनाक मोड़ ले लिया। यहां के प्रेम विहार में 20 मार्च को दूसरी मंजिल से ईंटों से किए गए हमले में गंभीर रूप से घायल 37 वर्षीय राजकुमार ने 26 मार्च को अस्पताल में दम तोड़ दिया। मौत की खबर मिलते ही परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा और शुक्रवार को सैकड़ों लोगों ने बीजेपी के स्थानीय विधायक के ऑफिस के बाहर शव रखकर विरोध प्रदर्शन किया।

क्या है पूरा मामला?

पुलिस के अनुसार, राजकुमार अपने परिवार के साथ गली नंबर-9, प्रेम विहार में रहते थे। उनके परिवार में पत्नी ज्योति के अलावा 17 साल का बेटा कृष्णा और 16 साल की बेटी छाया है। राजकुमार की पत्नी ज्योति ने बताया कि 20 मार्च की रात वह पड़ोस में आयोजित माता की चौकी में गई हुई थीं। रात करीब 10:30 बजे उनकी बेटी ने फोन कर जानकारी दी कि पड़ोसी सुरेश उनके पिता के साथ झगड़ा कर रहा है। उन्होंने देखा कि आरोपी सुरेश अपनी मकान की दूसरी मंजिल से राजकुमार पर ईंट बरसा रहा था। बीच-बचाव करने पर आरोपी ने ज्योति पर भी हमला किया, जिससे उन्हें भी चोटें आईं। हालांकि, राजकुमार के सिर पर ईंट से ज्यादा चोट लगने के कारण वह लहूलुहान होकर गिर पड़े। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। सात दिनों तक मौत से लड़ने के बाद 26 मार्च को राजकुमार की मौत हो गई।

गिरफ्तारी न होने से गुस्सा

27 मार्च को मृतक के परिजन और आसपास के लोग शव लेकर स्थानीय विधायक के कार्यालय के बाहर धरने पर बैठ गए।

गैंगवॉर में मर्डर करने वाले टिल्लू गैंग के तीन शूटरों को पकड़ा

19 मार्च को गोगी गैंग के मेंबर रवि की हुई थी हत्या

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

शुक्रवार तड़के टिल्लू गैंग के दो मेंबरों को एनकाउंटर में लगी गोली

बवाना स्थित हरेवली गांव में 19 मार्च को हुए मर्डर को क्राइम ब्रांच ने सुलझा लिया है। शुक्रवार तड़के टिल्लू गैंग के एक नाबालिग समेत दो मेंबरों को एनकाउंटर में गोली मारी। बालिग की पहचान हरियाणा के झज्जर के कुणाल उर्फ शंटी (23) के तौर पर हुई है। इनसे दो पिस्टल, सात कारतूस, आठ खोल और चोरी का स्कूटर रिकवर हुए। जॉइंट सीपी (क्राइम) सुरेंद्र कुमार के मुताबिक, रेकी करने वाले हरेवली के चैतन्य (22) को पहले ही अरेस्ट कर लिया गया था। मृतक रवि भारद्वाज का संबंध गोगी गैंग से था, इसलिए हत्या की गई थी।

आरोपियों से दो पिस्टल, 7 कारतूस, और स्कूटर बरामद

डीसीपी (क्राइम) संजीव कुमार यादव के मुताबिक, हत्या में पांच हमलावर थे, जिनकी फायरिंग में रवि, उसके पिता और एक आठ साल के भांजे के अलावा एक पड़ोसी को भी गोली लगी। जांच में खुलासा हुआ कि यह गैंगवॉर का मामला है, जिसे टिल्लू ताजपुरिया गिरोह ने अंजाम दिया है। दरअसल मृतक रवि का संबंध गोगी गैंग के दीपक तीतर से था। विदेश में बैठे टिल्लू गैंग के दीपक पाकस्मा और पिछले महीने परोल जंप कर फरार हुए हिम्मत उर्फ चीकू ने रवि की हत्या की साजिश रची।

एसीपी संजय नागपाल की देखरेख में बनी इंस्पेक्टर मान सिंह और सुंदर गौतम की टीम ने हरेवली गांव के चैतन्य को पकड़ा, जिससे खुलासा हुआ कि वो शूटरों के टच में था। इसी ने उन्हें रवि की लोकेशन और मूवमेंट की जानकारी दी। वह गैंगस्टर नवीन उर्फ बाली के करीबी तरुण उर्फ टोरी के निर्देश पर काम कर रहा था। टोरी ने इसे शूटर कुणाल से परिचय करवाया। रवि की सारी जानकारी विदेश से ऑपरेट कर रहे दीपक पाकस्मा तक पहुंची। चैतन्य ने ही शूटरों को हत्या के दिन घर दिखाया।

पूछताछ में चैतन्य ने बदमाशों की पहचान कुणाल, अभिषेक, आकाश उर्फ बिट्टू, अनिल उर्फ गोगी और नाबालिग के रूप में की। क्राइम ब्रांच ने 26 मार्च देर रात रोहिणी सेक्टर-28 में कुणाल और नाबालिग को रोका तो दोनों ने फायरिंग कर दी। जवाबी गोलीबारी में दोनों के पैरों में गोली लगी। पुलिस का दावा है कि एसीपी संजय नागपाल और हेड कॉन्स्टेबल रोहित के बुलटप्रूफ जैकेट में भी गोलियां लगीं।

TIMES TRIBUTE
PAYING HOMAGE TO THE DEPARTED SOUL
To book your ad | Logon to: ads.timesofindia.com or Call: 18001205474 (Toll Free) Scan QR Code

"HONOUR. COURAGE. BRAVERY. Three words that you taught us. Three words that help us cope with your loss".

The silent joy of remembering a loved one.
The moments you shared together.
Little moments that make life beautiful.
Share them. With Friends. Relatives. Neighbours. Colleagues. With all those whose lives the departed Soul has touched. Because while life goes on, when you share memories, they stay on forever.

Publications	Total Outlay
The Times of India Delhi/NCR	5,600
TOI+NBT (Delhi/NCR)	8,800
TOI+ET (Delhi/NCR)	6,600

Maximum 30 lines

REMEMBRANCE
SHARING MEMORIES
For any information call
Vinod : 9958992088
Pankaj : 8130604727

TIMES TRIBUTES
RATE CARD

Publications	Rates per sq. cms
TOID Capital + NBT (Delhi+NCR)	1295
TOID Full Run ## + NBT (Delhi+NCR)	1360
THE TIMES OF INDIA (Delhi+NCR)	780
THE TIMES OF INDIA (Delhi) Full Run##	900
NAVBHARAT TIMES (Delhi+NCR)	595
THE ECONOMIC TIMES (Delhi+NCR)	715
SANDHYA TIMES (Delhi)	100

Rates effective 5th June 2019

▸ *Placement on specified obit pages only. ▸ This rate benefit is extended up till the size of 320 sq. cm only. ▸ ## Full run includes Delhi City + NCR (Including Gurgaon + Noida) + Chandigarh + Western U.P. + Uttarakhand ▸ TOI Capital (Delhi & NCR) Includes TOI Gurgaon & TOI Noida.

To place an Obituary announcement or Remembrance message please call
Vinod: 9958992088
Pankaj : 8130604727

दिल्ली दंगो में कपिल मिश्रा के खिलाफ शिकायत पर सबूत पेश करने का निर्देश

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** राउज एवेन्यू कोर्ट की एक मैजिस्ट्रेट अदालत ने शुक्रवार को कहा कि वह दिल्ली दंगों से जुड़ी एक शिकायत पर साक्ष्य दर्ज करने की कार्यवाही 8 अप्रैल को करेगी। यह वही शिकायत है जिसमें बीजेपी विधायक (मौजूदा मंत्री) कपिल मिश्रा और अन्य लोगों के खिलाफ फरवरी 2020 के सांप्रदायिक दंगों से जुड़ी एक घटना के संबंध में एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई। शिकायत पर सीधे पुलिस को ऐसा आदेश देने से अदालत ने बीते 13 मार्च को इनकार कर दिया था।

कपिल मिश्रा और बाकियों के खिलाफ FIR दर्ज करने की मांग की गई थी

अडिशनल चीफ ज्यूडिशियल मैजिस्ट्रेट अश्विनी पंवार ने वकीलों के अनुरोध पर सुनवाई आगे के लिए स्थगित कर दी। केस मोहम्मद इलियास की 23 फरवरी, 2020 की एक घटना से जुड़े आरोपों से संबंधित है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि कपिल मिश्रा और उनके साथी कर्दमपुरी पहुंचे, जहां उन्होंने कथित तौर पर पुलिस अधिकारियों की मिलीभगत से कई रेहड़ियों को तोड़ दिया। हालांकि, अदालत ने तुरंत एफआईआर दर्ज करने का आदेश देने से इनकार कर दिया, लेकिन उसने याचिका को एक औपचारिक शिकायत के रूप में माना है।

हिरासत में एक्टिविस्ट से साथ टॉर्चर के आरोपों से पुलिस का इनकार

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को दिल्ली हाई कोर्ट को बताया कि कई छात्रों और एक्टिविस्ट से हाल ही में की गई पूछताछ, एक लापता महिला के मामले और कथित माओवादी/नक्सलवादी विचारधाराओं की जांच का एक कानूनी हिस्सा थी। पुलिस ने अपहरण, टॉर्चर और यौन उत्पीड़न के आरोपों से सख्ती से इनकार किया और उन्हें झूठा, मनगढ़ंत और बिना कोई ठोस सबूत वाला बताया। अगली सुनवाई 23 अप्रैल को होगी।

पुलिस के हलफनामे के मुताबिक, जांच जुलाई 2025 में एक लापता महिला के बारे में मिली शिकायत से शुरू हुई। आरोप था कि महिला का ब्रेनवॉश किया गया था या उसे नक्सलवादी विचारधाराओं से जुड़े लोगों ने गुमराह किया था। पुलिस ने कई संगठनों, जैसे भगत सिंह छात्र एकता मंच (BSCEM) और फोरम अगेंस्ट कॉर्पोरेटाइजेशन एंड मिलिटराइजेशन (FACAM) की पहचान इन गतिविधियों के मंच के रूप में की। इसके बाद भारतीय न्याय संहिता (BNS) के तहत गलत तरीके से हिरासत में रखने और आपराधिक साजिश रचने के आरोप में एक एफआईआर दर्ज की। पुलिस ने कहा कि 5 लोगों को पूछताछ के लिए बुलाया था और उसी दिन रिहा कर दिया गया।

स्मार्ट पुलिसिंग के लिए C-DOT से समझौता

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** दिल्ली पुलिस ने तकनीक आधारित पुलिसिंग को मजबूत बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए सेंटर फॉर डिवेलपमेंट ऑफ टेलिमैटिक्स (C-DOT) के साथ एक अहम समझौता (MoU) किया है। इसका मकसद स्वदेशी और सुरक्षित टेक्निक के जरिए पुलिस की कार्यक्षमता, संचार व्यवस्था, साइबर सुरक्षा और इमरजेंसी रिस्पॉन्स को आधुनिक बनाना है। पुलिस कमिश्नर सतीश गोलछा और C-DOT के CEO डॉ. राज कुमार उपाध्याय ने इस साझेदारी को स्मार्ट पुलिसिंग के लिए मील का पत्थर करार दिया। स्पेशल सीपी (क्राइम) देवेश चंद्र श्रीवास्तव के मुताबिक, इससे दिल्ली पुलिस को कई अत्याधुनिक डिजिटल टूल्स मिलेंगे।

दिल्ली पुलिस को मिलेंगे कई मॉडर्न टूल्स

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 28-03-2026 Zone: Gurgaon Edition: 1 Page: NBTGRP5 User: kshitish.misra@timesofindia.co Time: 03-27-2026 21:59 Color:

फटाफट खबरें

SUV की ट्रैक्टर-ट्रॉली से भिड़ंत, दो की मौत

■ NBT न्यूज, हिसार: हांसी में हिसार-हांसी बाईपास पर गुरुवार देर रात एक तेज रफ्तार SUV की ट्रैक्टर-ट्रॉली से जोरदार टक्कर हो गई। दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों की पहचान महावीर और मनोज के रूप में हुई है। पांचों दोस्त भिवानी में शादी समारोह से लौट रहे थे।

बस-बाइक की टक्कर में मौत, दूसरा बचा

■ NBT न्यूज, पानीपत: पानीपत में गुरुवार की रात तेज रफ्तार प्राइवेट बस ने मोटरसाइकिल को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे बाइक चला रहे युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में युवक का भाई बाल-बाल बच गया। युवक अपने भाई के साथ भंडारे का काम निपटाकर घर वापस लौट रहा था।

पूर्व MP जंगबीर सिंह का गुड़गांव में निधन

■ NBT न्यूज, भिवानी: भिवानी सीट से लोकसभा सांसद रहे चौधरी जंगबीर सिंह का शुक्रवार को लंबी बीमारी के चलते निधन हो गया। जंगबीर सिंह ने शुक्रवार को गुड़गांव के मेदांता अस्पताल में अंतिम सांस ली।

जींद : नहीं मिला सिलिंडर, परेशान बाशिंदों ने सड़क पर लगाया जाम

■ NBT न्यूज, जींद

गैस सिलिंडर की मारामारी से नाराज लोगों ने सड़क पर जाम लगाया। पुलिस ने संभालने में काफी मशक्कत की

गैस सिलिंडर की मारामारी के चलते शुक्रवार को नाराज उपभोक्ताओं ने गोहाना रोड पर जाम लगा दिया। उपभोक्ताओं को कहना था कि वह सुबह से लाइन में लगे हैं, उन्हें गैस सिलिंडर नहीं मिल रहे हैं। जिनको मिले, वे दूसरी कंपनी के हैं। जाम लगने की सूचना पाकर सिविल लाइन थाना प्रभारी मौके पर पहुंच गई और गैस एजेंसी मैनेजर के साथ बातचीत कर उपभोक्ताओं को शांत किया। जाम के कारण वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

देवीलाल ग्राउंड में पारस गैस एजेंसी उपभोक्ताओं का शुक्रवार की दोपहर को उस समय गुस्सा फूट पड़ा, जब एजेंसी ने भारत गैस की जगह एचपी के सिलिंडर देने शुरू कर दिए। खफा उपभोक्ता शहीद स्मारक के सामने गोहाना रोड पर आ गए और जाम लगा दिया। उपभोक्ताओं का कहना था कि सिलिंडर की काफी किल्लत हो गई है, जिससे आगे चलकर उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ेगा। गैस सिलिंडर लेने के लिए वे गुरुवार की सुबह तीन बजे से लाइन में लगे हैं। करीब 150 से ज्यादा उपभोक्ताओं की लाइन देखी गई। जबकि गैस सिलिंडर तीस पहुंचे हैं। कुछ लोगों ने बताया कि उनकी पर्ची एक दिन पहले की कटी हुई है। अब जो गैस सिलिंडर आए थे वे दूसरी एजेंसी को बचे दिए, जिसके चलते उन्हें फिर शनिवार को आना पड़ेगा। गैस सिलिंडर लेने के लिए उन्हें हर दिन सुबह पहुंचना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि उन्हें भारत गैस की डिलीवरी दी जाए। जितनी पर्ची काटी गई हैं, उन सभी को गैस सिलिंडर दिए जाएं।

- उपभोक्ताओं का गुस्सा फूट पड़ा, जब एजेंसी ने भारत गैस की जगह एचपी के सिलिंडर देने शुरू कर दिए।
- पुलिस ने मौके पर आकर एजेंसी मालिकों से बातचीत की।

जाम लगने की सूचना पाकर सिविल लाइन थाना प्रभारी पूजा मौके पर पहुंचीं। गैस एजेंसी मैनेजर के साथ बातचीत कर उपभोक्ताओं को शांत करवाया और जाम खुलवाया। सिविल लाइन थाना प्रभारी पूजा ने कहा कि सिलिंडर की कोई कमी नहीं है। घबराहट में बुकिंग न कराएं।

कई पंपों पर 'पेट्रोल नहीं है' का बोर्ड

■ NBT न्यूज, हिसार: पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध का असर अब आम जनता पर भी होने लगा है। पहले गैस सिलिंडर के लिए लोगों में मारामारी थी। अब पेट्रोल-डीजल की दिक्कत बढ़ने से लोग घबराकर पेट्रोल और डीजल की जरूरत से ज्यादा खरीदारी करने में लगे हैं। हिसार के कई पेट्रोल पंपों पर शुक्रवार को 'तेल नहीं है' का बोर्ड लटका हुआ देखा गया। सिरसा में पेट्रोल-डीजल लेने के लिए गुरुवार की रात से लंबी लाइनें लगी थीं। कई पेट्रोल पंपों पर डीजल और पेट्रोल खत्म हो गया था। कुछ पंप ऑपरेटरों ने पंप के आगे बैरियर लगाए थे।

केवल इमरजेंसी का स्टॉक ही बचा था।

हालांकि पेट्रोल पंप मालिकों ने शुक्रवार को कहा कि पेट्रोल-डीजल पर्याप्त है। शुक्रवार को हिसार के कई पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल-डीजल खत्म हो गया जिसके चलते तेल खत्म होने के बोर्ड लगा दिए गए। शुक्रवार की सुबह ग्रामीण एरिया में लगे पंपों पर इसका ज्यादा असर देखा गया।

चुनावी धांधली की शिकायत EC से करेगी कांग्रेस : हुड्डा

■ NBT न्यूज, चंडीगढ़: पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने शुक्रवार को कहा कि राज्यसभा चुनाव में धांधली करने वाले निर्वाचन अधिकारी के खिलाफ कांग्रेस चुनाव आयोग में शिकायत करेगी। हुड्डा ने आरोप लगाया कि चुनाव अधिकारी ने बीजेपी के साथ मिलकर साजिश रची और कांग्रेस के चार वोट रद्द कर दिए। हुड्डा ने मांग की कि चुनाव आयोग इस मामले में तुरंत कार्रवाई करे।

कहा, चुनाव अधिकारी ने बीजेपी से मिल गलत काम किया

हुड्डा ने कहा कि राज्यसभा चुनाव में एक बार फिर साफ हो गया है कि INLD कभी भी बीजेपी के खिलाफ नहीं जा सकती। की जीत पक्की थी।

हुड्डा ने कहा कि बीजेपी सरकार ने कई सालों तक जनता से पेट्रोल-डीजल पर कांग्रेस शासन के मुकाबले डबल टैक्स वसूला। अब एक्साइज ड्यूटी भी इस तरह घटाई जा रही है कि उससे आम जनता को कोई लाभ नहीं मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सिलिंडर की कालाबाजारी हो रही है। आम जनता परेशान है।

महाराष्ट्र में फिरौती पर लगाम कसेगा अभेद्य ऐप

■ NBT न्यूज, चंडीगढ़

AI Image

महाराष्ट्र में आए दिन मिल रही फिरौती की धमकियों पर कार्रवाई करने में हरियाणा पुलिस की भूमिका अहम होने वाली है। हरियाणा देश का पहला ऐसा राज्य है, जिसने फिरौती की धमकियों पर लगाम लगाने के लिए अभेद्य मोबाइल ऐप लागू किया है। हरियाणा पुलिस की यह योजना महाराष्ट्र पुलिस को पसंद आई है। महाराष्ट्र पुलिस ने हरियाणा पुलिस से यह आइडिया और इसके नतीजों के बारे में जानकारी मांगी है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में आए दिन फिरौती मांगने की घटनाएं सामने आती रहती हैं। पुलिस का कहना है कि महाराष्ट्र में बॉलीवुड के कलाकारों को भी फिरौती की काफी धमकियां मिलती रहती हैं। अभेद्य ऐप नागरिकों में डर खत्म करेगा।

फिरौती की वारदात रोकने को हरियाणा पुलिस की पहल

हरियाणा के डीजीपी अजय सिंघल ने शुक्रवार को बताया कि हरियाणा पुलिस ने साइबर अपराध, धमकी भरे कॉल्स और रंगदारी की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से 'अभेद्य' मोबाइल एप लॉन्च किया है। यह देश में अपनी तरह का पहला मोबाइल आधारित सुरक्षा प्लेटफॉर्म है, जो नागरिकों को संदिग्ध कॉल्स, धमकी भरे संदेशों, स्टॉकिंग और डिजिटल उत्पीड़न से बचाने में सक्षम होगा। हरियाणा देश का पहला ऐसा राज्य है जहां यह पहल की गई है। करीब 15 से 20 दिन प्रदेश के सभी जिलों में चलने तथा इसका प्रैक्टिकल होने के बाद ही इसे अन्य राज्यों के साथ साझा किया जाएगा। ट्रायल रन में आने वाली दिक्कतों को सुलझाया जाएगा। फिलहाल महाराष्ट्र पुलिस ने इसके बारे में जानकारी मांगी है। हरियाणा पुलिस ने जनहित को देखते हुए इसे तैयार किया है। देश की जनता के बचाव में किसी भी राज्य के साथ साझा करने में कोई आपत्ति नहीं है। डीजीपी ने कहा कि हरियाणा पुलिस ने साइबर अपराध, धमकी भरे कॉल पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से 'अभेद्य' मोबाइल एप लॉन्च किया है।

- हरियाणा पुलिस की परियोजना पर महाराष्ट्र पुलिस ने मांगी डिटेल
- महाराष्ट्र में फिरौती की घटनाएं रोकने के लिए हरियाणा का फॉर्मूला लागू करने की तैयारी

डबल मर्डर में छह अरेस्ट, 44 लोगों पर दर्ज हुई FIR

■ NBT न्यूज, करनाल

AI Image

करनाल के सदरपुर एरिया में मुंडोगढ़ी गांव के दो भाइयों के बीच हुए खूनी संघर्ष में दो लोगों की मौत के मामले में छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दोनों पक्षों ने शुक्रवार को एक दूसरे के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने ट्रैक्टर, एक अवैध पिस्टल और लाठी डंडे भी रिकवर किए हैं। घरौंडा थाना प्रभारी इंद्र सिंह ने बताया कि सदरपुर में हुए जमीनी विवाद में दोनों पक्षों के छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जिनको शुक्रवार को कोर्ट में पेश किया गया था। सभी आरोपियों को तीन दिन के रिमांड पर लिया गया है। आलीशान पक्ष की शिकायत पर चार आरोपी कामिल, मेहताब, सद्दाम और अक्सार को गिरफ्तार किया है। इल्ताफ की शिकायत पर ग्यूर और वाजिद को गिरफ्तार किया गया है। अब सभी आरोपियों को तीन दिन के रिमांड पर लिया गया है। रिमांड के दौरान अन्य हथियारों की रिकवरी और फरार आरोपियों के बारे में पूछताछ की जाएगी। इस पूरे मामले में दोनों पक्षों के 44 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। इलाज के दौरान सबीरा की मौत हो गई।

'डंडों से मारा और ट्रैक्टर से कुचला'

इल्ताफ ने बताया कि अरशद, मेहरबान, मेहताब, मुर्सलीन, खुर्शीद और आलीशान के पास हथियार थे और उन्होंने हवाई फायर किए। आरोप है कि वाजिद ने सबीरा पर लाठी से वार किया और आलीशान ने ट्रैक्टर चढ़ा दिया। दूसरे पक्ष से भी खेत पर अवैध कब्जे की एफआईआर दर्ज कराई है। सभी नामजद आरोपियों के खिला हमला, मारपीट, फायरिंग की शिकायत दर्ज की गई।

चार कारोबारियों से मांगी 22 करोड़ की रंगदारी, केस दर्ज

■ NBT न्यूज, पानीपत

AI Image

पानीपत में लॉरेंस गैंग ने बीजेपी नेता समेत चार बिजनेसमैन से 22 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी है। सभी को वट्सएप कॉल कर कहा- अगर समय से रंगदारी नहीं दी गई तो परिवार सहित गोली मार देंगे। धमकी मिलने के बाद गुरुवार को बीजेपी नेता ने पुलिस को इसकी शिकायत की। गुरुवार देर सीआईए की टीम ने मिठुन स्वीट्स की दुकान पर पहुंचकर जांच पड़ताल की।

पानीपत के अंसल निवासी बीजेपी नेता और चिकित्सक डॉ. गौरव श्रीवास्तव ने शुक्रवार को बताया कि वट्सएप पर उनके पास धमकी भरी कॉल आई। फोन करने वाले ने खुद को रणदीप मलिक बताते हुए कहा कि उनके पास डॉक्टर के परिवार, घर और उनके क्लीनिक की पूरी जानकारी है। अगर पांच करोड़ रुपये नहीं दिए तो परिवार समेत गोलियां मार देंगे। डॉ. गौरव पानीपत निगम में मनोनीत पार्षद भी हैं।

बीजेपी नेता और डॉक्टर से कहा, रुपये नहीं दिए तो पूरे परिवार को गोली मारेंगे

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 28-03-2026 Zone: Gurgaon Edition: 1 Page: NBTGRP6 User: cci Time: 03-27-2026 22:00 Color:

उत्तर रेलवे

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 BNSS

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त अनिल कुमार यादव पुत्र श्री हरी प्रसाद यादव पता गाँव सोना खास थाना निचलौल जिला महाराजगंज उत्तर प्रदेश मु.अ.सं. 21/2017 धारा 3RP (UP) Act के अन्तर्गत रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट दिल्ली मेन के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अनिल कुमार यादव यहीं नहीं रहता है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया है कि अनिल कुमार यादव फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामिल से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)।

अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अनिल कुमार यादव से अपेक्षा कि जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक 26.05.2026 को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
वैभव गर्ग
न्यायिक दंडा अधिकारी
प्रथम श्रेणी 11
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

1039/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कंपनी कर्मचारी से ठगे थे 80 हज़ार, MP से अरेस्ट

■ NBT न्यूज, रेवाड़ी

साइबर थाना रेवाड़ी पुलिस ने मई में कंपनी कर्मचारी को भाई के एक्सिडेंट की झूठी सूचना दे अस्पताल में एडमिट कराने के नाम पर 80 हजार रुपये की ठगी करने के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। पहचान मध्यप्रदेश के रायसेन के क्रिश साहू के रूप में हुई है। पुलिस मामले में तीन आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस के अनुसार यूपी के शीतलपुर के जितेंद्र ने 30 मई को शिकायत दी थी कि वे बावल की एक कंपनी में काम करते हैं। 22 मई को उन्हें एक मैसेज आया, बताया कि उनके भाई का एक्सिडेंट हो गया है। अस्पताल में दाखिल कराने के लिए 80 हजार रुपये भेजो। मैसेज के बाद उसने अपने भाई को फोन किया तो उसका फोन बंद आ रहा था। उसने मैसेज भेजने वाले व्यक्ति को फोन पर अपने भाई का फोटो भेजने के लिए कहा, तो उसने बताया कि पहले उसको अस्पताल में दाखिल कराना जरूर है। इसके लिए पैसे जमा कराने होंगे। उसकी बातों में आकर उसने 80 हजार रुपये फोन-पे से उसके अलग-अलग नंबर पर ट्रांसफर कर दिए। बाद में उसका फोन स्विच ऑफ हो गया। इसके बाद उसे ठगी का पता चला। पुलिस ने साइबर थाना रेवाड़ी में ठगी का मामला दर्ज करके मामले में संलिप्त तीन आरोपियों को पहले ही काबू कर लिया था। अब इस मामले में पुलिस ने क्रिश साहू को भी गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी क्रिश साहू के खाते में 60 हजार रुपये की राशि ट्रांसफर हुई थी।

भाई के एक्सिडेंट की झूठी सूचना देकर मई में की थी ठगी

मुआवज़े की मांग पर किसानों की महापंचायत आज

9 गांवों के कुछ किसान प्रतिनिधियों ने जिला प्रशासन से बात की

■ NBT न्यूज, नूंह

भूमि अधिग्रहण पर मुआवजे की मांग पर जिले के 9 गांवों के किसानों का धरना जारी है। शुक्रवार को किसानों का धरना दो हिस्सों में बटता नजर आया। बता दें कि इन्हीं गांवों के कुछ किसान प्रतिनिधियों ने जिला प्रशासन से बातचीत की। उन्होंने एसपी और डीसी नूंह से मुलाकात कर अधिग्रहण के बाद स्थानीय युवाओं को रोजगार देने की मांग उठाई। किसानों का कहना है कि रोजगार के बिना प्रभावित परिवारों का भविष्य सुरक्षित नहीं हो सकता। हालांकि, किसानों का एक वर्ग अब भी बकाया मुआवजे को लेकर अड़ा हुआ है। मांग को लेकर शनिवार को एक महापंचायत बुलाई गई है, जिसमें हरियाणा के किसान नेताओं को आमंत्रित किया गया है। प्रस्तावित महापंचायत को देखते हुए पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट हो गया है। एसपी आयुष यादव के अनुसार, क्षेत्र में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। धरना स्थल पर पांच पुलिस टुकड़ियां और तीन डीएसपी स्तर के अधिकारी तैनात रहेंगे। एक अडिशनल एसपी स्तर का अधिकारी भी स्थिति पर नजर रखेगा। अडिशनल एसपी आयुष यादव ने बताया कि धरना स्थल को जोड़ने वाले सभी रास्तों पर कड़ा सुरक्षा घेरा रहेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि सरकारी काम में बाधा डालने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने सोशल मीडिया पर भी विशेष निगरानी शुरू कर दी है, ताकि किसी भी तरह की अफवाह या भड़काऊ सामग्री को रोका जा सके।

प्रदर्शन को लेकर पुलिस प्रशासन अलर्ट, 5 कंपनियां तैनात

गुमशुदा/अपहृत लड़की की तलाश

साक्षी

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एक लड़की (फोटो में दिखाई गई) जिसका नाम साक्षी **पुत्री** विनय कुमार **निवासी** प्लॉट नं. 1052, गली नं. 8, कापसहेड़ा, नई दिल्ली **उम्र** 12 साल, जो कि 12.03.2026 को रात्रि 1 बजे अपने घर से लापता/अपहृत है। इस बाबत **FIR No.136/26 दिनांक 12.03.2026, धारा 137(2) भारतीय न्याय संहिता,** थाना कापसहेड़ा, नई दिल्ली में दर्ज है। इसका शारीरिक ब्यौरा इस प्रकार है:-

रंग: गेहुँआ, **कद:** 5', **चेहरा:** गोल, **शरीर:** दुबला-पतला जिसने काले रंग की टॉप, जैकेट, नीले रंग की पैंट और काले रंग की सैंडल पहनी है।

यदि किसी भी व्यक्ति को इस लापता/अपहृत लड़की के बारे में कोई जानकारी या सुराग मिले तो अधोलिखित को सूचित करने की कृपा करें:-

थानाध्यक्ष: कापसहेड़ा, नई दिल्ली
फोन: 011-25066105, 25063758
7065036226

ई-मेल: cic@cbi.gov.in
वेबसाईट: http://cbi.nic.in
फैक्स: 24368639
दूरभाष: 24368638/24368641

DP/3922/SW/2026

गुमशुदा की तलाश

तरसेम सिंह

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि एक पुरुष जिसका **नाम: तरसेम सिंह, पुत्र:** श्री किशन सिंह, **पता:** मकान नंबर 1176, दूसरी मंजिल, ए ब्लॉक, जहांगीरपुरी, दिल्ली, **लिंग:** पुरुष, **उम्र:** 65 **कद:** 5'3", **रंग:** साँवला, **चेहरा:** लंबा **शरीर:** पतला **पहनावा:** क्रीम रंग का कुर्ता-पायजामा, हल्के नीले रंग की पगड़ी पहन रखी है दिनांक 21.10.2018 से मकान नंबर 1176, दूसरी मंजिल, ए ब्लॉक, जहांगीरपुरी, दिल्ली, थाना क्षेत्र महेंद्र पार्क, दिल्ली, से लापता है।

इस बाबत **DD No. 52A दिनांक: 22.10.2018 थाना: महेंद्र पार्क, दिल्ली,** में दर्ज है। स्थानीय पुलिस द्वारा हर संभव कोशिश के बाद भी इस लापता पुरुष के बारे में कुछ मालूम नहीं हो पाया है। अगर किसी को भी इस लापता पुरुष के बारे में कोई जानकारी मिले तो कृपया निम्नलिखित पर सूचित करें।

वेबसाईट: http://cbi.nic.in
ई-मेल: cic@cbi.gov.in
फैक्स: 011-24368639
DP/3981/NW/2026

थानाध्यक्ष
पुलिस स्टेशन: महेंद्र पार्क, दिल्ली
फोन नं. 7838743388, 8750870227

भारतीय रेल
पटियाला लोकोमोटिव वर्क्स

पटियाला-147 003
फोन: 2396000, 2396001, फैक्स: 91-0175-2306413

इलेक्ट्रोनिक निविदा आमंत्रण सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पटियाला रेल इंजन कारखाना, पटियाला द्वारा निम्नलिखित इलेक्ट्रोनिक निविदाएं आमंत्रण की जाती हैं:

ई-निविदा सूचना संख्या : 49 ईटी/2025-26

क्रमांक	निविदा सं.	विवरण एवं विशिष्टी सं.	मात्रा	निविदा बंद होने की तिथि
1	20251101C	यू आई सी सॉकेट	560 नंबर्स	15.04.2026*
2	20261036	सी बी कपलर (डब्लयू ए पी-7)	208 नंबर्स	04.05.2026**
3	21261030	मैन ट्रांसफार्मर 7775 के वी ए	113 नंबर्स	04.05.2026*
4	11265036A	इलेक्ट्रिक ओवरहेड ट्रैवेलिंग क्रेन कैपेसिटी: 30/5 टन	01 नंबर्स	20.04.2026
5	22251289D	मिसलेनियस हार्डवेयर सेट्	281 सेट्स	10.04.2026
6	20261028	आई जी बी टी बेस्ड 3-फेज ड्राइव प्रोपल्शन इक्विपमेंट्स विद एलसी	70 सेट्स	20.04.2026
7	20261042	सेट ऑफ केबल ...	154 सेट्स	27.04.2026*

निविदाओं का समापन समय 15:00 बजे है।
*लगी हुई मदें सी.एल.डब्ल्यू. फर्मों से खरीदने के लिए है। **लगी हुई मदें आर डी एस ओ फर्मों से खरीदने के लिए है।
इच्छुक निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि मदों का विस्तृत विवरण तथा निविदा दस्तावेज और निविदा शर्तें http://www.ireps.gov.in या पटियाला रेल इंजन कारखाना, पटियाला की वेबसाइट http://www.plw.indianrailways.gov.in से देखी जा सकती है। कृपया नोट करें कि निविदाकर्ता अपनी कोटेशन केवल http://www.ireps.gov.in से ही भेज सकते हैं।
शुद्धि-पत्र निविदा सूचना संख्या 43 ET/2025-26
निविदा संख्या 21250007 की बंद होने की तिथि को 04.05.2026 पढ़ी जाए। 1041/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C. / 84 BNSS देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त, **धर्मेन्द्र, पुत्र** भोजराज, **पता:** मकान न. 1221, सी-ब्लॉक, 12वां तल, नई बिल्डिंग, गोविन्द पुरी, कालकाजी, नई दिल्ली, ने **E-FIR No. 80057823/2024, U/s: 380/411 IPC, थाना: चित्तरंजन पार्क, नई दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **धर्मेन्द्र,** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त, **धर्मेन्द्र,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **E-FIR No. 80057823/2024, U/s: 380/411 IPC, थाना: चित्तरंजन पार्क, नई दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त, **धर्मेन्द्र,** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **18.05.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री देवांशी जनमेजा, एलडी.
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-04
दक्षिण-पूर्व जिला, कोर्ट न. 10
साकेत कोर्ट परिसर, नई दिल्ली

DP/2902/SD/2026
(Court Matter)

लापता की तलाश

बिजेन्द्र विश्वास

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि एक व्यक्ति जिसका **नाम:** बिजेंद्र विश्वास, **पुत्र:** स्व. मनोरंजन विश्वास, **पता:** म.नं. 67/15, चुरेरिया मोहल्ला, तुगलकाबाद गांव, नई दिल्ली, **लिंग:** पुरुष, **उम्र:** 75 साल, **कद:** 5'5", **रंग:** गोरा, **शरीर:** सामान्य, **चेहरा:** अण्डाकार, **पहनावा:** हरे रंग का स्वेटर, काले रंग की पैंट और पैरों में भूरे रंग की सैण्डल पहने है, जो 28.02.2026 से अपने घर से लापता है। इस बाबत **जीडी नं. 103ए, दिनांक: 01.03.2026, थाना: गोविन्दपुरी, नई दिल्ली** में दर्ज है।

स्थानीय पुलिस द्वारा हर संभव कोशिश के बाद भी इस लापता व्यक्ति के बारे में कुछ मालूम नहीं हो पाया है। अगर किसी को भी इसके बारे में कोई जानकारी मिले तो कृपया निम्नलिखित पर सूचित करें।

फोन: 011-24368638, 24368641
वेबसाईट: http://cbi.nic.in
ई-मेल: cic@cbi.gov.in
फैक्स: 011-24368639
DP/3935/SE/2026

थानाध्यक्ष
थाना: गोविन्दपुरी, नई दिल्ली
फोन: 8750870932

NOTICE

EXPRESSION OF INTEREST (EOI)

is hereby invited from all eligible stake holders for supply and deployment of qualified Fire Auditors/ Fire Officers/ Institutions/Firms/companies/Associations etc. The further details may be obtained from the link given below:

Link:

https://dfs.delhi.gov.in/dfs/invitation-expression-interest-eoi-deployment-fire-auditorsofficers-fire-safety-inspection.

DIP/Shabdarth/Classified/0487/25-26

IGI स्टेडियम में लाइव कन्सर्ट आज, ट्रैफिक पर होगा असर

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में शनिवार को सोनू निगम का लाइव कॉन्सर्ट होने जा रहा है। कॉन्सर्ट शाम चार बजे से शुरू होगा और देर रात 11 बजे तक चलेगा। इस कारण स्टेडियम के आसपास सड़कों पर ट्रैफिक बाधित रहेगा। ट्रैफिक पुलिस का कहना है कि कॉन्सर्ट के कारण आईपी मार्ग, विकास मार्ग (एमजीएम रोड) पर ट्रैफिक प्रतिबंध रहेगा। इसके अलावा राजघाट से आईपी मार्ग तक बड़ी गाड़ियों के आवागमन की अनुमति नहीं होगी। ट्रैफिक पुलिस का कहना है कि शनिवार को दोपहर 2 बजे से रात 10:30 बजे तक, जब दर्शकों की भीड़ स्टेडियम की ओर आएगी और ट्रैफिक का दबाव बढ़ेगा तब आईपी मार्ग (एमजीएम) और विकास मार्ग रिंग रोड (राजघाट से आईपी डिपो तक) सबसे अधिक प्रभावित रहेंगे।

TIMES interact
Connecting People, Connecting Needs.
To book your ad
Logon to: ads.timesofindia.com
or Call: 18001205474 (Toll Free)
Scan QR Code

tender & notices

PUBLIC NOTICE

Be it known to all that my client had agreed to purchase Agricultural Land measuring 3 Bighas and 8 Biswas, i.e. (a) Agricultural Land measuring 3 Bighas and 4 Biswas, bearing Khasra No. 3/2 Min and (b) 1/6th undivided Share in Agricultural Land measuring 1 Bigha and 4 Biswas bearing Khasra No. 3/5, [equivalent to 4 Biswas], with Boundary Wall, trees, plants, crops and other improvements thereupon, situated in Village Chandanhola, Tehsil Chhatarpur, New Delhi (say "SAID PROPERTY"), from its owner namely **SHRI VIPIN SUNEJA** S/o Shri R.C. Suneja R/o Farm House No. 10, Main Gadaipur-Bandh Road, Anand Mangal Farm, Chandanhola, New Delhi-110074 (say "OWNER") free from all encumbrances, charges, liens, mortgages, prior agreements etc.
General public is hereby informed that any other person(s)/ institution/ government authorities or any other third party having any sort of right, claim, title or interest of any nature whatsoever in the said property or any part thereof, under and by virtue of any deed(s)/ document(s)/ prior agreement(s)/ MoU or under inheritance, succession or otherwise is required to put forth his/her/its claim with the undersigned, within 10 days of publication of this notice alongwith documentary proof thereof, failing which the same shall not be binding on my client and my client shall proceed to complete the transaction as bonafide purchaser, free from all encumbrances whatsoever and no claim of whatsoever shall be entertained thereafter.

NARESH GUPTA (Advocate)
C-75, GK Part-1, New Delhi-48. Tel: 011-41024188, 011-40568077
Email: nareshguptaadvocate23@gmail.com

टेंडर और नोटिस

सार्वजनिक सूचना (नोटिस)

I, Davender Singh, hereby inform that the original Title Deed of Flat No. A-1016, Piyush Heights, Sector 89, Faridabad, has been misplaced. I am the sole owner of the property and confirm that no loan exists against it. Any person having any claim regarding the same may contact me within 15 days of publication. Failing which, no claims shall be entertained thereafter.

निविदाएं (टेंडर्स)

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया
प्रापण विभाग
यूनियन बैंक भवन, प्रथम तल, 239, विधान भवन मार्ग, नरीमन पॉइंट, मुंबई - 400 021

बल्क डिलीवरीज करने हेतु तृतीय-पक्ष एजेंसियों को सूचीबद्ध करने के लिए आरएफपी

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, बल्क डिलीवरीज करने हेतु तृतीय-पक्ष एजेंसियों को सूचीबद्ध करने के लिए दो-बोली प्रणाली में बैंक की वेबसाइट और भारत सरकार के सीपीपी पोर्टल के माध्यम से प्रस्ताव आमंत्रित करता है. विस्तृत जानकारी बैंक की वेबसाइट www.unionbankofindia.bank.in एवं सीपीपी पोर्टल www.eprocure.gov.in पर उपलब्ध है. निर्धारित प्रपत्र में प्रस्ताव प्राप्त करने की अंतिम तिथि दिनांक 17.04.2026, दोपहर 03:00 बजे तक है.
बैंक द्वारा किसी भी या सभी निविदाओं को बिना कोई कारण बताए अस्वीकार कर सकता है.

सहायक महाप्रबंधक

TIMES interact

BOOK YOUR CLASSIFIED ADS

• FOR TENDER & NOTICE ADS PLEASE CONTACT AMAN : 9312633518
• FOR RECRUITMENT ADS PLEASE CONTACT AMIT : 9811790649
• FOR PROPERTY ADS PLEASE CONTACT SUNIL : 9999499496

भर्ती

भर्ती-रिक्त पदों की स्थिति

प्रशासन

डिलवरी बॉय

फौरन बॉय चाहिए बैंक करियरिंग सर्विस हेतु बाइक जरूरी। ब्लॉक न. 6, शंकर मार्किट, नई दिल्ली। मो. 9811468215, 9717588655 (सुबह 9 से 3 बजे तक)

व्यक्तिगत

नाम परिवर्तन

I, Ali Haris S/o Javed Husain, R/o B-158, Shaheen Bagh, Okhla, New Delhi- 110025, have changed my name to Aly Khan vide affidavit dated 26/03/2026.

I, Ramesh Chand S/o Vijay Singh Yadav R/o 3606 Sector 23 Gurgaon Haryana-122001 have changed my name to Ramesh Chand Yadav for all purposes.

I, Neman Turi S/o Goverdhan Turi R/o Bhelwara PO Bhelwara, Distt. Hazaribagh, PS Mufhashil Jharkhand-825 301 have changed my name to Ram Kumar Mirdha for all purposes.

मैं नरेंद्र नाथ सु0 प्रेम नाथ गुप्ता नि0 G3/38 मॉडल टाउन दिल्ली-9 हर कार्य के लिए अपना नाम नरेंद्र नाथ गुप्ता करता हूँ

I, Jyoti W/O Rahul Mishra R/O A-17, Nar Vihar - 1, Sector 34, Noida, U.P. 201301 after marriage have changed my name to Jyoti Mishra for all Purposes

GALLERIA

TIMES interact

Looking for Destination Wedding ?
STOP YOUR SEARCH AT
KRB GREENS
HOTEL KRB GREENS
90902 32355 | 8708714429
hotelkrbgreens.in | Sector 14, Bahadurgarh
" Your Dream Wedding Closer Than You Think."
Banquet (300)
Lawn (1000)
58 Luxury Rooms Premium Catering by Harlsons Caterers
Parking for 200 - Cars
5 mins from Delhi Border
Just Minutes Away From Delhi
5 min. Delhi Haryana Border
25 min. Yashobhoomi, Dwarka Expressway
35 min - IGI Airport

PROPERTY FOCUS

TIMES interact

The Beach VILLAGE GOA
Welcome this new year in your new home with Hope, Happiness & Good Health...
HAPPY NEW YEAR 2026
FOR SALE
READY TO MOVE IN
4BHK DUPLEX APARTMENTS
AT ZUARINAGAR, GOA
NEW YEAR OFFER
FEATURES:
- SPACIOUS BALCONIES & BATHROOMS
- LIFT WITH BACKUP
- COVERED CAR PARKING
- SECURITY GUARD
- SWIMMING POOL
- 24x7 WATER SUPPLY (PWD/BOREWELL)
- ADANI GAS PIPELINE CONNECTION
- PAVERED ROADS & LANDSCAPED PARK
- GST 12% NIL

STARTING FROM Rs. 6,500 per sq.ft.
90% LOAN FACILITY AVAILABLE.
PROJECT APPROVED BY BOB, IOB & CBI
FLAT NO. 204, BLOCK B3, THE BEACH VILLAGE-GOA, NEAR MES JUNCTION, ZUARINAGAR, GOA.
CONTACT US:
8197767616 | 7970625409 | 9811355235

TIMES interact

TO ADVERTISE IN THE CLASSIFIEDS SECTION, FOR ANY OF THE BELOW MENTIONED CATEGORIES

MATRIMONIAL, PROPERTY, BUSINESS, RECRUITMENT, EDUCATION, CHANGE OF NAME, LOST & FOUND, SHOPPING, TENDER, PUBLIC NOTICE, SERVICES, VEHICLES, TRAVEL, BIRTHDAY/ ANNIVERSARY ADS

Please call us at the below mentioned nos.

Area / Zone	Contact Person	Mobile No.
Central Delhi1 + North Delhi	Amit Ghosh	98117 90649
Central Delhi2 + Ghaziabad	Sunil Srivastava	99994 99496
South Delhi + Faridabad	Raghav Arora	99999 95460
West Delhi + Dwarka + Gurgaon	Aman Pasricha	93128 33518
East Delhi + Noida	Sumit Negi	98992 68321

HEALTH & WELLNESS

TIMES interact

बचपन की गलतियों से बने गुप्त रोगों के लिए
चेतन आयुर्वेदा
▸ बदरपुर ▸ दरियागंज ▸ भजनपुरा ▸ छतरपुर
E-2, Opp Petrol Pump Bhajanpura
9817469817

सैक्स संबंधी रोग
मर्दाना कमजोरी
शीघ्र पतन
शुक्राणु की कमी
गुप्त रोगी मिलें:
नवीन क्लीनिक
मेन रोड खानपुर, PNB BANK वाली गली में नई दिल्ली-110041
9811564909
9210990444

गुप्त रोगी मिलें
बवासीर, डायबिटीज, शीघ्रपतन, नामर्दी, बे-औलाद, शराब छुड़ाएं
डा. शेरा
फरीदाबाद नई दिल्ली
9410000016

गुप्त रोगी मिलें
घर बैठे दवा मंगायें
सेक्स रोगी
शुगर मोटापा
बचपन की गलतियां
बवासीर, सफेद दाग / सोरायसिस
आकाश दवाखाना
समय 10 - 7 तक
एक्सप्रेस टावर आकाश सिनेमा के पीछे आजादपुर दिल्ली
9953396533
8860003863

LAND for SALE

Near 5 Star Hotel THE LaLiT MANGAR (Gurgaon-Faridabad Road)

1-6 acers mountainous, forest ambience, clear title, suitable for low rise resorts, farm houses, tourism projects, 1.73 km from 5 star hotel THE LaLiT MANGAR. **Contact: 9958845743**
jak.centre@gmail.com

THE TIMES OF INDIA

Readers are recommended to make appropriate enquires and seek appropriate advice before sending money, incurring any expenses, acting on medical recommendations or entering into any commitment in relation to any advertisement published in this publication. All creatives marked as Advertorial, Spotlight and Promotional Features are to be treated as Advertisements. The Times of India Group doesn't vouch for any claims made by the Advertisers of the products and services. The Printer, Publisher, Editor, and the owners of The Times of India Group publications shall not be held liable for any consequences, in the event such claims are not honoured by the Advertisers.

वायरल वॉर

वाइट हाउस के विडियो से कयास

सोशल मीडिया में दो विडियो, एक को 90 मिनट में ही हटाया।

वाइट हाउस से बुधवार रात पोस्ट दो विडियो ने दुनियाभर में हलचल मचा दी हैं। इनमें से एक को बाद में हटा दिया गया। पहला विडियो (अमेरिकी समय के मुताबिक) बुधवार रात 9:15 बजे पोस्ट किया गया। इस 4 सेकंड के विडियो में एक महिला के जूते दिख रहे हैं और आवाज सुनाई दी- 'क्या यह जल्द लॉन्च होने वाला है?' विडियो पर 'Sound On' लिखा है। इसे 90 मिनट बाद X और इंस्टाग्राम- दोनों जगह से हटा दिया गया। रात 10 बजे के दूसरे विडियो में झिलमिल स्क्रीन के साथ फोन नोटिफिकेशन की आवाज सुनाई देती है। एक फ्रेम में अमेरिकी झंडा नजर आता है। इन्हें लाखों लोग देख चुके हैं।

फेक अलर्ट

'गैस खत्म' वाला दावा फर्जी: ताइवान

ताइवान में सोशल मीडिया पर अफवाह फैल गई कि इस देश में गैस का संकट इस कदर है कि इसकी सप्लाई जल्द पूरी तरह खत्म हो जाएगी। दावा यह भी था कि होर्मुज पर तेल टैंकरों की आवाजाही पर बंदिश से ताइवान के पास सिर्फ 11 दिन की LNG बची है। इससे बिजली कटौती शुरू होगी। ताइवान सरकार ने इसे गलत बताया और कहा कि गैस संकट नहीं है। अप्रैल तक LNG का भंडार है।

ईरान को 'बिन मांगे' छूट, 10 हज़ार और US सैनिक तैयार !

■ एपी, वॉशिंगटन/दुबई

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान को गुरुवार रात 10 दिन की और मोहलत देने का ऐलान किया। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा, 'हमने ईरान की सरकार की गुजारिश पर उसके एनर्जी प्लांट्स पर 10 दिनों तक के लिए हमले टाल दिए हैं। यह मोहलत 6 अप्रैल 2026 की रात 8 बजे तक लागू रहेगी।' ट्रंप के इस दावे पर ईरान से संघर्ष खत्म करने के कूटनीतिक प्रयासों में शामिल मध्यस्थों ने ही सवाल उठाए हैं। अमेरिकी अखबार 'वॉल स्ट्रीट जर्नल' के मुताबिक, बातचीत कराने में जुटे मध्यस्थों ने बताया कि ईरान ने ऐसी कोई मांग नहीं की है। उसने अभी तक सीजफायर से जुड़े अमेरिकी प्रस्ताव पर भी कोई अंतिम जवाब नहीं दिया है।

> ट्रंप की 5 दिन की मोहलत शुक्रवार को खत्म हुई

ट्रंप ने इससे पहले सोमवार को पांच दिन की 'मोहलत' दी थी, जो शुक्रवार को खत्म हो गई। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि पश्चिम एशिया की जंग खत्म करने पर बातचीत अच्छी चल रही है और ईरान को होर्मुज का समुद्री रास्ता खोलने के लिए समय दिया गया है।

वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया कि ट्रंप प्रशासन पश्चिम एशिया में 10 हजार और सैनिक भेजने पर विचार कर रहा है। ये अतिरिक्त सैनिक 2000 पैराट्रूपर समेत 7 हजार सैनिकों को भेजने के पहले के आदेश से अलग हैं। नए सैनिकों की तैनाती का मकसद ज्यादा सैन्य विकल्प तैयार करना है। नई टुकड़ी में पैदल सेना और बख्तरबंद वाहन भी होंगे। सैनिकों की तैनाती ठीक उसी समय हो रही है, जब ट्रंप ईरान से शांति वार्ता में प्रगति के दावे कर रहे हैं। दूसरी तरफ उसे घेरने के लिए सैन्य तैयारियां भी बढ़ाई जा रही हैं।

खाड़ी में विरोधाभास

- अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा, ईरान की गुजारिश पर 10 दिनों की मोहलत दी गई।
- बातचीत से जुड़े मध्यस्थों का दावा, ईरान ने ऐसी कोई मोहलत नहीं मांगी।
- 10 हजार और सैनिक पहले के 7 हजार सैनिक भेजने के ऐलान से अलग

अमेरिका ने ईरान जंग में 850 से ज्यादा टॉमहॉक मिसाइलें इस्तेमाल कीं।

'हम दोनों काम पूरा करके दिखाते हैं'...ट्रंप ने मोदी को सराहा

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तारीफ की है। ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच X एक्स पोस्ट में कहा, 'भारत के साथ हमारे शानदार संबंध आगे और भी मजबूत होंगे। प्रधानमंत्री मोदी और मैं दो ऐसे लोग हैं जो काम पूरा करते हैं, ऐसा ज्यादातर लोगों के बारे में नहीं कहा जा सकता।' भारत में अमेरिकी दूतावास ने ट्रंप के इस बयान को साझा किया। इससे पहले मंगलवार को मोदी और ट्रंप की बातचीत में ईरान संघर्ष पर अहम चर्चा हुई। कॉल के बाद, पीएम मोदी ने पश्चिम एशिया में शांति बहाली और वैश्विक व्यापार के लिए होर्मुज स्ट्रेट की रणनीतिक अहमियत पर भारत का पक्ष दोहराया। पीएम ने फोन कॉल के दौरान इलाके में शांति और स्थिरता बनाए रखने और होर्मुज स्ट्रेट को खुला और सुरक्षित रखने पर जोर दिया था।

नरेन्द्र मोदी, PM

'थैंक्यू इंडिया' लिख ईरान ने दागीं मिसाइलें

जंग में समर्थन पर जताया आभार, इस्राइल और खाड़ी देश बने निशाना

■ एएफपी, तेहरान/दुबई

ईरान ने शुक्रवार तड़के इस्राइल और सहयोगी खाड़ी देशों पर नए हमलों से साफ कर दिया कि वह पीछे हटने के मूड में नहीं है। ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स (IRGC) ने 'ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 4' के तहत 83वां चरण शुरू करने का ऐलान किया। सोशल मीडिया पर आए विडियो में दिखा कि ईरानी सैनिकों ने इस बार मिसाइलों पर 'थैंक्यू इंडिया' लिखकर उन्हें लॉन्च किया। इसी तरह स्पेन, पाकिस्तान, जर्मनी के लिए भी संदेश लिखकर इन देशों का आभार जताया गया। इन हमलों में लंबी और मध्यम दूरी की मिसाइलें और ड्रोन इस्तेमाल हुए। इनसे खाड़ी में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को भी निशाना बनाने का दावा किया गया। बहरीन में पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम से जुड़े ठिकाने पर हमले का दावा किया गया।

> ईरान की नेवी ने कहा, होर्मुज का रास्ता फिलहाल बंद

ईरान ने शुक्रवार को होर्मुज के रास्ते से तीन जहाजों को लौटा दिया। ये चीन के जहाज थे, जो लौट गए। ईरानी गार्ड्स की नेवी ने कहा कि यह समुद्री रास्ता फिलहाल बंद है और किसी भी जहाज की आवाजाही पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। ईरान ने ट्रंप के उस दावे को भी खारिज किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि 10 टैंकर होर्मुज से गुजरने दिए गए। ईरान ने साफ किया कि अमेरिका और इस्राइल से जुड़े देशों के बंदरगाहों से आने-जाने वाले जहाजों पर पूरी तरह रोक है। ईरानी सेना ने खाड़ी देशों में लोगों से अपील भी की कि जहां भी अमेरिकी सैनिक तैनात हैं, वे इलाके खाली कर दें। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने UN मानवाधिकार परिषद की बैठक में अमेरिका और इस्राइल पर जंग थोपने का आरोप लगाया। इसमें मिनाब शहर के स्कूल पर हमले का मुद्दा भी उठा।

AP

कुवैत में ईरान के गुरुवार के हमले में इंटरनैशनल एयरपोर्ट को काफी नुकसान हुआ।

कुवैत को नुकसान, तेल अवीव भी निशाना

ईरान के हमलों से कुवैत में दोनों बंदरगाहों शुवैख और उत्तर में स्थित मुबारक अल कबीर को नुकसान हुआ। मुबारक अल कबीर बंदरगाह का चीन की 'बेल्ट एंड रोड' योजना के तहत निर्माण किया जा रहा है। ऐसा प्रतीत होता है कि पहली बार है जब खाड़ी क्षेत्र में चीन से जुड़ी किसी परियोजना पर हमला हुआ है। इस संघर्ष के दौरान, चीन ने ईरानी कच्चे तेल की खरीद जारी रखी है। बहरीन, कतर और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में भी मिसाइल हमलों का अलर्ट जारी किया गया। सऊदी अरब के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि हमने राजधानी रियाद को निशाना बनाने वाली मिसाइल और ड्रोन को मार गिराया।

इस्राइल के अशदोद में तेल डिपो को निशाना बनाया गया है। हमले के बाद वहां आग लगने की बात कही जा रही है। ईरानी सेना ने तेल अवीव में सपोर्ट बेस और ट्रांसपोर्ट से जुड़े केंद्रों को टारगेट कर उन्हें नुकसान पहुंचाने का दावा किया।

इस्राइल ने दहलाया ईरान, तेहरान में पाकिस्तान एंबेसी के पास गिरा बम

■ एपी, दुबई (यूएई)

इस्राइल ने गुरुवार रात से शुक्रवार तक ईरान पर कई हमले किए। इस्राइली सेना ने तेहरान में ईरान की मिसाइल और माइंस फैक्ट्रियों और उत्तरी ईरान में मिसाइल लॉन्चर और गोलाबारूद के गोदामों पर हमले का दावा किया। इस्राइली रक्षा मंत्री इसराइल काट्ज ने कहा कि ईरान ने इस्राइल की रिहाइश पर हमले बंद नहीं किए तो ये हमले और तेज होंगे। दायरा भी बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि इस्राइलियों पर मिसाइल हमले की बड़ी कीमत चुकानी होगी।

तेहरान में हमलों में पाकिस्तानी दूतावास के सामने भी बम गिरे। पाकिस्तान सरकार से जुड़े फोरम ने चेताया कि हमें कतर की तरह कमजोर न समझा जाए। ईरान ने कहा कि इस्राइली हमलों में 120 120 म्यूजियम और ऐतिहासिक इमारतों को नुकसान पहुंचा है। कोम में रिहायशी इलाकों में 18 मौतें हुईं। ईरान ने कहा कि जमीनी हमले हुए तो हालात संभाल नहीं सकेंगे।

AFP

इस्राइल के हवाई हमलों में तेहरान की कई रिहायशी इमारतें निशाना बनीं।

US ने ईरान में बिखेरी बारूदी सुरंगें: रिपोर्ट

■ NBT रिपोर्ट: अमेरिकी अखबार वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट में दावा किया गया कि अमेरिकी सेना ने ईरान के दक्षिणी हिस्सों में कई जगह लैंड माइंस (बारूदी सुरंगें) बिखेरी हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि दो दशक में पहली बार ऐसा हुआ है, जब अमेरिका ने ऐसा हथियार इस्तेमाल किए हों। ये माइंस शिराज शहर के बाहर, एक रिहायशी इलाके में पाई गईं, जो पास के ईरानी मिसाइल ठिकानों से 3 मील दूर है। माना जा रहा है, इन्हें हवाई जहाज से गिराया गया है।

> ईरानी शहर शिराज में बारूदी सुरंगें बिखरी मिलीं: रिपोर्ट

जवानों की कमी, इस्राइल के आर्मी चीफ ने चेताया- 'ढह सकती है सेना'

■ NBT रिपोर्ट

ईरान से जंग, लेबनान में हिजबुल्लाह पर हमले और गाजा में हमास से दो-दो हाथ...तीन मोर्चों पर उलझे इस्राइल के सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल इयाल जमीर (Eyal Zamir) ने चेताया है कि जवानों की भारी भी है और इसका हल नहीं निकला तो इस्राइली सेना अंदरूनी तौर पर 'ढह' सकती है। सुरक्षा मामलों की कैबिनेट मीटिंग में जनरल जमीर ने 10 खतरों (10 रेड फ्लैग) को सामने रखा। उन्होंने कहा कि अगर जल्द और सैनिक नहीं जोड़े गए, तो कई जगहों पर बड़ा खालीपन पैदा हो जाएगा।

> सेना प्रमुख ने कैबिनेट की मीटिंग में 10 संकट गिनाए हैं

इस्राइली सेना के प्रमुख ने जिन खतरों को गिनाया, उनमें जवानों की कमी के साथ मिशन पर जुटे सैनिकों पर बढ़ता बोझ, थकान, अर्थव्यवस्था पर बुरा प्रभाव, हथियार सप्लाई में कमी का जोखिम, अग्रिम मोर्चों पर अनुभवी कमांडरों की कमी और भर्ती में असमानता, ट्रेनिंग में गिरावट, मानसिक स्वास्थ्य का संकट अहम है। इन खतरों से जल्द नहीं निपटे तो सेना ढह जाएगी।

इस्राइली सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल इयाल जमीर (दाएं)।

विपक्ष ने कहा, बिना देरी लागू हो अनिवार्य सैन्य सेवा कानून

सेना का संकट सामने आने के बाद इस्राइल के विपक्षी नेताओं ने सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जवान बढ़ाने के लिए तुरत इमरजेंसी बैठक बुलाएं। विपक्षी नेता यायर लैपिड ने कहा कि तुरत अनिवार्य सैन्य सेवा कानून लागू हो। सूत्रों ने बताया कि सैनिकों की कमी की बड़ी वजह यह भी है कि हरेदी समुदाय ने सेना में शामिल होने का विरोध किया है। इसके कारण अनिवार्य सैन्य सेवा कानून पर पेंच फंसा है। हरेदी समुदाय पूरा समय पवित्र यहूदी ग्रंथों की स्टडी में समर्पित रहते हैं और इन्हें सेना में काम से छूट है।

यायर लैपिड

इस्राइली दूत ने कहा, जमीनी ऑपरेशन का विकल्प खुला

भारत में इस्राइल के राजदूत रुवेन अजार (Reuven Azar) ने ईरान में जमीनी ऑपरेशन की संभावना से इनकार नहीं किया है। टाइम्स नाउ समिट में अजार ने कहा कि यह सही है कि ईरान बड़ा देश है और क्या तीन हजार (अमेरिकी) सैनिक पूरे देश में कार्रवाई कर पाएंगे, लेकिन इस कदम का साफ संकेत यह है कि ऑपरेशन जारी रह सकता है और इससे ईरानी शासन को नुकसान होगा। अमेरिका के पास अभी कई सैन्य विकल्प मौजूद हैं। पाकिस्तान की मध्यस्थता से जुड़े सवाल पर कहा कि इसका अर्थ संदेश पहुंचाना, प्रभाव डालना या फिर बैठक आयोजित करना भी हो सकता है। अजार ने ईरान के मिनाब में स्कूली बच्चों की बमबारी से हत्या के सवाल पर माना कि निर्दोष लोगों की मौत दुखद है, लेकिन यह अपवाद है, नियम नहीं।

रुवेन अजार

सीज़फायर को तैयार, लेकिन यह हमारे हाथ में नहीं: ईरान

ईरान के सर्वोच्च नेता के भारत में प्रतिनिधि के उप-प्रतिनिधि डॉ. मोहम्मद हुसैन जियाईनिया ने कहा कि हमारा देश सीजफायर के लिए तैयार है, लेकिन यह कब होगा, इसके बारे में अभी कुछ नहीं कहा जा सकता। ईरान ने इस युद्ध की शुरुआत नहीं की थी। ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई पर पूछे सवाल के जवाब में कहा कि वह देश को लगातार निर्देशित कर रहे हैं। ईरान के नेताओं के सड़कों पर ना दिखने से जुड़े सवाल के जवाब में हुसैन ने कहा कि जब शहीद लारिजानी सड़कों पर आए तो वह अपनी जिम्मेदारी से आए थे, इसका मतलब ऐसा नहीं है जो भी बाहर आता है, उसे मार दिया जाता है। उन्होंने कई बड़े नेताओं का नाम लेकर कहा कि कई लोग सड़कों पर दिखे हैं।

डॉ. मोहम्मद हुसैन जियाईनिया

हिजबुल्लाह-इस्राइल में सीधी भिड़ंत

■ एएफपी, बेरूत (लेबनान)

इस्राइल ने शुक्रवार को बेरूत के दक्षिणी इलाकों पर बड़े हवाई हमले किए। इस्राइली सेना का कहना है कि हम हिजबुल्लाह के ठिकानों को निशाना बना रहे हैं। वहीं, ईरान समर्थित हिजबुल्लाह ने दावा किया कि साउथ लेबनान में उसके लड़ाके इस्राइली सैनिकों से सीधी भिड़ंत में शामिल हैं।

इस्राइली सेना ने कहा कि हमने बेरूत में 'हिजबुल्लाह के आतंकी ढांचों' को निशाना बनाते हुए हमलों की नई लहर शुरू की है। दक्षिणी इलाकों को खाली करने की चेतावनी भी जारी की है। बेरूत के दक्षिण में इस्राइली हमलों के बाद धुआं उठता दिखा। इससे पहले बिना किसी चेतावनी के हुए हमले में दो लोगों की जान गई। इस्राइली सेना लेबनान के कई शहरों में आगे बढ़ रही है। लक्ष्य सीमा से 30 किलोमीटर दूर लितानी नदी तक सुरक्षा घेरा बनाना है, ताकि हिजबुल्लाह को पीछे किया जा सके।

लेबनानी अधिकारियों के मुताबिक, अब तक 1100 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और 10 लाख से ज्यादा लोग घर छोड़ चुके हैं। इस बीच संयुक्त राष्ट्र की शरणार्थी एजेंसी ने चेताया कि लेबनान में हालात तेजी से बिगड़ रहे हैं।

लेबनान में इस्राइली हमले।

फलस्तीनियों पर कहर के खिलाफ यहूदियों ने ही बुलंद की आवाज़

AFP

वेस्ट बैंक के पास इस्राइली बस्तियों के लोग अक्सर फलस्तीनियों पर हमले करते हैं। संडे को नाब्लस के पूर्व में दीर अल-हतब गांव में हमला हुआ।

■ NBT रिपोर्ट

ईरान से संघर्ष के बीच वेस्ट बैंक में फलस्तीनियों पर बढ़ती इस्राइलियों की हिंसा पर यहूदियों ने ही आवाज उठाई है। इस्राइली अखबार Jerusalem Post (जेरूसलम पोस्ट) के मुताबिक, 1000 यहूदी नेताओं ने पत्र लिख इस्राइली राष्ट्रपति इसहाक हर्जोग (Isaac Herzog) से हस्तक्षेप की अपील की है। गुरुवार को जारी लेटर में लिखा गया, 'राष्ट्रपति जी, वेस्ट बैंक में निर्दोष फलिस्तीनियों के खिलाफ हिंसा और तबाही बेहद शर्मनाक है। यह सिर्फ नैतिक रूप से गलत नहीं है, बल्कि इस्राइल के भविष्य के लिए रणनीतिक खतरा भी है। लगता है कि वेस्ट बैंक में बढ़ती हिंसा को न सिर्फ नजरअंदाज किया जा रहा है, बल्कि यह सरकारी नीति बनती जा रही है।'

> यहूदियों ने हिंसा के खिलाफ राष्ट्रपति को लिखा खत

लेटर में कही गई हिंसा रोकने की अपील

'लंदन इनिशिएटिव' नाम के नेटवर्क की अगुआई में यह पत्र जारी किया गया। यह अपील ऐसे समय में आई है, जब वेस्ट बैंक में फलस्तीनियों पर हिंसा चरम पर पहुंच गई है। पत्र में राष्ट्रपति हर्जोग से अपील की गई कि वे पीएम बेन्यामिन नेतन्याहू और उनकी सरकार पर दबाव डालें, ताकि इस हिंसा को रोका जा सके।

इस मुद्दे पर अमेरिका में भी चिंता बढ़ी

इस मुद्दे पर अमेरिका में भी चिंता बढ़ी है। अमेरिका में इस्राइली दूत रब्बी येचिएल लेइटर ने कहा कि यह स्थिति वॉशिंगटन में इस्राइल के समर्थन को भी प्रभावित कर रही है। वेस्ट बैंक में करीब 30 लाख फलस्तीनी हैं। इनके साथ 5 लाख से अधिक इस्राइली भी बस्तियों और आउटपोस्ट्स में रहते हैं।

कल तक होर्मुज़ पार कर सकते हैं हमारे 4 और जहाज़

रास्ते में कम्युनिकेशन और सुरक्षा में कई पेच, जिनको भारत की सभी एजेंसियां मिलकर सुलझाने में लगी

Poonam.Pandey
@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली :** एक-दो दिन में करीब चार भारतीय जहाज होर्मुज पार कर सकते हैं। इसके लिए ईरान से लगातार बातचीत जारी है। सूत्रों के मुताबिक, जिस तरह बातचीत हो रही है, उससे उम्मीद है कि एक-दो दिन में ही इन जहाजों को होर्मुज क्रॉस करने की हरी झंडी मिल सकती है। हालांकि इसमें कम्युनिकेशन और सुरक्षा में कई पेच भी हैं, जिन्हें भारत की सभी एजेंसियां मिलकर सुलझा रही हैं।

सूत्रों के मुताबिक, कम्युनिकेशन इसलिए पेचीदा हो रहा है क्योंकि ईरान में कोई एक सख्त हाईकमान नहीं है। कई फ्रंट पर बातचीत करनी पड़ रही है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भारतीय जहाज सुरक्षित तरीके से होर्मुज पार कर सकें। यह सुनिश्चित करना अपने आप में चुनौती है कि ईरान में ऊपर से लेकर नीचे तक हर स्तर तक यह बात पहुंचे कि जो जहाज गुजरने वाले हैं, वह भारतीय झंडे वाले हैं और उन्हें सुरक्षित गुजरने पर सहमति बनी है।

खतरा यह है कि होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों पर दूर से ही मिसाइल अटैक, ड्रोन अटैक या फिर वहीं बोट अटैक हो सकता है। इसलिए हर स्तर पर जो इन्हें कंट्रोल कर रहे हैं, वहां तक कम्युनिकेशन पहुंचना जरूरी है। सिर्फ सेफ पैसेज की गारंटी से काम नहीं चलता। बल्कि हर स्तर पर सुनिश्चित करना पड़ता है। पल-पल बदलते हालात को भी देखना होता है। यह डर भी है कि पता नहीं कब अमेरिका ही अटैक कर दे। इसके साथ ही जहाज के गुजरने का सेफ रास्ता क्या है, यह भी कन्फर्म करना होता है। फिर उसी रूट को फॉलो करना होता है। साथ ही लगातार हर स्तर पर यह भी जानकारी पहुंचाना सुनिश्चित करना होता है कि भारतीय जहाजों की क्या पोजिशन है और कब वे कहां पर पहुंचे हैं, ताकि कोई गलती से ही हमला न कर दे।

FILE PHOTO

ये आ रही दिक्कत

- लोकेशन के हिसाब से होर्मुज पार करने में जहाज को एक या डेढ़ दिन लगते हैं
- फिर ओमान की खाड़ी से भारत आने में जहाज को कम से कम तीन दिन लगते हैं
- सूत्र बोले- कम्युनिकेशन इसलिए पेचीदा है क्योंकि ईरान में एक हाईकमान नहीं

विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि अब तक 4 भारतीय जहाज होर्मुज से देश पहुंच चुके हैं।

'अब तक 4 जहाज़ पहुंचे, 20 फंसे हैं'

विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि होर्मुज के रास्ते 4 भारतीय जहाज आ चुके हैं। 20 जहाज वहां खड़े हैं। इनकी सुरक्षित आवाजाही के लिए संबंधित देशों से बात हो रही है। विदेश मंत्रालय की प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिये भारतीय जहाजों के सुरक्षित आवागमन के लिए सरकार संबंधित देशों के संपर्क में है। भारत की ऊर्जा जरूरतों के स्रोत से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा, भारत की खरीद जनता की जरूरतों, बाजार डायनामिक्स और ग्लोबल हालात से प्रेरित है। वहीं, विदेश मंत्री जयशंकर ने फ्रांस में G7 की बैठक में पश्चिम एशिया संकट की वजह से ग्लोबल साउथ के देशों को आ रही दिक्कतों को दुनिया के सामने रखा।

वॉर अपडेट्स

श्रीलंका में तेल की राशनिंग की गई।

- जर्मनी के विदेश मंत्री ने कहा कि अमेरिका और ईरान में सीधी बातचीत पाकिस्तान में जल्द होगी।
- फाइनैंशल टाइम्स की रिपोर्ट में दावा, UAE होर्मुज खोलने वाली सेना में शामिल होने को राजी।
- ईरान ने अपनी टीमों को 'शत्रु' देशों की यात्रा से रोका, US ने कहा कि फीफा वर्ल्ड कप में वेलकम है।
- यमन के हूती विद्रोहियों ने ईरान के समर्थन में इस जंग में उतरने की चेतावनी दी है।
- ब्रिटेन ने कहा- ईरान को वैश्विक अर्थव्यवस्था को 'बंधक' बनाने की अनुमति नहीं दी जा सकती है।

NOTE : -

[: राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi,]

English NEWSPAPERS
[Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi] ETC.

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

2. आकाशवाणी (AUDIO)

whatsapp Group ka link pane ke liye
Newspaper_pdf_bot par jaye.

Click here to contact:-https://t.me/Newspaper_pdf_bot
Or type in Search box of Telegram
@Newspaper_pdf_bot And you will find a channel
BACKUP GROUP LINK
https://t.me/joinchat/5P9EL1JaqoYzNTI1

Hindi-English News Paper Website:- onlineftp.in